



SS

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ३३] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त १४, १९८२ (श्रावण २३, १९०४)

No. 33] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 14, 1982 (SRAVANA 23, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक २० जुलाई १९८२

सं० ए-१९०२१/४/७८-प्रशासन-५—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री पी० एस० द्वारा, भारतीय पुलिस सेवा (पंजाब : १९६२), पुलिस उप-महानिरीक्षक (एस०), केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना की सेवाएं दिनांक १ जुलाई, १९८२ के अपराह्न से पंजाब सरकार को सौंपी जाती है।

दिनांक २४ जुलाई १९८२

सं० ए-१९०२१/६/७८-प्रशासन-५—प्रत्यावर्तन हो जाने पर श्री पी० सी० शर्मा, भारतीय पुलिस सेवा (असम एवं मेघालय-१९६६), पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, सी० श्राई० डी० य० (१) शास्त्रा की सेवाएं दिनांक १५ जुलाई, १९८२ के अपराह्न से असम सरकार को सौंपी जाती है।

दिनांक २६ जुलाई १९८२

सं० ए-१९०३६/१०/८२-प्रशासन-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रशासन से छीं बिन्दू नाथ क्षा, निरीक्षक को दिनांक १३ जुलाई, १९८२ (अपराह्न) से अगले प्रादेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में तबर्थ आधार पर स्थानापन्न पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

आर० एफ० नागपाल
प्रशासनिक अधिकारी (स्थापना)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली, दिनांक १९ जुलाई १९८२

सं० ओ० बो० १७१३/८१-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जी० डी० श्रो० ग्रेंड-II) डा० जगन्नाथ, बेस हॉस्पिटल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली, जो केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थाई सेवा नियमावली) १९६५ के नियम (10933).

5(1) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 10 जुलाई 1982 के पूर्वान्तर से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

दिनांक 22 जुलाई 1982

सं. O-II-136/75-स्थापना—नै० कर्तल उमराव भिह ने अपनी पुनः नियुक्ति की अवधि समाप्त होने के फलस्वरूप केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कमांडेन्ट का कार्यभार दिनांक 16 जून 1982 पूर्णतः को छोड़ दिया।

ए० के० मूरी
सहायक निदेशक (स्थापना)

श्रम मंत्रालय

श्रम व्यूरो

शिमला-171004, दिनांक 7 अगस्त 1982

सं. 23/3/82-सी. पी. आई—जून, 1982 में आई-डी-गिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभांगता मूला भूचकारी (आधार वर्ष 1960=100) मई 1982 के स्तर गं 8 अंक तक कर 470 (चार भी सत्तर) रहा। जून, 1982 माह का भूचकारी आधार पर 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 571 (पाँच सौ इकत्तर) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज
निदेशक
श्रम व्यूरो

वित्त मंत्रालय

प्रतिभूति कागज कारखाना

होणगांवाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

सं. एम-6/4370—श्री बी० एस० शर्मा, फोरमैन (यांत्रिक) को दिनांक 9 जुलाई 1982 से 30 सितम्बर 1982 तक की अवधि अथवा अग्रिम आदेशों तक, इनमें से जो भी पहिले हो, वेतनमात्र रु० 650-30-740-35-810-द० रु०-35-880-40-1000 द० अ०-40-1200 में पूर्णतः तदर्थ आधार पर सहायक अधियता (यांत्रिक) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

नई दिल्ली-110066, दिनांक 19 जुलाई 1982

सं. प्रशा०/1/2158-81—रक्षा लेखा महा नियंत्रक निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों (लेखा) को लेखा अधिकारी के रूप में प्रत्येक के सामने लिखी तारीखों से शामासी अंदिश पर्यन्त स्थानापन्न रूप में एतददृ द्वारा नियुक्त करते हैं :—

क्रमांक	नाम	संगठन	तारीख
1	2	3	4
भवंशी			
1.	धनी राम मूद	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) इलाहाबाद	18-2-81
2.	दिवाकर मिन्हा	र० ले० नि० (प०), इलाहाबाद	18-6-81
3.	हरि प्रशाद मिह	र० ले० नि० (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	26-3-81
4.	एस० एस० श्रीवास्तव	र० ले० नि० (प०), इलाहाबाद	16-3-81

दिनांक 17 जुलाई 1982

सं. 3(28)/4369—निम्न दर्शाइ अधिकारियों को उनके नाम के आगे दर्शाइ तारीख से स्थायी पदों पर स्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है :—

क्रमांक	नाम एवं पदनाम	जिस पद पर	स्थायी
		स्थायी किए गए	करने की
		उप पद का नाम	तारीख
(1)	श्री आर० कृष्ण मूर्ति	महायक अभियन्ता	20-4-77
	अभियन्ता (विद्युत)।	(विद्युत)।	
(2)	श्री एस० एस० जौहरी	सहायक मुख्य	12-7-82
	उप मुख्य नियंत्रण	नियंत्रण अधिकारी	
	अधिकारी।		

सं. रा० पाठक
महाप्रबन्धक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 22 जुलाई 1982

सं. प्रशा०/1/1899/5/जिल्द-1—श्री बी० एस० बाल मुक्रहाण्यिन, आई० डी० ए० एस० जिन्होंने दिनांक 6-6-1982 (उनकी जन्म तिथि 7-6-1924 होने के कारण) को 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर भी है, दिनांक 30-6-1982 (अपराह्न) से पेशन स्थापना को अन्तरित कर दिए गए और तदनुभार वे मूल नियम 56(ए०) की शर्तों के अनुसार दिनांक 30-6-1982 (अपराह्न) से रक्षा लेखा विभाग के संख्याबल पर नहीं रहे। अधिकारी, दिनांक 3-9-1981 से अपनी वार्षिक निवार्तन की तारीख तक सेवा निवृत्ति पूर्व छह दिनों पर रहे।

श्रा० के० माधुर
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशासन)

1	2	3	4
सर्वे श्री			
5. प० नारायण मूर्ति		र० ले० नि०, दक्षिण कमान, पुणे	16-3-81
6. वी० पेरियास्वामी		र० ले० नि० (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	16-3-81
7. परोज कुमार भट्ट		र० ले० नि० पटना	16-3-81
8. तिलक राज सेठी		लंबा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	16-3-81
9. आर० श्रीधरन		र० ले० नि० (अ० रै०) दक्षिण, मद्रास	16-3-81
10. घनश्याम लाल		र० ले० नि० (अ० रै०), उत्तर, मेरठ	16-3-81
11. आर० विजयराघवन		र० ले० नि० दक्षिण कमान, पुणे	16-3-81
12. बाई० सी० सिह		र० ले० नि०, वायुसेना, देहरादून	16-3-81
13. जी० एन० मेहरोन्ना		र० ले० नि० (अ० रै०) उत्तर, मेरठ	16-3-81
14. वी० गणेशन		र० ले० नि० (अ० रै०) दक्षिण, मद्रास	16-3-81
15. प० एल० जुबेकर		र० ले० नि० दक्षिण कमान, पुणे	16-3-81
16. रवि दत्त शर्मा		र० ले० नि०, पटना	16-3-81
17. प० आर० आडजक चन्द्र		र० ले० नि० (अ० रै०) दक्षिण, मद्रास	16-3-81
18. आर० पी० आर्या		र० ले० नि० (अ० रै०), उत्तर, मेरठ	23-3-81
19. गणेश चन्द्र		र० ले० नि० (पे०), इलाहाबाद	16-3-81
20. महेशचन्द्र		र० ले० नि० (पे०) इलाहाबाद	16-3-81
21. प० प० नटराजन		र० ले० नि० (प्र० रै०) दक्षिण, मद्रास	19-3-81
22. वी० पी० गुप्ता		र० ले० नि० मध्य कमान मेरठ	16-3-81
23. भीषम देव		र० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	16-3-81
24. प्रीप पाल मिह		र० ले० नि० पीश्चमी कमान, मेरठ	12-3-82
25. जी० सी० मुखर्जी		लंबा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	16-3-81
26. डी० जी० अग्रग्र		र० ले० नि० (अ० रै०) दक्षिण, मद्रास	16-3-81
27. प्रेम शंकर लव		र० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	16-3-81
28. टी० गाजामनी		र० ले० नि० दक्षिण कमान, पुणे	16-3-81
29. गुलशन राध श्रानन्द		र० ले० नि० वायुसेना, देहरादून	23-3-81
30. कृष्ण चन्द्र विज्ञ		र० ले० नि० पटना	16-3-81
31. प० सुब्बा राव		र० ले० नि० (अ० रै०) मध्य, नागपुर	16-3-81
32. अब्दुल हैर अन्नमारी		र० ले० नि० पटना	16-3-81
33. ए० सुब्बारमन		र० ले० नि० नामेना, बम्बई	16-3-81
34. आर० डी० भारद्वाज		र० ले० नि० (निधि) मेरठ	16-3-81
35. ए० माधव नाथर		र० ले० नि० वायुसेना, देहरादून	16-3-81
36. चन्द्रका प्रसाद मिश्रा		र० ले० नि० पटना	16-3-81
37. ए० आर० लक्ष्मीनारायणन		र० ले० नि० (अ० रै०) दक्षिण, मद्रास	16-3-81
38. इंद्रजीत सिंह		र० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	16-3-81
39. जी० एच० संजीवा		र० ले० नि० (अफसर) पुणे	16-3-81
40. वी० एस० बालकृष्णन		र० ले० नि० (अ० रै०) दक्षिण, मद्रास	16-3-81
41. के० पी० शर्मा		र० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	16-3-81
42. कस्तूरी लाल		र० ले० नि० वायुसेना, देहरादून	16-3-81
43. एच० एस० श्रीवास्तव		र० ले० नि० (अ० रै०) मध्य, नागपुर	23-3-81
44. मुप्रकाश राय		र० ले० नि० पटना	16-3-81
45. राजेन्द्र सिंह		र० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	16-3-81
46. ए० के० दास		र० ले० नि०, पटना	16-3-81
47. श्री० प० जोशी		र० ले० नि० (अफसर) पुणे	16-3-81
48. ए० वी० बोम		र० ले० नि० (पे०) इलाहाबाद	16-3-81
49. टी० रामचन्द्र छालू		र० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	16-3-81
50. ओ० नरसिंहन		र० ले० नि० वायुसेना, देहरादून	16-3-81

1	2	3	4
51.	रमेश चन्द्र चटर्जी	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	1-4-81
52.	विष्णु कुमार अलवर	२० ले० नि० उत्तरी कमान, जम्मू	17-3-81
53.	राम कृष्ण सिंह	२० ले० नि० वायुसेना, देहरादून	23-3-81
54.	ए० ए० के० गौरी	२० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	16-3-81
55.	एस० कृष्णमूर्ति	२० ले० नि० मुख्यालल, नई दिल्ली	16-3-81
56.	बी० के० सिंह	२० ले० नि० पटना	8-4-81
57.	अधीन्दु प्रकाश बसु	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	16-3-81
58.	जय प्रकाश	२० ले० नि० वायुसेना, देहरादून	16-3-81
59.	राजेन्द्र पाल मेहता	२० ले० नि० वायुसेना, देहरादून	16-3-81
60.	एस० कृष्ण मूर्ति	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	30-3-81
61.	यू० एस० मुले	२० ले० नि० (श्र० र०) मध्य, नागपुर	16-3-81
62.	एन० एस० नंगी	२० ले० नि० (पै०) इलाहाबाद	16-3-81
63.	ए० के० मुखर्जी	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	27-3-81
64.	एस० डी० द्विवेदी	२० ले० सं० नि० (निधि), मेरठ	16-3-81
65.	के० एल० राठी	२० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	16-3-81
66.	एच० एस० एस० मूर्ति	२० ले० नि० (श्र० र०) दक्षिण, मद्रास	16-3-81
67.	सतीश चन्द्र सक्सेना	२० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	30-3-81
68.	के० एल० टंडन	२० ले० नि० (श्र० र०) मध्य, नागपुर	23-3-81
69.	गोगेन्द्र पाल चृष्ण	२० ले० नि० (पै०) इलाहाबाद	16-3-81
70.	दीना नाथ चतुर्वेदी	२० ले० नि० (पै०) इलाहाबाद	16-3-81
71.	बी० बी० मुनीरमैया	२० ले० नि० (श्र० र०) दक्षिण मद्रास	21-3-81
72.	राम कुमार गोयल	२० ले० नि० (पै०) इलाहाबाद	16-3-81
73.	बी० आर० कुलकर्णी	२० ले० नि० नौसेना, बम्बई	16-3-81
74.	पी० एस० बहल	२० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	16-3-81
75.	ए० पी० वलायुधन नम्बियार	२० ले० नि० वायुसेना, देहरादून	23-3-81
76.	जी० एस० पुंडीर	२० ले० नि० (श्र० र०) मध्य, नागपुर	23-3-81
77.	एन० बी० मुरगोद	२० ले० नि० नौसेना, बम्बई	16-3-81
78.	राजेन्द्र सिंह हुडा	२० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	16-3-81
79.	निर्मल जीत सिंह साहनी	२० ले० नि० पश्चिमी कमान मेरठ	16-3-81
80.	के० आर० रेड्डी	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	13-5-81
81.	धर्मानन्द	२० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	16-3-81
82.	एन० बी० देशमुख	२० ले० नि० नौसेना, बम्बई	16-3-81
83.	ए० आर० शिवरामन	२० ले० नि० (श्र० र०) दक्षिण, मद्रास	25-3-81
84.	ओम प्रकाश शर्मा	२० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	16-3-81
85.	सुदर्शन कुमार	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	25-3-81
86.	एस० नटराजन	२० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	20-3-81
87.	सी० पी० शर्मा	२० ले० नि० (पै०) इलाहाबाद	23-3-81
88.	पी० सी० गुर्जा	२० ले० नि० (पै०) इलाहाबाद	26-3-81
89.	के० पी० राजेश्वरन	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	28-3-81
90.	एच० एस० श्रीवास्तव	२० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	24-3-81
91.	विजेन्द्र कुमार	२० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	16-3-81
92.	यू० सी० चौधरी	२० ले० नि०, पटना	6-4-81
93.	के० अच्युत राव	२० ले० नि०, दक्षिणी कमान, पुणे	14-4-81
94.	ए० आर० तारा	२० ले० नि०, नौसेना, बम्बई	14-4-81
95.	के० रामालिङ्गम	२० ले० नि० (श्र० र०) दक्षिण मद्रास	6-4-81
96.	बी० डी० नारायण	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	6-4-81

1	2	3	4
97.	रुद्र मोहन भट्टनाथर	२० ले० नि० (पै०), इलाहाबाद	6-4-81
98.	मोहम्मद मुत्तेज़ा खान	२० ले० (नि० हुअ० रै०) मध्य, नागपुर	30-4-81
99.	गजपाल सिंह	२० ले० नि० (पै०) इलाहाबाद	24-4-81
100.	एम० के० मिनलू	२० ले० नि० वायुमेना, देहरादून	6-4-81
101.	राम कंवर	२० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	9-4-81
102.	आर० बालजोगी रेण्डी	२० ले० नि० (श्र० रै०) दक्षिण, मद्रास	13-4-81
103.	बी० पी० सिंह	२० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	6-4-81
104.	पी० के० कुरियन	२० ले० नि० (अफसर) पुणे	8-4-81
105.	आर० एम० मूर्ति	२० ले० नि० (श्र० रै०) दक्षिण मद्रास	14-4-81
106.	पी० पी० श्रीनिवास राव	२० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	6-4-81
107.	एन० पी० सिंह	२० ले० नि० (श्र० रै०) मध्य, नागपुर	13-4-81
108.	जी० परमेश्वर राव	२० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	14-4-81
109.	एन० चौ० श्रीराम आर्यगण	२० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	22-6-81
110.	विनोद विहारी लाल	२० ले० नि० वायुमेना, देहरादून	6-4-81
111.	हुक्कम मिह	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	6-4-81
112.	श्रीमन्द्र पाल सिंह	२० ले० नि० (श्र० रै०) उत्तर, मेरठ	7-4-81
113.	बी० पालमर मार्जू	२० ले० नि० वायुमेना, देहरादून	8-5-81
114.	जमीर हुसैन	२० ले० नि० (श्र० रै०) उत्तर, मेरठ	14-5-81
115.	जगरोशन लाल	२० ले० नि० पटना	19-5-81
116.	एन० सी० इन्द्रा	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	4-5-81
117.	भीता राम गुप्ता	२० ले० सं० नि० (निधि) मेरठ	1-5-81
118.	के० सी० गोपीनाथन	२० ले० नि० दक्षिणी मकान, पुणे	8-5-81
119.	एस० आर० मुख्यर्जी	२० ले० नि० पटना	4-5-81
120.	सतीश चन्द्र गुप्ता	२० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	11-5-81
121.	के० के० भाटिया	२० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	7-5-81
122.	के० पी० मिश्रा	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	28-5-81
123.	रामजी गुप्ता-II	२० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	11-5-81
124.	अक्षेष बहादुर सिंह	२० ले० सं० नि० (निधि) मेरठ	29-5-81
125.	आर० के० सिन्हा	२० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	26-6-81
126.	रमापति क्षिपाठी	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	14-5-81
127.	राम पाल सिंह	२० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	30-5-81
128.	गया दत्त मिश्रा	२० ले० नि० (पै०) इलाहाबाद	6-5-81
129.	रमेश चन्द्र श्रीवास्तव	२० ले० नि० पटना	22-5-81
130.	बी० बी० एल० माथुर	२० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	1-5-81
131.	एल० बी० विश्वनाथन	२० ले० नि० (पै०) इलाहाबाद	8-5-81
132.	शम्भू नाथ यादव	२० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	25-5-81
133.	अमय नारायण मिह	२० ले० नि० (श्र० रै०) उत्तर, मेरठ	18-7-81
134.	राज किशोर	२० ले० नि० (श्र० रै०) उत्तर, मेरठ	1-5-81
135.	मूर्य प्रकाश कौशिक	२० ले० नि० (पै०) इलाहाबाद	30-5-81
136.	ओम प्रकाश कक्कड़	२० ले० नि० (अफसर) पुणे	12-5-81
137.	जी० के० टंडन	२० ले० नि० (श्र० रै०) मध्य, नागपुर	13-5-81
138.	सुभाष चन्द्र अग्रवाल	२० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	13-5-81
139.	सुरेश चन्द्र मक्कना	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	30-7-81
140.	एम० सी० विज	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	29-6-81
141.	डी० पी० वर्मा	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	30-6-81
142.	जी० एम० दवड़गाव	२० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	5-6-81

1	2	3	4
143.	आर० आर० माधुर	र० ले० नि० (अफसर) पुणे	14-9-81
144.	आर० वेंकटरामनन	र० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	6-6-81
145.	पी० जी० जनारथनन	र० ले० नि० (अफसर) पुणे	5-6-81
146.	विजय पाल सिंह	र० ले० नि० पटना	27-6-81
147.	सी० गोविन्दन	र० ले० नि० (श० र०) दक्षिण मद्रास	9-6-81
148.	गोपाल परण	र० ले० सिं० नि० (निधि) मेरठ	5-6-81
149.	राज कुमार	र० ले० नि० (अफसर) पुणे	11-9-81
150.	बीर कुमार श्रानन्द	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	24-6-81
151.	रामदुलार मिह	र० ले० नि० (प०) इलाहाबाद	29-6-81
152.	जी० एस० भाटिया	र० ले० नि० नौसेना, बम्बई	10-6-81
153.	के० वी० अंजनेयलू	र० ले० नि० वायुसेना, देहरादून	8-7-81
154.	बी० वैष्णवरलू	र० ले० नि० (श० र०) मध्य, नागपुर	8-7-81
155.	श्रीप्रकाश मक्सेना	र० ले० नि० (अफसर) पुणे	31-7-81
156.	एम० विष्वेश्वर गाव	र० ले० नि० (अफसर) पुणे	2-7-81
157.	एस० गोपाल	र० ले० नि० (श० र०) दक्षिण, मद्रास	8-7-81
158.	एच० बी० गुप्ते	र० ले० नि० (अफसर) पुणे	1-7-81
159.	ललन प्रसाद चौरसिया	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	1-7-81
160.	वीर सिंह	र० ले० नि० (श० र०) मध्य, नागपुर	13-7-81
161.	मदन स्वस्थ	र० ले० नि० (प०) इलाहाबाद	1-7-81
162.	एस० पी० वार्ष्ण्य	र० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	4-7-81
163.	श्रस्तानी हरि	र० ले० नि० (प०) इलाहाबाद	4-7-81
164.	हीरानन्द उपाध्याय	र० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	11-8-81
165.	एस० एन० वन्सल	र० ले० नि० (श० र०) मध्य, नागपुर	17-9-81
166.	आर० एल० शर्मा	र० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	1-8-81
167.	टी० आर० लरोहया	र० ले० नि० उत्तरी कमान, जम्मू	10-8-81
168.	एस० डी० एस० चन्द्रोल	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	24-9-81
169.	ए० जी० चौधरी	र० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	10-8-81
170.	सत्यपाल सिंह	र० ले० नि०, वायुसेना, देहरादून	1-8-81
171.	टी० आर० शर्मा	र० ले० नि०, परिचारी कमान, मेरठ	1-8-81
172.	लक्ष्मी सिंह	र० ले० नि० पटना	31-8-81
173.	हरपाल सिंह	र० ले० सं० नि० (निधि) मेरठ	10-8-81
174.	श्रब्दुल खालिक	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	25-2-82
175.	एस० पी० अस्थाना	र० ले० नि० (अफसर) पुणे	17-8-81
176.	एस० बी० राय चौधरी	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	1-8-81
177.	एम० गोपाल कृष्णन	र० ले० नि० (अफसर) पुणे	3-8-81
178.	पी० रामूलू	र० ले० नि० (प०) इलाहाबाद	13-8-81
179.	के० सुख्खाराव	र० ले० नि० (अफसर) पुणे	30-10-81
180.	एस० टी० चारी	र० ले० नि०, दक्षिण मद्रास	1-8-81
181.	आर० सत्यनारायण	र० ले० नि०, दक्षिण कमान, पुणे	1-8-81
182.	एम० साम्बिश्वराव	र० ले० नि० (श० र०) दक्षिण, मद्रास	31-8-81
183.	के० एल० तिपाठी	र० ले० नि० (श० र०) मध्य, नागपुर	11-8-81
184.	बी० पी० सश्वहमनियन	र० ले० नि० दक्षिण कमान पुणे	29-8-81
185.	ए० के० घोष	र० ले० नि० पटना	30-11-81
186.	हरिवंशदुबे	र० ले० नि० (श० र०) मध्य, नागपुर	27-8-81
187.	बी० नारायणस्वामी	र० ले० नि० (अफसर) पुणे	30-9-81
188.	टी० गोविंद राजलू	र० ले० नि० (अफसर) पुणे	1-9-81

1	2	3	4
189.	टी० कृष्णन	२० ले० नि० (अ० र०) दक्षिण, मद्रास	3-9-81
190.	ए० जी० कालेंकर	२० ले० नि० (अफसर) पुणे	1-9-81
191.	बी० एम० कालूगम	२० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	7-9-81
192.	एस० के० जैन	२० ले० नि० सं० (निधि) मेरठ	1-9-81
193.	एम० जी० श्रीनिवासन	२० ले० नि० (अ० र०) दक्षिण, मद्रास	10-9-81
194.	एम० एल० शर्मा	२० ले० नि०, उत्तरी कमान, जम्मू	1-9-81
195.	कुप्पास्वामी	२० ले० नि०, दक्षिणी कमान, पुणे	16-9-81
196.	सी० शनमुगामुन्दरम	२० ले० नि०, बायुसेना, देहरादून	5-9-81
197.	केवल कृष्ण	२० ले० नि०, बायुसेना, देहरादून	1-9-81
198.	एस० ए० वेंकटारामन	२० ले० नि० (अ० र०) दक्षिण, मद्रास	5-9-81
199.	जी० वीर राधवन	२० ले० नि० (अफसर) पुणे	10-9-81
200.	यशपाल मिह	२० ले० नि०, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-9-81
201.	राजपाल मिह	२० ले० नि० पटना	14-10-81
202.	कैलाश चन्द्र अग्रवाल	२० ले० नि०, मध्य कमान मेरठ	1-10-81
203.	राम रमिक मिह	२० ले० नि० पटना	28-10-81
204.	एम० भास्करलू	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	14-10-81
205.	अफजल इलाही	२० ले० नि० (प०) इलाहाबाद	1-10-81
206.	प्रार० पी० गुप्ता	२० ले० नि०, अनुक्रम नियम के अधीन	22-10-81
207.	तारा सिंह शिशोदिया	२० ले० नि०, मध्य कमान मेरठ	22-10-81
208.	एस० वेंकटरामन	२० ले० नि०, दक्षिणी कमान, पुणे	12-10-81
209.	एम० मरिया एलकोन्स	२० ले० नि०, दक्षिणी कमान, पुणे	5-10-81
210.	जगदीश प्रसाद दीक्षिन	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	12-10-81
211.	पी० लक्ष्मणन	२० ले० नि० मुज्हालय, नई दिल्ली	28-10-81
212.	एम० मलयपन	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	19-10-81
213.	कमल गंगोपाध्याय	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	1-10-81
214.	सुरेश चन्द्र गुप्ता	२० ले० नि०, पश्चिमी कमान, मेरठ	4-11-81
215.	एस० लक्ष्मीनारायणन	२० ले० नि०, दक्षिणी कमान पुणे	3-11-81
216.	तरसेम लाल	२० ले० नि०, उत्तरी कमान, जम्मू	16-11-81
217.	पी० श्रीनिवासन	२० ले० नि० (अफसर) पुणे	4-11-81
218.	नरेन्द्र कुमार	२० ले० नि०, पश्चिमी कमान, मेरठ	3-11-81
219.	के० सौरी राजूलू	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	12-11-81
220.	राजबली शुक्ल	२० ले० नि० (प०) इलाहाबाद	12-3-82
221.	एस० एम० यूसुफ	२० ले० नि० नौसेना बम्बई	16-11-81
222.	बीरेन्द्र प्रकाश रस्सोपी	२० ले० नि० (प०) इलाहाबाद	1-2-82
223.	एम० सूर्यनारायणमूर्ति	२० ले० नि०, दक्षिणी कमान, पुणे	14-12-81
224.	रघुनाथ गोपाल जोशी	२० ले० नि० (अफसर) पुणे	1-12-81
225.	एम० एल० रिसबड	२० ले० नि० (अफसर) पुणे	4-12-81
226.	एम० सुलहानियन	२० ले० नि०, दक्षिणी कमान पुणे,	30-12-81
227.	एन० एन० गोमाई	२० ले० नि० (अ० र०) उत्तर, मेरठ	1-12-81
228.	गुरुदयाल मिह	२० ले० नि० (अ० र०) उत्तर, मेरठ	31-12-81
229.	जी० डब्ल्यू० भावे	२० ले० नि०, दक्षिणी कमान पुणे,	1-12-81
230.	रमेश चन्द्र गय	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	16-12-81
231.	एस० एन० त्रिगुणायन	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	5-2-82
232.	उमाशक्तर मेहता	२० ले० नि०, उत्तरी कमान, जम्मू	21-2-81

1

2

3

4

233. बी०एम०एल० सरीन	२० ले० नि०, नौसेना, बम्बई	30-12-81
234. गणेश्वर उपाध्याय	२० ले० नि०, मध्य कमान, मेरठ	8-12-81
235. दिनेश मिश्रा	२० ले० नि०, वायुसेना, देहरादून	4-1-82
236. एम० महफूजरहमान	२० ले० नि० (अ० र०) उत्तर मेरठ	30-12-81
237. ए०एम०बी० शाह	२० ले० नि० (प०) इलाहाबाद	11-12-81
238. भारत मिश्र आहूजा	२० ले० नि० (अफसर) पुणे	29-4-81
239. शिव कुमार मिश्र	२० ले० नि० पटना	31-1-81
240. पूरन चन्द	२० ले० नि० पटना	27-3-81
241. बी० एम० राथवरे	२० ले० नि० पटना	31-3-81
242. एस० सी० सूदन	२० ले० नि० पटना	27-2-81
243. बारिका नाथ गुलाटी	२० ले० नि० पटना	28-1-81
244. हर प्रसाद चंचल	२० ले० नि० (अ० र०) मध्य, नागपुर	23-2-81
245. एस० एल० गुप्ता	२० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ अनुक्रम नियम के अधीन	12-1-81 से
246. गोविन्द राम कम्पड़	२० ले० नि० पटना	12-1-81
247. जगदीश चंद्र वर्मा	२० ले० नि० पटना	10-2-81
248. ए० दत्त गुप्ता	२० ले० नि० (अ० र०) उत्तर मेरठ	7-1-81
249. औ० पी० भोला	२० ले० नि० (अ० र०) मध्य, नागपुर	30-1-81
250. पी० पूर्ण, चन्द्र गव	२० ले० नि० (प०) इलाहाबाद	20-2-81

ए० के० घोष रक्षा लेखा उप महानियंत्रक

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आईनेस फैक्टरीयां सेवा

आईनेस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता विनांक 22 जुलाई, 1982

सं० 37/जी/82—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अफसरों को सहायक प्रबन्धक (परखावधी) के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीखों से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

क्रम० सं० नाम

प्रबेश की तारीख

1. श्री सी०बी० मुख्याईया	31-1-81
2. श्री बानुपा जाथारं	26-2-81
3. श्री एन० के० सिन्हा	15-7-81
4. श्री के० कृष्णमूर्ति	9-9-81
5. श्री टी० टी० एस० कृष्ण बेंकटेसन	10-10-81
6. श्री आर० राजामेहरन	14-10-81
7. श्री एम० के० जोर्ज कुट्री	15-3-82
8. श्री पी० के० श्रीवास्तवा	8-4-82

बी० के० मेहता
सहायक महानिदेशक, आईनेस फैक्टरीयां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली-110001 दिनांक 1 जुलाई, 1982

आयात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 1/2/82—प्रशासन (गजपति)/3968—राष्ट्रपति, श्री जे० के० माथुर (1980 के केन्द्रीय सचिवालय सेवा के बर्ग-1 की प्रवरण सूची) को केन्द्रीय सचिवालय सेवा के बर्ग-I में और इस कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में 1-5-1982 से 30-6-82 तक और 2 मास के लिए स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

बी० शेषन

मंयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(श्रीधीगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-11, दिनांक 22 जुलाई, 1982

सं० ए०-12018 (1) 74(मुख्य स्थापना)—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परतक द्वारा प्रदत्त शक्तियों

का प्रयोग करते हुए, उद्योग मंत्रालय (ओद्योगिक विकास विभाग) के अधीन, लघु उद्योग विकास संगठन में मुख्य प्राक्कलक के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्ननिमित्त नियम बनाते हैं:—

अर्थात् :

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लघु उद्योग विकास संगठन (मुख्य प्राक्कलक) भर्ती नियम, 1982 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान ये होंगे, जो इन नियमों में उपावच्छ अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विविहिषित हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अर्हताएँ : उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएँ, और उसमें संबंधित अन्य बातें वह होंगी, जो पूर्वोक्त अनुसूची के सम स्तम्भ 5 से 13 में विविहिषित हैं।

4. निरहर्ताएँ : वह व्यक्ति :

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित हैं, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, उक्त पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्थीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिये जो कारण है, उन्हें लेखबद्ध कर के तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की आवत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति : इन नियमों की कोई भी बाल ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद	सीधे भर्ती किए सेवा में जोड़े गए वर्षों का फांयदा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं	6	6क	7
1	2	3	4	5	6	6क	7	
मुख्य प्रावक्लक	कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह	700-30-750 35-900 रु.	चयन लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता		

सीधे भर्ती किए परिवेशकों की भर्ती की पद्धति/ प्रोन्हति/प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण द्वारा भर्ती है, तो उसकी मंगवना भर्ती करने में किन जाने वाले व्यक्तियों अवधि, यदि कोई भर्ती सीधे होगी या प्रोन्हति द्वारा की दशा में वे श्रेणियां और शैक्षिक अर्हता प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा जिनसे प्रोन्हति/प्रति-नियुक्ति स्थानान्तरण किया जाएगा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती किए जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

8 9

10

11

12

13

लागू नहीं होता 2 वर्ष

प्रोन्हति द्वारा

प्रोन्हति :

ऐसे श्रेणी—1 नक्शा—
नवीस, जिन्होंने निय-
मित आधार पर नियुक्ति
के पश्चात उस श्रेणी में

8 वर्ष सेवा की है।

समृद्ध "ख" वि० प्र० स०

1. निवेशक (प्रशास०) अध्यक्ष
 2. संबद्ध तकनीकी
 3. उपनिदेशक (प्रशासन)
 4. अ० जा०/अ० ज० जा०
- का समुचित प्राप्ति का
एक अधिकारी—सदस्य

इन नियमों को संशो-
धित/शिथिल करते
समय संघ लोक सेवा
आयोग से परामर्श
—सदस्य करना आवश्यक है।

नई दिल्ली, विनांक 24 जुलाई 1982

सं० 12/447/64-प्रशास० (रा०)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, दिल्ली के सहायक निदेशक, ग्रेड-I (आई० एम० टी०) को लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी में 21 जून, 1982 (पूर्वान्तर) से अगले आदेशों तक उपनिदेशक (आई० एम०टी०) के रूप में नदर्श आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० : ए०-19018 (68)/73-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति ने, श्री एस० गुडस्वामी, सहायक निदेशक, ग्रेड-I (आर्थिक अन्वेषण), लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास को निवृत्त आयु के प्राप्त कर लेने पर 30-6-82 (प्रपराङ्ग) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त कर दिया है।

सं० ए०-19018/608/82-प्रशास० (राज०)—विकास आयुक्त ने श्री ए० आर० सिंह, लघु उद्योग संबंधन अधिकारी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद की 14-6-82 पूर्वान्तर से आगामी आवेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान मद्रास में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (कांच एवं भूतिका) नियुक्त किया है।

दिनांक 27 जुलाई 1982

सं० ए०-19018 (279)/77-प्रशास० (राज०)—राष्ट्रपति ने श्री एन०पी० भट्टाचार, सहायक निदेशक ग्रेड-II

(आर्थिक अन्वेषण) लघु उद्योग सेवा संस्थान, सोलन को, 29-6-82 पूर्वान्तर से अगले आदेशों तक विकास आयुक्त का कार्यालय (लघु उद्योग) नई दिल्ली में सहायक निदेशक ग्रेड-I (आर्थिक अन्वेषण) नियुक्त किया है।

दिनांक 28 जुलाई 1982

सं० ए०-19018 (570)/81-प्र० (राज०)—राष्ट्रपति ने श्री एस० बालासुद्धावनम, लघु उद्योग संबंधन अधिकारी (एल०/एफ०), लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास को 26-6-82 पूर्वान्तर से अगले आदेशों तक उसी संस्थान में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (एल०/एफ०) नियुक्त किया है।

सी० मी० राय,
उप निदेशक (प्रशास०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, विनांक 21 जुलाई 1982

सं० प्र०-I/I (1130)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, पूर्ति तथा निदेशक, बम्बई के कार्यालय

में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) श्री के० वी० शिवराम कुण्डल का सेवाकाल निवृत्तमान आयु के पश्चात छः मास के लिये प्रथम् 1-7-1982 से 31-12-1982 तक बढ़ाते हैं।

सं० प्र० I/I (1039)—निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) श्री जे० एल० शाह निवृत्तमान आयु होने पर दिनांक 31-5-82 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 24 जुलाई, 1982

सं० प्र० I/I (1195)—महानिवेशक पूर्ति तथा निपटान एवं द्वारा निरीक्षण निवेशक कलकत्ता के कार्यालय में अधीक्षक (स्तर-I) श्री ए० के० अक्षर्ता को दिनांक 4-6-82 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान निवेशक, कलकत्ता के कार्यालय में श्री एच० एन० समवदार, सहायक निवेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) को अवकाश रिक्ति में पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन्थ सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) के रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० एल० कपूर,

उप निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1982

सं० 4968 वी०/ए०-32014 (2-ग्र० एम०)/81-1980—श्री एच० वी० मजूमदार की भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में तदर्थ पदोन्नति को सर्वेक्षक अधिकारी के पद पर 28-6-82 (पूर्वाह्न) से नियमित किया जा रहा है।

दिनांक 21 जुलाई, 1982

सं० 3482 डी०/ए०-19012 (डॉ०टी०एस०) 81-1980—श्री डी०टी० सैयमलिह को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थाई, अमता में आगामी आवेदन होने तक 5-6-1982 के पूर्वाह्न में नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 3493 डी०/ए०-32013 (ए०ग्र०)/78-19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री जर्मान अहमद को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200-र० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण दक्षिणी क्षेत्र, हैदराबाद के प्रशासनिक अधिकारी श्री सी० एन० दक्षिणी मूर्ति के अवकाश रिक्ति के स्थान पर 5-4-1982 10-5-1982 (पूर्वाह्न) तक पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

जे० स्वामीनाथ
महानिदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

(महासर्वेक्षक का कार्यालय)

वेहराद्वन, दिनांक 12 जुलाई, 1982

सं० सी०-5835/707—निम्नलिखित अधिकारी, जो अधिकारी सर्वेक्षक के पद पर स्थानापन्थ रूप में पूर्णतया तदर्थ अन्तिम आधार पर नियुक्त किए गए थे, अब प्रन्येक के मामते दी गई तारीख में उसी पद पर स्थानापन्थ रूप में नियमित आधार पर नियुक्त किए जाते हैं:—

क्रमांक	नाम	अधिसूचना की संख्या और तारीख, जिसके अन्तर्गत तदर्थ अन्तिम आधार पर नियुक्ति की गई थी	यूनिट/कार्यालय जिसमें तैनात किए गए	पदोन्नति की तारीख
1.	श्री एम० के० गुहा	दिनांक 5-7-78 की अधिसूचना सं० सी०-5837/707.	सं० 76 (फोटो) पार्टी (द०प० संकिल), भुवनेश्वर।	1-2-82
2.	श्री एस० जी० अग्रवाल	—तदैव—	सं० 20 (फोटो) पार्टी (उ०स०) देहरादून।	21-1-82
3.	श्री प्रमोद चन्द्र	—तदैव—	सं० 45 पार्टी, (म० संकिल), जबलपुर।	1-2-82

1	2	3	4
4.	श्री रामदास घकवर्ती	—तदैव—	सं० 37 पार्टी (पू० संकिल) 2-2-82 कलकत्ता। (अपराह्न)
5.	श्री एन० श्रीनिवासन	दिनांक 17-8-78 की अधिसूचना सं० सी० 5403/707.	सं० 67 (एफ० एस०पी०) (सर्वे हृवाई) कोइम्बोटूर 23-1-82
6.	श्री बी० एस० रावत	दिनांक 5-7-78 की अधिसूचना सं० सी०-5837/707.	सं० 47 पार्टी (स० प्र०सं०) 2-2-82 हैदराबाद।
7.	श्री पी०जी०पी० पाणिकर	दिनांक 24-7-78 की अधिसूचना सं० सी० 5395/707.	अनुसंधान एवं विकास निदेशालय, 25-1-82 हैदराबाद।
8.	श्री प्रीतम सिंह	दिनांक 5-7-78 की अधिसूचना सं० सी०—5837/707.	सं० 93 (क्य०सी० ए०पी०) 23-1-82 (सर्वे हृवाई) नई दिल्ली।

सं० सी०-5836/707—निम्नलिखित अधिकारी, भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षण (ग्रुप “बी” पद) के पद पर 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 रु के वेतनमात्र में प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से स्थानापन रूप में पूर्णतया तदर्थ आधार पर अनंतिम आधार पर नियुक्त किए जाते हैं:—

क्रम सं०	नाम और पदनाम	यूनिट/कार्यालय	तारीख
1.	श्री पुरुषोत्तम दास, सर्वेक्षक सिलें० ग्रेड	सं० 32 (फोटो) पार्टी, (पश्चिमी संकिल), आबू	12-3-82 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एच०ओ०पी० माथुर, सर्वेक्षक सिलें० ग्रेड	सं० 32 (फोटो) पार्टी, (पश्चिमी संकिल), आबू।	2-2-82 (पूर्वाह्न)
3.	श्री राजबीर सिंह, सर्वेक्षक सिलें० ग्रेड	सं० 92 पार्टील (दक्षिण पूर्वी संकिल), वाराणसी।	29-1-82
4.	श्री बी० एस० नेगी, ड्राफ्टसमैन डिवि० १ सिलें० ग्रेड	सं० 83 पार्टी, (पश्चिमी संकिल), जयपुर।	2-2-82 (पूर्वाह्न)
5.	श्री पी०सी० पांडे, ड्राफ्टसमैन डिवि० १	सं० 83 पार्टी (पश्चिमी संकिल), जयपुर।	2-2-82 (पूर्वाह्न)
6.	श्री पी० कोचु भोहमद, सर्वेक्षक सहायक सिलें० ग्रेड	सं० 8 पार्टी (दक्षिण संकिल), बंगलूर	2-2-82 (पूर्वाह्न)
7.	श्री के० एस० श्रीवास्तव, सर्वेक्षक सहायक सिलें० ग्रेड	सं० 83 पार्टी, (पश्चिमी संकिल), जयपुर।	15-2-82
8.	श्री जगदीप मित्र, सर्वेक्षण सहायक सिलें० ग्रेड	सं० 34 पार्टी, (प्रा० मा० उ० संयंत्र), हैदराबाद	1-2-82 (पूर्वाह्न)
9.	श्री एस० डी० पलानी, सर्वेक्षक सहायक सिलें० ग्रेड	सं० 17 पार्टी, (दक्षिणी संकिल), बंगलूर	2-2-82 (पूर्वाह्न)
10.	श्री बी० एस० नेगी, सर्वेक्षक सिलें० ग्रेड	सं० 11 पार्टी (दक्षिणी पूर्वी संकिल), रांची	12-3-82 (पूर्वाह्न)
11.	श्री आर०सी० शर्मा, सर्वेक्षक सिलें० ग्रेड	सं० 92 पार्टी, (दक्षिणी पूर्वी संकिल), वाराणसी।	27-2-82 (पूर्वाह्न)
12.	श्री के० डी० मेहता, सर्वेक्षण सहायक सिलें० ग्रेड	सं० 76 (फोटो) पार्टी, (दक्षिणी पूर्वी संकिल), भुवनेश्वर	26-2-82 (पूर्वाह्न)
13.	श्री एस० एन० एस० पंवार, ड्राफ्टसमैन डिवि० १ सिलें० ग्रेड	सं० 11 आरेखण कार्यालय (दक्षिण पूर्वी संकिल), भुवनेश्वर।	6-3-82

सं. सी०-५८३७/७०७—निम्नलिखित अधिकारी, जो अधिकारी सर्वेक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप में पूर्णतया तदर्थ अनन्तिम आधार पर नियुक्त किए गए थे, अब प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से उसी पद पर स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर नियुक्त किए जाते हैं :—

क्रम सं०	नाम	अधिसूचना की मंज्या और तारीख जिसके अन्तर्गत नदर्य अनंतिम आधार पर नियुक्त की गई थी	यूनिट/कार्यालय जिसमें तैनात किए गए	पदोन्नति की तारीख
1. श्री पी०वी० गणेश	दिनांक 5-7-78 की अधिसूचना सं० सी०-५८३७/७०७	सं० 4 आरेखण कार्यालय (दक्षिणी सक्षिण) बैंगलूरु ।	8-9-81	
2. श्री क० एन० जी० क० पिल्ले	दिनांक 24-7-78 की अधिसूचना सं० सी०-५३९५/७०७	सं० 47 पार्टी (स० प्र०स०) हैदराबाद ।	14-9-31	
3. श्री निर्मल सिह	दिनांक 17-8-78 की अधिसूचना सं० सी०-५४०३/७०७	सं० 57 पार्टी (पश्चिमोत्तर सक्षिण) चण्डीगढ़ ।	14-9-81	

दिनांक 14 जुलाई 1982

सं० स्था० 1-५८४०/पी०एफ०/(एम०क० जैन०)—
श्री एम० क० जैन, जिन्हे इस कार्यालय की अधिसूचना सं०
स्था० 1-३७३५/५७९-सेल-६८(क्लास-II) दिनांक 13-१-६९
में भारतीय सर्वेक्षण विभाग क्लास-II (अब यूप “बी”)
सेवा में अधिकारी सर्वेक्षक के पद पर नियुक्त किया गया था,
द्वारा दिनांक 8-२-१९७१ को दिया गया इस्तीफा
स्वीकृत किया जाता है ।

ज० स० अग्रवाल,
मेजर-जनरल
भारत के महासर्वेक्षक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली दिनांक 19 जुलाई 1982

सं० 2/11/82-एस०-२—महानिदेशक आकाशवाणी,
एतद्वारा श्री प्रशान्त प्रसाद, लेखाकार आकाशवाणी, पटना को
आकाशवाणी राज्यी में दिनांक 28-४-१९८२ (पूर्वाह्नि)
से प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में
नियुक्त करते हैं ।

एस० बी० सेपार्ट्रि
उप निदेशक प्रशासन
कूतु महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1982

सं० 4(50)/81-एस० एक—महानिदेशक, आकाश-
वाणी, एतद्वारा श्रीमती मधुना भट्ट को, 15 अप्रैल, 1982
से अगले आदेश तक, आकाशवाणी अहमदाबाद में, स० 650-
30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200
को वेतनमान में अस्थाई रूप में, कार्य-
क्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं ।

दिनांक 26 जुलाई 1982

सं० 4 (29)/81-एस०-I—महानिदेशक आकाशवाणी,
एतद्वारा श्री मुहम्मद अली मियां “मौज” को 650-30-
740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-
40-1200 रूपये के वेतनमान में 4 जून, 1982 से अगले
आदेश तक, आकाशवाणी लखनऊ में, अस्थाई रूप में, कार्य-
क्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं ।

सं० 4/31/81-एस० I—महानिदेशक आकाशवाणी, एतद्-
वारा श्री अविदेश-उरहमान, नियाजी को 650-30-
740-35-810-द० रो०-35-880-40-1200 रूपये के
वेतनमान में 14 मई, 1982 से अगले आदेश तक, आकाश-
वाणी नागपुर में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के
पद पर नियुक्त करते हैं ।

हरीष चन्द्र जयाल
प्रशासन उपनिदेशक
कूतु महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

(फिल्म प्रभाग)

बम्बई-400026, दिनांक 17 जुलाई 1982

सं० 2/4/64-ई०-I—मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग
एतद्वारा, श्री पी०वी० मरठे, स्थायी लाइब्रेरी महायक को,
श्री एम० एन० प्रार० खान अफिली, स्थायी लाइब्रेरीयन को
नेशनल आरकाइव आक इंडिया, नई दिल्ली में प्रशिक्षण
हेतु भेजे जाने की स्थिति में, दिनांक 5 जुलाई 1982 के पूर्वाह्नि
से 26 अगस्त, 1982 तक रूपये 650-30-740-35-
810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200
के वेतनमान पर, स्थानापन्न लाइब्रेरीयन के पद पर फिल्म
प्रभाग, बम्बई, में नियुक्त करते हैं ।

एस० क० राय,
सहा० प्रशा० अधिकारी
कूतु मुख्य निर्माता

नई दिल्ली—1, दिनांक 9 जुलाई 1982

सं० ए० 31013/2/79-प्र० (ए)---निदेशक, विज्ञापन और दृश्य प्रब्लैर निदेशालय, श्री एम० एम० शांति राम को इसी निदेशालय में दिनांक 26-6-1982 के ध्वेष्य प्रदर्शने अधिकारी के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

यतेन्द्र बर्मा

उप निदेशक (प्रशासन)

कृते निदेशक, विज्ञापन और दृश्य प्रब्लैर निदेशालय

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली दिनांक 20 जुलाई 1982

सं० ए० 19019/64/77 (एन०टी०आई०) प्रशासन—I— सेवा निवर्तन आयु के हो जाने पर राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान बंगलौर के "एक्स-रे" इंजीनियर श्री वॉ० ए० मैनन 28 फरवरी, 1982 अपराह्न से सरकारी सेवा से रिटायर हो गये हैं।

सं० ए० 12026/5/82 (आई० एम० एस०) प्रशासन—I— राष्ट्रपति ने श्री एस० क० नाथ (आई० एस० एस० के ग्रेड 3 के अधिकारी) को 15 जून, 1982 पूर्वाह्न से ग्रामीण आदेशों तक अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में सांखिकी के सहायक प्रोफेसर के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया है।

त्रिलोक चन्द्र जैन

उप निदेशक प्रशासन (संगठन एवं पद्धति)

नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई 1982

सं० ए० 31013/10-80 (ए० आई० आई० एच० पी० एच०)/प्रशासन—I—राष्ट्रपति ने डा० आर० आर० के० सिंहा को अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जनस्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में जीव भौतिकी के सहायक प्रोफेसर के पद पर 1 जून 1978 से स्थायी रूप से नियुक्त कर दिया है।

शाम लाल कुठियाला

उप निदेशक प्रशासन (ज० स्वा०)

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1982

सं० ए०-19023/53/78 प्र०-III—इस निवेशालय के अधीन नई दिल्ली में कार्यरत श्री डौ० एस० सोबती विपणन अधिकारी दिनांक 12-6-82 (अपराह्न) से मूल नियम (56-क०) के प्रावधानानुसार स्वेच्छा से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

सं० ए०-19023/3-82-प्र०त०—श्री एन० गमरूदीन, सहायक विपणन अधिकारी को इस निदेशालय के अधीन

बंगलौर में दिनांक 30-८-82 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश हीने तक पूर्णतया तदर्थ आधार पर 3 महीने की अवधि के लिये या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले हो, स्थानापन्न रूप में विपणन अधिकारी (वर्ग-1) नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने के पश्चात श्री गमरूदीन ने दिनांक 21-6-82 के अपराह्न में तूकीकोरण में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

गोपाल शरण शुक्ल
कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु उर्जा विभाग

कृषी और भंडार निदेशालय

बम्बई, दिनांक 20 जुलाई 1982

सं० क्रमनि/23/1/81-स्थापना/15712—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक ने इस निदेशालय के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिका और प्रस्थायी सहायक लेखाकार श्री विठ्ठल मावंत को तदर्थ आधार पर रूपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनक्रम में तदर्थ आधार पर 6 जनवरी 1982 (पू०) से जून 24, 1982 (अपराह्न) तक के लिये इसी निदेशालय में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

दिनांक 22 जुलाई 1982

सं० क्रमनि/23/1/81-स्थापना/1571—परमाणु ऊर्जा विभाग की क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक ने इस निदेशालय के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिका और प्रस्थायी सहायक लेखाकार श्री निवासन को तदर्थ आधार पर रूपये 840-40-1000-द०-रो० 40-1200 के वेतनक्रम में फरवरी 16, 1982 (पूर्वाह्न) से जून 24, 1982 (अपराह्न) तक इसी निदेशालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी-II नियुक्त किया है।

सं० क्रमनि/23/1/81-स्थापना/15756—परमाणु ऊर्जा विभाग की क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक ने इस निदेशालय के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिका और प्रस्थायी सहायक लेखाकार श्री अतुर पीशारोड़ी चंतमराक्षण को रूपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनक्रम में तदर्थ आधार पर 1 मई, 1982 (पूर्वाह्न) से 5 जून, 1982 (अपराह्न) तक के लिये इसी निदेशालय में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

सं० क्रमनि/23/9/81-स्थापना/15761—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक ने इस निदेशालय के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिका और स्थानापन्न सहायक लेखाकार, श्री विष्वास बाबूराव, घोरपडे को रूपये 650-30-740-35-880-द०-रो०-40-960 के वेतनक्रम में तदर्थ आधार पर 19, अप्रैल (पू०) से 31 मई (अ०)

तक के लिये, इसी निदेशालय में स्थानापन्न सहायक लेखा
अधिकारी नियुक्त किया है।

के० पी० जोसफ
प्रशासन अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-16, दिनांक 24 जुलाई 1982

सं० प्रष्टप्र०-2/2856/79-प्रशासन—श्री एन० आर०
काले द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के
वैज्ञानिक अधिकारी/एस०बी० के पद से दिया गया त्यागपत्र
निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग द्वारा 26 जून, 1982
(अपराह्न) से स्वीकार कर निया गया है।

टी० डी० घाडगे
वरिष्ठ प्रशासन व लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएँ

बम्बई-400008, दिनांक 21 जुलाई 1982

सं० 05000/क०142/3511—भारी पानी परियोजनाओं
के प्रधान कार्यकारी श्री सुदर्शन कृष्णामूर्ति, भाभा पर-
माणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी आशिलिपिक (वरिष्ठ)
को, भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) में 21 जून,
1982 (पूर्वाह्न) से आगे आवेदन होने तक के लिये अस्थायी
रूप में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते
हैं।

दिनांक 22 जुलाई 1982

सं० 05012/आर० 3/31/3538—भारी पानी परि-
योजनाओं के, प्रधान कार्यकारी, श्री दयाल साधुराम उसरानी,
स्थायी लेखाकार तथा स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी,
परमाणु खनिज प्रभाग को, 19 फरवरी, 1982 (पूर्वाह्न)
से आगे आवेदन होने तक के लिए भारी पानी परियोजना
(कोटा) में अस्थायी रूप में स्थानापन्न लेखा अधिकारी-2
नियुक्त करते हैं।

एस० स्वामीनाथन
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु विजलीघर

टी०ए०पी०पी०, दिनांक 20 जुलाई 1982

सं० टी०ए०पी०एस०/1/19(3)/76-आर०—मुख्य अधी-
क्षक, तारापुर परमाणु विजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग

इस विजली-घर में स्थायी सहायक लेखापाल श्री के०
पुरुषोत्तम को इसी विजलीघर में दिनांक 17 मई, 1982
की पूर्वाह्न से 26 जून, 1982 तक के लिए तदर्थ आधार पर
रु० 650-30-740-35-880-द०रो०-40-960 के
बेतनक्रम में सहायक लेखा अधिकारी के रूप में, नियुक्त
करते हैं। यह नियुक्त श्री बी० एस० खांडेकर, सहायक लेखा
अधिकारी के स्थान पर की जा रही है जो छुट्टी पर गए
हैं।

सं० टी०ए०पी०एस०/2/1458/80—क्रय और भंडार
निदेशालय, बम्बई में स्थानांतरण होने के फलस्वरूप इस विजली-
घर में स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी और स्थानापन्न
प्रशासनिक अधिकारी-2 श्री एस० कृष्णन ने प्रशासनिक
अधिकारी-2 के पद का कार्यभार 3 जुलाई, 1982 की
अपराह्न को छोड़ दिया।

सी० शंकर
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 जुलाई 1982

गुद्धि पद

सं० ए०-35018/6/79-ई०-१—श्री पी० एल० विश्व-
नाथन, सहायक निदेशक, नागर विमानन सुरक्षा, मद्रास को
भारमुक्त करने संबंधी इस कार्यालय की दिनांक 26 जून,
1982 की अधिसूचना, सं० ए० 35018/6/79-ई०-१ में
आणिक संशोधन करते हुए चौथी पंक्ति में 9-6-1982
के बाद (पूर्वाह्न) के स्थान पर (अपराह्न) पढ़ा जाए।

दिनांक 15 जुलाई 1982

सं० ए० 38013/1/82-ई०प०—झेलीय निदेशक, मद्रास
के कार्यालय के श्री बी० राजा राम, वरिष्ठ विमान क्षेत्र
अधिकारी निवारण आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप
दिनांक 31-5-82 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए
हैं।

मुधाकर गुप्ता
उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

सं० ए०-38015/3/82/ई०सं०—राष्ट्रपति ने बैमानिक
मंचार स्टेशन, दिल्ली, एयरपोर्ट, पालम, नई दिल्ली के कार्या-
लय के श्री बी० एस० आहलुवालिया, तकनीकी अधिकारी को
दिनांक 24-4-82 (अपराह्न) से मूल नियम 56
(के०) के प्रावधान के अन्तर्गत सरकारी सेवा से निवृत्त होने
की अनुमति दी है।

दिनांक 20 जुलाई, 1982

सं० ए० 32014/2/82-ई०मी०—गायकपति ने नागर विभाग विभाग के निम्नलिखित मंचार सहायकों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से रुपये 650-1200 के बेतनमान में सहायक मंचार अधिकारी के प्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्रम सं० नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
सर्वेक्षी			
1. जी० एन० ओका	अहमदाबाद	बड़ीदा	26-5-82 (पूर्वाह्न)
2. एन० एस० गोगाटे	बम्बई	बम्बई	30-4-82 (पूर्वाह्न)
3. बी०पी० प्रमाणिक	कलकत्ता	कलकत्ता	29-4-82 (पूर्वाह्न)
4. के० एल० पटवा	अगरतला	गुहाटी	3-6-82 (अपराह्न)
5. जे०एन० मित्रा	कलकत्ता	कलकत्ता	29-4-82 (पूर्वाह्न)
6. के० के० दत्ता	कलकत्ता	कलकत्ता	1-5-82 (पूर्वाह्न)
7. एम० के० चक्रपाणी	कोयम्बटूर	हैदराबाद	21-5-82 (पूर्वाह्न)
8. बी० जे० हुड्डर	नागपुर	हैदराबाद	30-6-82 (पूर्वाह्न)
9. बी० सी० विश्वास	कलकत्ता	कलकत्ता	29-4-82 (पूर्वाह्न)
10. एडविन थोमस	विशाखापत्नम	विची	29-5-82 (पूर्वाह्न)
11. आर० एन० मिश्रा	लखनऊ	लखनऊ	29-5-82 (अपराह्न)
12. ए० के० चौधरी	कलकत्ता	कलकत्ता	30-4-82 (पूर्वाह्न)
13. सी० आर० कुट्टी	बम्बई	बम्बई	30-4-82 (पूर्वाह्न)
14. बी० एन० सरकार	कलकत्ता	कलकत्ता	29-4-82 (पूर्वाह्न)
15. डी० एल० हेटे	बम्बई	बम्बई	30-4-82 (पूर्वाह्न)
16. आर० पी० जोशी	बम्बई	बम्बई	30-4-82 (पूर्वाह्न)
17. जी० एस० नायर	लियेन्ड्रम	लियेन्ड्रम	1-5-82 (पूर्वाह्न)
18. जी० एल० आवला	बम्बई	बम्बई	30-4-82 (पूर्वाह्न)
19. आर० के० डी० शौधरी	सिल्चर	गुहाटी	15-5-82 (पूर्वाह्न)
20. एस डी० भला	बम्बई	बम्बई	30-4-82 (पूर्वाह्न)
21. टी० के० घोष	कलकत्ता	कलकत्ता	29-4-82 (पूर्वाह्न)
22. डी० एस० करमलकर	भोपाल	भोपाल	3-5-82 (पूर्वाह्न)
23. के० एस० एन० अग्न्यर	बम्बई	बम्बई	30-4-82 (पूर्वाह्न)
24. डी० एन० हलधर	कलकत्ता	कलकत्ता	30-4-82 (पूर्वाह्न)
25. एस० के० नन्दी	कलकत्ता	कलकत्ता	11-5-82 (पूर्वाह्न)
26. ए० एस० शिवरामाकृष्णन	नागपुर	नागपुर	24-5-82 (पूर्वाह्न)
27. पी० बोस	कलकत्ता	कलकत्ता	29-4-82 (पूर्वाह्न)
28. एस० एस० सन्धू	बम्बई	बम्बई	30-4-82 (पूर्वाह्न)
29. आर० एल० सुन्दर राजा	बम्बई	बम्बई	30-4-82 (पूर्वाह्न)
30. बी०सी०दत्ता	कलकत्ता	कलकत्ता	10-5-82 (पूर्वाह्न)
31. एन० आर० बोस	अगरतला	अगरतला	29-4-82 (पूर्वाह्न)
32. एम०टी०राजाश्रृष्टि	बम्बई	बम्बई	30-4-82 (पूर्वाह्न)
33. पी०जी० चन्द्रराना	बम्बई	बम्बई	30-4-82 (पूर्वाह्न)
34. एस० के० विश्वास	कलकत्ता	कलकत्ता	4-5-82 (पूर्वाह्न)
35. ए० के० विश्वास	जोधपुर	ग्वालियर	31-5-82 (पूर्वाह्न)
36. एस० एन० गंगुली	कलकत्ता	कलकत्ता	1-5-82 (पूर्वाह्न)

ਜੰਵਿ ਵਿਨਾ, ਦਿਨ 24 ਸਤੰਬਰ 1982

सं. ग्र. 31016/1/82-ईप्रम-महानिदेशक नागर विमानन ने श्री प्रमोदो माहे को दिनांक 25-6-82 से नागर विमानन विभाग में प्रशासनिक अधिकारी के प्रेष में स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

ई० एल० ट्रैसलर,
महायक निवेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 22 जलाई 1982

सं० 1/430/82-स्थान-विदेश संचार सेवा के महान् निवेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के सहायक प्रशासन प्रधिकारी, श्री नारायण मिह को एकदम तदर्थ आधार पर ग्रल्यकालिक रिक्त स्थान पर 4-5-82 से 7-6-82 (दोनों दिन समेत) तक का अवधि के उमी शाखा में स्थानप्रबंध रूप में प्रशासन अधिकारी नियक्त करते हैं।

सं० 1/522/82-स्था०--विदेश संचार सेवा के महानिकेश ह पत्रद्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक श्री सं० जे० डंसोज्हा को 14 जून, 1982 के पूर्वात्म से आगामी आवेदणों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियक्त करते हैं।

सं० 1/236/82-स्था०—मुख्य कार्यालय के प्रशासन अधिकारों आ॒ ब्हो॒ स्वामीनाथन दिनांक 30 जून, 1982 के अपरात्र में निवर्तन की आयु के हो जाने पर सेवा निष्पत्त हो गए।

एच० एल० मल्होत्रा,
उप निदेशक (प्रशासन)
कसे महानिदेशक

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा व केन्द्रीय उत्पादनशल्क

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1982

सं० 12/82--श्री० के० के० अग्रवाल ने, जो पहले वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) में अश्रु सचिव के पद पर कार्य-रत थे, राजस्व विभाग के दिनांक 5-6-82 के प्रदेश मं० 105/- 82 [फा० मं० ए० 22012/34/81-प्रशा०-II (पा०प०ल०)] के द्वारा सामा॒ शुल्क, उत्पादन शुल्क तथा स्वर्ग (नियन्त्रण) अधिकारीय अधिकरण का दिल्ली स्थित न्यायपाठ में स्थानांतरित होने पर निरीक्षण एवं लेखा परक्षा निवेशालय, संभा॒ शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली में दिनांक 8-6-82 (पूर्वाह्न) से कनिष्ठ विभागीय प्रतिनिधि ग्रृप "क" का कार्य-भार संभाल लिया।

सं० 13/82—था॑ एवि सांडिल ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहतर्त्य, पटना में, सहायक समाहर्ता के 3—196G/82

पद पर लैनात थे, ग्राजस्ट्र विभाग के दिनांक 23-6-82
के आवेदा मं० 108/82 [फा०मं० क-३८०१२/११/८२-प्रभा०-
II] द्वारा शुल्क केन्द्राद्य उत्पादन शुल्क एवं स्वर्ण निपत्रण
अपीलीय प्रधिकारण को दिल्ली स्थित न्यायपाल में स्थानांत-
रित होने पर, दिनांक 29-6-82 के (पूर्वाह्नि) से, निरोक्षण
एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सामाजिक शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन
शुल्क, नई दिल्ली में कनिष्ठ विभागीय प्रतिनिधि ग्रुप "क"
के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

सं० 14/82—श्री एम० सुन्दर राजत ने, जो पहले शुल्क वापसी निवेशालय, राजस्व विभाग में वरिष्ठ विश्लेषक के पद पर कार्यरत थे, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के दिनांक 29-6-82 के प्रदेश फा०सं० क-12034/ 3/82-प्रशा०II (क) द्वारा, सामा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण अधिकारण, का दिल्ली स्थित न्यायपाठ में स्थानांतरित होने पर, दिनांक 5-7-82 (पूर्वांक) से, नियंत्रण प्रबंध निवेशालय, सामा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क में ऊनिष्ठ विभागीय अधिकारी (ग्रुप "ख") के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया ।

एस० बै० सरकार,
निरक्षण निदेशक

'नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवाहन महानिदेश | लय

बस्कॉर्ट-400038 दिनांक 22 जलाई 1982

सं० 11-टो० आर० (5)/79—राष्ट्रपति, श्री यू०बी० रत्नदिवे, हंजीनियर प्रधिकारी मरीन हंजीनियरो प्रशिक्षण निदेशालय, बम्बई का त्यागपत्र सारीख 21 अक्टूबर, 1981 पुराणी से स्वीकार करते हैं।

पी० घोष

केन्द्रीय जल अधिकारी

नई दिल्ली: दिनांक 26 जून 1982

सं. ए० 22014/1/82-स्थानक-ग्रधनक, केर्नल्य जल
आयोग, श्री प० के० मिन्हा को रु० 650-30-740-
35-810- द० रो० 35-880-40-1000 द० रो०
40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त महायक निवेशक
(प्राणाण) के ग्रेड में स्थानापन रूप में अगले आदेशों तक
नियक्त करने हैं।

श्री ए. के. सिन्हा, अतिथिकत महायक निदेशक (प्रकाशन) उपर्युक्त तारीख से दो वर्ष का अवधि तक अतिथिकत महायक निदेशक (प्रकाशन) के ग्रेड में परिवर्त्तन पर होंगे।

के० ए० भन्डूला
प्रवर सचिव

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यलय

कम्पनी अधिनियम 1956 और चान्द राइस मिल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

शिलांग, दिनांक 12 जुलाई 1982

सं० जी०प०/९८२/५६० (३)/१३८८ (१३)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा ५६० की उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस नामबद से तीन मास के अवधान पर चान्द राइस मिल प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा उक्त कम्पनी विधिटि कर दी जाएगी।

एस० आर० कम
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, आसाम

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 और मैनेजमेंट एंड डाक्स कन्सलटेंट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 21 जुलाई 1982

सं० २२०७/५६०/८२-८३—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवधान पर मैनेजमेंट एंड डाक्स कन्सलटेंट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटि कर दी जाएगी।

य० सत्यनारायण
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, आन्ध्र प्रदेश

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दावान बिल्डरज एंड कोलोनाइजर्स प्रा० लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 21 जुलाई 1982

सं० जी०स्टेट/५६०/३४६०/७२७३—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उपधारा (५) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दावान बिल्डरज एंड कोलोनाइजर्स प्रा० लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटि हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हिन्दुस्तान एक्सचेंज लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 21 जुलाई 1982

सं० जी०स्टेट/५६०/१०४७/३२६८—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उपधारा (५) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि हिन्दुस्तान एक्सचेंज लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटि हो गई है।

‘कम्पनी अधिनियम 1956 और आर० एन०वो० एस० ब्रादर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 21 जुलाई 1982

सं० जी०स्टेट/३१९८/५६०/३२७१—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उपधारा (५) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि आर० एन० वी० एम० ब्रादर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटि हो गई है।

एन० एन० मौलिक,
कम्पनी रजिस्ट्रार
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़

कार्यालय आयकर आयुक्त:

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1982

आदेश

सं० १३९—प्रधांकित आयकर अधिकारी की पुष्टि आयकर अधिकारी, वर्ग-II के रूप में उनके नाम के सामने स्तम्भ संख्या ३ में अंकित तिथि से हुई है।

क्रम सं०	अधिकारों का नाम और पुष्टि की पद सथा कार्यरत स्थान	पुष्टि की तिथि	रिक्त कीमि हुई
----------	--	-------------------	-------------------

1	2	3	4
---	---	---	---

1. श्री जी० सत्यनारायण मूर्ति, 1-7-1982	श्री एम०जी०
आयकर अधिकारी, पालाकोल	वेग आयकर अधिकारी
	वर्ग-I के सेवा निवृत्ति होने से

2. पुष्टीकरण की तिथि पूर्ण तिथि में अंशोत्तम प्राप्त है, यदि ऐसा करना आवश्यक समझा जाए।

एम० एस० नारायण
आयकर आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश

प्रकल्प आई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 मई 1982

आदेश सं. जी. आई. आर. संख्या एम-135/अर्जन—यतः
मुझे, ए. प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वी के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानक संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या 56/6 में 9 है तथा जो तिलपूरवा हूसैन
मंज, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 6-11-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितायों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मा-
वासीयक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बात, उक्त
अधिनियम को अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कीर्ति करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा की लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

1. श्री प्रवीन चन्द्र गुप्ता

(अन्तरक)

2. मानस सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड, 54
जै नरायण रोड लखनऊ, द्वारा श्री राम अवधेशतिवारी
(अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उपर संपत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायार सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख सम्बन्धों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही कथ्य होमा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

मृगसूची

मकान नं. 56/6 से 9 स्थित तिलपूरवा, हूसैन गञ्ज
लखनऊ तथा वही सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडोड एवं कार्म 37-जो
संख्या 6842 में वर्णित है जिनका प्राप्तीकरण सब रजिस्ट्रार
लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 6-11-81 को किया जा चुका है।

ए. प्रसाद
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, लखनऊ

तारीख: 28-5-1982

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्रीमती विमला साहू

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती रुक्मी देवी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, लखनऊ

लखनऊ, 29 मई 1982

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

आदेश संख्या जी. आई. आर. संख्या आर-169/अर्जन—
यतः मूर्ख, ए. प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी खासरा संख्या 251 है तथा जो इरादत नगर लखनऊ
में स्थित है (और इससे उपावदध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
7-11-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरीती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्षताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,
वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्धुसूची

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
दायित्व में कमी करने या उससे बचने भे सुविधा
के लिए; और/या

एक अहाता अमला मय आराजो खसरा नम्बर 251 तादादी
5500 वर्ग फिट वाके इरादत नगर सोलापुर रांड, निकट शिया
कालेज लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडोल एवं फार्म
37-ओ संख्या 6718 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्री-
द्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 7-11-1981 को किया
जा चुका है।

(ख) एंभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ए. प्रसाद
मध्यम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, लखनऊ

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्ता अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 29-5-1982
माहेश

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भाग 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजै, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 जून 1982

आदेश संख्या जी. आई. आर. संख्या. पी-93/अर्जन—
यतः, मूर्खे, ए. प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी संख्या प्लाट नं. वी-5 लोजहाउल्ड प्लाट नं. 12 लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध कन्सूची में और पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) दिनांक 7-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिभल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उचित रूप से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यक्तियों में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) गंभीर किसी आय या किसी धन या अन्य कानूनियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येकनार्थ अन्तरिती सत्रा त्र प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविष्ये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती अन्नपूर्णा देवी पुत्री श्री दिशम्भर नाथ छन्ना सोधी देला चौक लखनऊ (अन्तरक)
2. प्रगतिशील सहकारी गृह निर्माण समिति लि. सी.-207 निरालानगर लखनऊ (अन्तरिती)
3. उपरोक्त अन्तरिती

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सहसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरण के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लोजहाउल्ड प्लाट नं. वी-5 प्लाट नं. 12 में से लखनऊ नं. 992 आई टी कालेज कासिंग लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति ए जो सेलडोड एवं कार्फ 37-जों संख्या 7059/81 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 26-11-1981 को किया जा चुका है।

ए. प्रसाद
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजै, लखनऊ

तारीख: 30-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 जून 1982

आदेश संख्या जी. आई. आर. संख्या एस-23।/अर्जन—
यतः, मुझे, ए. प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. बी-5 है तथा जो
आई.टी.एन. कालेज कासिंग, लखनऊ में स्थित है (और इसके
उपावश्यक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-11-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण प्रिवित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बादत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में
कमी करने या उससे छचने में सुविधा के लिये;
आई.या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

1. मेसर्स प्रगतिशील सहकारी ग्रह निर्माण समिति, लि.
दबारा जी एस पी मिशा सचिव

(अन्तरक)

1. श्रीमती स्वरसती देवी
2. श्रीमती रूपलेखा अग्रवाल
3. श्रीमती रीता अग्रवाल
4. श्रीमती मीरा अग्रवाल

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्योप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मृत्तृष्णी

प्लाट नं. बी-5 खसरा नं. 9925121 क्सायर फिट स्थित
आई.टी.एन. कालेज कासिंग लखनऊ एवं वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो संस-
डाउ एवं फार्म 37-ओ संख्या 7084 में वर्णित है जिनका पंजी-
करण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 27-11-81
को किया जा चुका है।

ए. प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 30-6-1982

मोहर :

प्रखण्ड आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयवत् (निरीक्षण)

अर्जन राज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 जून 1982

आदेश सं. जी. आई. आर. संस्था आर/अर्जन—यतः,
मुझे, ए. प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उद्दित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. लोजहॉल्ड प्लाट नं. 12 खसरा नं. 992 है तथा जो आई.टी. कालेज क्रासिंग, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाधवध अमूसन्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकेशन अधिकारी केकार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक 15-10-81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वित में वास्तविक रूप में कीर्ति नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिगियम के अधीन कर देने के अन्तरक के पारिवर्त में कमी करने या उससे बचने में सहित के लिए; और/या

(४) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिक्षी द्वारा बकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मविधा के लिए;

1. प्रगतिशील सहकारी गृह निर्माण समिति सि.,
सी-207, निरालानगर, लखनऊ।

(अस्त्रारक्ष)

2. (1) श्री रामजी अग्रवाल (रामजी अग्रवाल)
 (2) राधे लाल अग्रवाल
 (3) मुरारी लाल गोयल
 (4) अशोक कमार

(अन्तरिती)

3. उपरांक्त अन्तरिक्षी
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पूर्ण है)

को यह सूचना जारी करते पूर्णसं ममति के भवित्व के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(प्र) इस सूचना के रागत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकृत अधिनियम के प्रश्नायाम 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

४८५

लीज हॉल नजन प्लाट नं. 12 खसरा नं. 992 स्थित आई है। कालेज इंजिनियरिंग इहर लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडाउं एवं फार्म 37-जी संख्या 6934/81 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 15-10-1981 को किया जा चका है।

ए. प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रलेप आई० टी० एन० एस०--
 श्रावकर अधिनियम, 1981 (1981 ई० ४३) की धारा
 269-व (1) वो भवीत मूल्य
 पारन मराठा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंजे, जयपुर
 जयपुर, दिनांक 22 मई 1982

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1210—यतः, मूल्य,
 वी. के. अग्रवाल,
 श्रावकर अधिनियम, 1981 (1981 का ४३) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-व के भवीत समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर प्रमाणि, जिनमें उन्हीं बाटर
 पूल्य 23,000/- रु० से पर्याप्त है

और जिसकी सं. पार्ट आफ लैण्ड है तथा जो जयपुर में स्थित
 है, (और इससे उपाख्य अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
 है) रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्री-
 करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
 17-11-1981

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान
 प्रतिशत के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मूल्य यह विश्वास
 करने का कारण है कि प्रधार्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रधार
 प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और
 प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितमें) के बीच ऐसे प्रत्यरूप, के लिए तग
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
 लिखित में व्याख्यित है में लिखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की भावत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन मा प्रदू प्राप्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1972
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थी अन्तरकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

यतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-व को उपाया (1)
 के भवीत, निम्नलिखित अधिकारी, वर्धातः :—

(1) श्री रघुवीर सैन मुख्तार आम श्रीमती सौभीता रघुवीर
 पत्नी वी के, वी रघुवीर, सैन विला, एम. आई.
 रोड, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री महन्द कमार विश्वोद्ध प्रद श्री मनोराम विश्वोद्ध
 श्रीगंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके एकोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 नाप्रवाहित रुखा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(ए) इस उक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या नसम्बन्धी अविक्षितयों पर
 मूल्य की तारीख में 30 दिन की अवधि, यो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 अधिकारी में से किसी अविक्षित हारा;

(झ) इस उक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बदल किसी प्रम्य अविक्षित हारा, अधोहस्ताकरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हृष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सभा
 अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिमाणित हैं,
 वही अर्थ होगा जो उप मध्याय में दिया गया है।

मूल्य

संसार विला, एम. आई. रोड, जयपुर में स्थित 130
 दर्गमीटर भूमि जो उप पंजियक जयपुर इवारा कम संख्या
 2884 दिनांक 17-11-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और
 डिस्ट्रिट रूप से विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रंजे, जयपुर

मार्गील : 22-5-1982

मोहर :

प्रकृष्ट बाईं, टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती दुष्णिका वर्मा पत्नी श्री दीर बालजी, मिवासी
चितरंगन मार्ग, अयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरलीधर ओडरानी पुत्र श्री नंदराज अडरानी,
सी-स्कीम, जयपुर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रँज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 मई 1982

आवेदन सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1203—यतः, मैंने,
वी. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है,
और जिसकी सं. प्लाट नं. 11 का भाग है तथा जो जयपुर में
स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 28-11-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक्ष) और अंतरिती
(अंतरितियों) को बीच पर्याप्त अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
बायित्व में कभी करने या उससे वचने में मूल्यांकन के लिए; और/या

(ख) प्रंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अमूल्यरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4 - 196GT/82

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, वे भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लग्जोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

गन्नसूची

पार्ट आफ प्लाट नं. 11 लिनक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर
क्षेत्रफल 326.66 वर्गमीटर (274 वर्गमीटर) जो उपर्याप्ति,
जयपुर द्वारा क्रम संख्या 3056 दिनांक 28-11-81 पर पंजि-
वद्ध दिक्षण पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

दी. के. अग्रवाल
सहम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)
अर्जन रँज, जयपुर

तारीख : 22-5-1982
मोहर :

प्रस्तुप बाई टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

(1) श्री रघुवीर सैन मुख्तारआम धीमली सूचिला रुदड़ा
पत्नी श्री के. डी. रुदड़ा, सैन विला, प्रम. आई.
रोड़, जयपुर।

(अन्तरक)
(2) श्री महेन्द्र कुमार विश्वोर्ह पत्र श्री मनीराम विश्वोर्ह
श्रीगंगानगर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 इ० 1982

आदेश सं. राज./स्हा. आ. अर्जन/1211—यतः मूर्ख,
वी. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
‘25,000/- रु. से अधिक है’

और जिसकी सं. पार्ट आफ लैण्ड है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
17-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

कर्ते यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के पास
नियित में किए जा गए गेंगे :

सम्बोधकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविहान था छिपाने में
सुविधा के लिए;

संसार विला, प्रम. आई. रोड़, जयपुर पर स्थित 70
बगमीठर भूमि जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या
2881 दिनांक 17-11-81 पर पंजिबद्ध दिक्षण पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
भायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 22-5-1982
माह:

प्रस्तुप बाहर्. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रौज़, जयपुर

जयपुर, विनांक 22 मई 1982

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1208—यतः मुझे,
वी. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है
और जिसकी मूल्यां पार्ट आफ लैण्ड है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
17-11-1981

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) ने बीच परंभ अन्तरण के लिए तय माया गया प्रति-
फल निम्नान्तरिक्त उद्दर्श्य तथा उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्त्र आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नान्तरिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रघुवीर सैन मुख्ताराओम श्रीमती सुशीला रघुवीर
पत्नी श्री के. डी. रहड़ा, सैन विला, एम. आई.
रोड़, जयपुर।

(अन्तरक)
(2) श्रीमती पार्वती द्वेषी पत्नी श्री रामजी विश्वनाथ,
श्रीगंगानगर।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में निरीक्षण करता है।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
ददात किसी अन्य व्यक्तिने द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास विद्यित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संसार विला, एम. आई. रोड़, जयपुर पर स्थित 137
वर्गमीटर भूमि, जो उप पंजियक, जयपुर इवारा कम संख्या
2886 विनांक 17-11-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप में विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रौज़, जयपुर

तारीख : 22-5-1982

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जयपुर

जयपुर, विनाक 22 मई 1982

आदंश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1209—यतः मुझे,
वी. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. पाटौ आफ लैण्ड है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाधिक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
17-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरीतीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा गया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक एवं दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री रघुवीर मैन मुख्याराम श्रीमती सुशीला राजेश
पत्नी श्री के. डी. राजेश, सैन विला, एम. आई.
रोड, जयपुर।

(अन्तरक)
(2) श्रीमती पार्वती देवी पत्नी श्री रामजी विश्वारूप,
श्रीगंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मंसार दिला, एम. आई. रोड, जयपुर में स्थित 130
वर्गमीटर भूमि जो उप पंजियक, जयपुर इवारा कम संख्या
2879 दिनांक 17-11-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 22-5-1982
मोहर :

प्रस्तुप प्राईटी०टी०एन०एस०—————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधीन (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 मई 1982

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1212—यतः भूमे,
वी. के. अग्रवाल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में
प्रधिक है

और जिसकी सं. पार्ट आफ लैण्ड है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबृक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
17-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रधिक है प्रीतर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख)ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः इन प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपषारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

(1) श्री रघुचंद्र सैन मुस्तारआम श्रीमती सशीला रुदड़ा
पत्नी श्री के. डी. रुदड़ा, मैन विला, एम. आई.
रोड़, जयपुर।

(अन्तरक)
(2) श्रीमती कृष्णा विश्वोद्ध पत्नी श्री नाजपतराय
विश्वोद्ध, श्रीगंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कायंबाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

संसार विला, एम. आई. रोड़, जयपुर में स्थित 130
वर्गमीटर भूमि जो उप पंजियक जयपुर द्वारा पंजियद्वय विक्रय
पत्र संख्या 2885 दिनांक 17-11-81 में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर अधीन (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 22-5-1982
मांहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 मई 1982

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1207—यतः मूल्य, वी. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी मं. पार्ट आफ लैण्ड है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपादान अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-11-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत ये अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिक्ती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृक् किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकल्प नहीं किया गया था या किया जाना आविहै था, छिपाने में सूचिधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रघुवीर सैन मुख्यारजाम श्रीमती सूशीला रघुवा पत्नी श्री के. डी. रघुवा, सैन विला, एम. आई. रोड़, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा विश्नोइ पत्नी श्री नाजपतराय विश्नोइ, श्रीगंगानगर।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संसार विला, एम. आई. रोड़, जयपुर में स्थित 70 दर्गमीटर भूमि जो उप पंजियक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2879 दिनांक 17-11-81 पर पंजिदाध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, जयपुर

तारीख : 22-5-1982
गोहर

प्रैरूप बाइ. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 मई 1982

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1205—यतः मझे,
वी. के. अश्वाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. पार्ट आप लैण्ड है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पर्ण रूप में वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
17-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करना का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कभी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में मुद्रित
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रघुवीर मैन भूलारआम शीमती मूलाना राजेश
पत्नी श्री के. डी. रघुवीर, मैन विला, एम. आड.
राड, जयपुर।

(अन्तरक)
(2) श्री लाज पतशय पत्र श्री मनीराम दिनेंड, श्रीगंगा-
नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में गे किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में वर्णित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पार्ट आप लैण्ड मीजरिंग 70 वर्गमीटर, स्थित संसार विला,
एम. आड. रोड, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम
मूल्य 2880 दिनोंक 17-11-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप में विवरणित है।

वी. के. अश्वाल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, जयपुर

तारीख : 22-5-1982
पोहर :

प्रूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, जयपुर

जयपुर, विनांक 22 मई 1982

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1206—यतः मर्फ़, वी. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. पार्ट आफ लैण्ड है तथा जो जयपुर में स्थित है, (आर इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (मन्त्रको) और प्रभारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्ष से हूई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में किसी भरने या उससे बचने में सुनिश्चि के 'नान और/या'

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या लिपाने में विविध रूप से विवरणित है।

एवं अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों; घर्ता :—

(1) श्री रघुवीर सैन मुख्तारआम श्रीमती सूशीला रघुवा पर्णी श्री कौ. श्री. रघुवा, सैन विला, एम. आर्ड. रोड, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री नाजपतगय पत्र श्री मनीराम विश्वोद्धर्ष, श्रीगंगनगर।

(अन्तरकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में व्यक्तान की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि वाले में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में व्यक्तान की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रन्थोदत्तात्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम ने ग्रन्थाय 20-क में परिचित हैं, वही ग्रन्थ होंगा जो उम ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

संसार विला, एम. आर्ड. रोड, जयपुर में स्थित 169 दर्जमीटर भूमि, जो उप पंजियक, जयपुर द्विवारां कम मंजुरा 2883 विनांक 17-11-81 पर पंजिदवध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, जयपुर

तारीख : 22-5-1982
माहेः :

प्रस्तुप् बाइ. टी. एन्. एस. ----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
 भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

जयपुर, दिनांक 22 मई 1982

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1204--यतः मूझे,
 वी. के. अग्रवाल,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/ रु. से अधिक है
 और जिसकी सं. प्लाट नं. 11 है तथा जो जयपुर में स्थित
 है, (और इससे उपावद्धध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
 है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
 करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
 28-11-1981

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हस्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
 करने के कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
 उसके हस्यमान प्रतिफल से एसे हस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
 प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा ग्रकठ नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

5-196 GI/82

- (1) श्रीमती सूशीला दर्मा पूली श्री बीर बाबूजी, निवासी
 चित्तरंजन मार्ग, जयपुर।
 (अन्तरक)
 (2) श्री मुरलीधर ओडरानी प्रम् श्री लेखराज ओडरानी,
 सी-स्कीम, जयपुर।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्य :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्तुची

प्लाट नं. 11 का भाग, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर
 जिसका क्षेत्रफल 326.66 वर्गजग्ज (274 वर्गमीटर) है तथा जो
 उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 3032 दिनांक
 28-11-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
 दिवरणित है।

वी. के. अग्रवाल
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रोज़, जयपुर

तारीख : 22-5-1982

मोहर :

प्रृष्ठा आई.टी.एन.एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1157—यतः मृमे,
 वी. के. अग्रवाल,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/रु. से अधिक है।
 और जिसकी सं. प्लाट है तथा जो अलवर में स्थित है, (और
 इससे उपावृध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी के कार्यालय अलवर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-12-1981
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृमे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
 पिरती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (1) श्री कृष्ण सिंह पूत्र श्री गुलाब सिंह जाट, पंडित
 विभाग, सीकर।
 (अन्तरक)
 (2) श्री महेश घन्द एवं राज कुमार जैन द्वारा राजस्थान
 हनी लंबोरेटरी, मूँशी बाजार, अलवर।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
 है।

- (क) अन्तरण से हटा किसी आय की बाबत उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
 कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/वा

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिथों
 का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अनुसूची

966 वर्गजग सूली जसीन, मोती डूंगरी स्कीम, अलवर जो
 उप पंजियक, अलवर द्वारा अम संख्या 348 दिनांक 15-12-81
 पर पन्जीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
 है।

वी. के. अग्रवाल
 सकाम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, जयपुर

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की जपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 20-4-1982
 सोहर :

प्रसूप बाईं.टॉ.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज़, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

आवेदन सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1158—यतः मुझे,
वी. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लाट है तथा जो भीकर में स्थित है, (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-11-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि धराधूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ति भौं कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1489 दर्गांज का ओपन प्लाट, बाड़ नम्बर 14 (नया),
सीकर जां उप पंजियक, सीकर द्वारा क्रम संख्या 1192 दिनांक
27-11-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
दिवरणित है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रौज़, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 20-4-1982
मोहर :

प्रकाशन दी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

उच्च बालकर्ता

प्राधिकरण, सहायक बालकर्ता बाल्यकाल (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1159—यतः मृमति,
वी. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा या है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लाट नम्बर बी-1 है तथा जो जयपुर में
स्थित है, (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 1-9-1981

कि पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृमति यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(1) भीमती पृष्ठ कंवर, भीमती राजलक्ष्मी, कुमारी
सुमिता एवं युवराज कुमारी।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सन्टोजन टेक्सटाइल मिल्स (प्रा.) लिमिटेड
ए-शान्तीनगर, अजमेर रोड, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उच्च सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण—

(क) इस सूचना के उच्चपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से द्वितीय व्यक्ति द्वारा

(ल) इस सूचना के उच्चपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृप्त
किसी वस्तु व्यक्ति द्वारा अधिहस्तात्तरी के पास
प्रिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) उच्चरण से हुई किसी बाल की बाबत, उच्च
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्दरक के दायित्व
में किसी भाउर वा उसके बाल में सूचिता के लिए
भाउर/वा

(ल) एसी किसी बाल वा किसी भाल वा वस्तु बालिका
का, जिन्हें प्रारंभी बाल-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
छुटीया के लिए।

प्लाट नम्बर बी-1, शान्ती नगर, अजमेर रोड, जयपुर जो
उप पंजियक, जयपुर द्वारा अम संख्या 2228 दिनांक 1-9-81
पर पंजिबद्ध विकाय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित
है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

यतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जतः—

तारीख : 20-4-1982
मोहर :

प्रूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

आवेदन सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1160—यतः मुझे,
वी. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन गक्षम प्रांधिकारी को मह विश्वास करने का
कारण है कि स्थान समांग, जिसका उचित ब्राजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नम्बर डी-60 है तथा जो जयपुर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) राजस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 17-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित ब्राजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापांकत संपत्ति का उचित ब्राजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विस्तृत में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
वीर/ए।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

- (1) श्रीमती दयमन्ती कृष्णनवाला पत्नी श्री विव्याधर
जी, 1/2 रोलेंड रोड, कलकत्ता।
(अन्तरक)
(2) श्रीमती भगवती देवी औधरी, दिनेश कुमार औधरी
डी-60, बनी पार्क, जयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मूल्य

प्लाट नम्बर डी-60, माधो सिंह रोड, बनी पार्क, जयपुर
में स्थित है और उप पंजियक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2857
दिनांक 17-11-81 पर पंजियक द्वारा प्रकट पत्र में और विस्तृत
रूप में विवरणित है।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

वी. के. अग्रवाल
मकान प्राधिकारी
गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 20-4-1982

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, 20 अप्रैल 1982

आदेश संख्या : राज./सहा. आ. अर्जन/1161—यतः मुझे,
वी. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट न. डी-60 है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

17-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संवर्तित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आवृत्तयों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यह: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती दम्बन्ती देवी पति श्री दिव्याधार जी, 1/3
राजेन्द्र रोड, कलकत्ता मुख्यालय जी. डी. एस. एस.
वाला

(अन्तरक)

2. मंसर्स हन्जीनियर्स इंडिया कंसट्रक्शन कम्पनी लिमि-
टेड, जयपुर

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर डी-60, माधोसिंह रोड, बनीपांक, जयपुर जो
उप पंजीयक, द्वारा क्रमसंख्या 2858 दिनांक 17-11-81 पर
पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 20-4-1982

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्यालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

आदेश संख्या राज./सहा.आ. अर्जन/1162—यसः मझे,
वी. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधीन संभावना प्रधिनायी को, यदि विषयाप करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रीजस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-12-
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पुस्ते यह विषयाप
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
पौर/या,

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य ग्रासियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लाला पवर्स सिंह पुत्र श्री नानिहाल सिंह, सी-24,
अयसिंह हाईवे, जयपुर
(अन्तरक)

2. श्री मुकन्द गोयल पुत्र श्री राधेश्याम गोयल, 109
द्वारा मार्ग, बनीपालक, जयपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया करला हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रोत :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरम्भाल्पी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणार्थी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाझीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही
प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जो ग्राम गजसिंहपुरा, अजमेर रोड, जयपुर जो उप
पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 3131 दिनांक 29-12-81
पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 20-4-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कामांलम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

आदेश संख्या राज/सहा आ. अर्जन/1163—यतः मूझे,
वी. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या कृपि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबृथ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-12-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दर्शमान प्रतिफल से, ऐसे दर्शमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः नब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री दिवाकर सिंह पूर्ण पदम सिंह दिवासी सी-24
जयसिंह हाईवे, जयपुर
(अन्तरक)
2. श्री मुकन्द गोयल पूर्ण राधेश्याम गोयल, 109 दुर्गा,
मार्ग बनीपार्क, जयपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबृथ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि स्थित ग्राम गजसिंहपुर, अजमेर रोड, जयपुर तथा
जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 3132 दिनांक
29-12-82 पर पंजिबृथ दिक्षण पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 20-4-1982
मोहर :

प्र० रुप बाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

आदेश संख्या राज/सहा आ. अर्जन/1164--यतः मृम्भे,
वी. के. अग्रवाल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपबवध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-12-
1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से
अधिक है और अन्तर (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
रद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाव
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यत, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की घारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् 1--
6-196GI/82

1. श्रीमती गायत्री क्वेवी पति श्री पदम सिंह, सी-24,
जयसिंह हाईवे, जयपुर

(अन्तरक)

2. श्री मुकन्द गोयल पुत्र श्री राधेश्याम गोयल, 109 दंगा
मार्ग, बनीपार्क, जयपुर

(अन्तरिती)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों पुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षीप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ
किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताभारी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम गजसिंह पुरा, अजमेर रोड, जयपुर में स्थित कृषि भूमि
जो उप पंजियक, जयपुर स्वारा क्रमसंख्या 3134 दिनांक 29-12-
81 पर पंजिबवध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित
है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, जयपुर

तारीख : 20-4-1982

मोहर :

प्रलेप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, जयपुर
 जयपुर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

आदेश संख्या : राज./सहा. आ.अर्जन/1165-- यतः मःभै,
 वी. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

जीर जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है,
 (और इससे उपरावध अन्सूनी में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
 नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-12-81
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई निम्नों आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक
 के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
 मुविधा के लिए और या

(ख) ऐपो निम्न आय तात्त्वीकी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनामे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, किन्तु ये
 मुविधा के लिए;

उन: यत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
 में, इस अधिनियम को प्राग 269-घ की उपाधारा (1) के
 के अधीन, निम्ननिमित व्यक्तियों अर्जन:-

1. श्री मधुकर सिंह पूत्र पक्षम सिंह, सी-24, जयसिंह
 हाइवे, जयपुर
 (अन्तरक)

2. श्री मुकन्द गोयल पूत्र गधेश्याम गोयल 109, दर्गा-
 मार्ग, बनोपाक, जयपुर
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तो तीखे से 45
 दिन की अवधि या तस्वीरों व्यक्तियों पर मूल्य
 की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होनी ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 में किमी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस मूल्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तो तीखे से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वितरण
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्पोहस्ताधारी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है :

अन्तर्सूची

कृषि भूमि जो शाम गजसिंहपुरा तहसील जयपुर में स्थित है
 और उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 3133 दिनांक
 29-12-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में विस्तृत रूप से विवरणित
 है।

वी. के. अग्रवाल
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 20-4-1982
 माहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी टी. एन.एस.—

प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, 20 अप्रैल 1982

निदेश संख्या: राज./सहा.आ. अर्जन/1166—अतः मझे,
वी. के. अग्रवाल,

प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट है तथा जो कार्यालय जयपुर में स्थित है,
(और इसमें उपावदध अनुमती में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-11-81
कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्थ
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथ फाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में इड़े किसी प्राय की वावत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एंसे किसी प्राय या किसी धन या अन्य आविष्यों
को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे प्रतिरिटी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रद, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षात् :—

1. श्री भैल राम जावी पूर्ण गुमान राम जावी, ए-2,
जजमेर रोड पूल के नीचे, जयपुर
(अन्तरक)
2. श्री टीकम चन्द पूर्ण लाल चन्द, ए-63, जनता
कालोनी, जयपुर
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहियों करेता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घावेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी वन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तर्दृश्य

आपेन प्लाट आफ लैंड 618 वर्ग मीटर जो ए-63, जनता
कालोनी, जयपुर में स्थित है और उप पंजियक, जयपुर द्वारा
कम संख्या 2918 दिनांक 21-11-81 पर पंजिकृत विक्रय पत्र
में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

मांहूर :
तारीख : 20-4-1982

प्र० र० प्र० श्राई०टी० एन०एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, वृद्धि

बंबई, दिनांक 22 जून 1982

निदर्श संख्या ए. आर. 1/4639/82-83—अतः मुझे,
सूधाकर वर्मा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
(जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम, कहा गया है) की
धारा 269 थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है जिसकी सं. सी. एस. नं. 323
आफ माऊंडी डिवीजन है तथा जो कांकी सैद्ध स्टूट में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वृद्धि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-11-1981
डाक्यूमेंट नं. बांम्बे/583/79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छव्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छव्यमान
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या छन्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ भी उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. हररिकाशनदास गोर्धनदास
2. श्रीमती देवदती भूपतराय गरोडिया
3. श्रीमती सरले हरेमंत गरोडिया
4. विनोदचंद्र छवीलदास
गरोडिया हाउस प्रिमाइसेन
फ्लॅट अनेस

अन्तरक

अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोप !—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तस्वीराई व्यक्तियों पर
सूचना की वायील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है; के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्य

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
द्वितीय किसी धन्य व्यक्ति द्वारा; प्रबोहस्तावरी
के पास लिखित में किये जा सकें।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
प्रधिनियम' के प्रध्याय 20-क में परिचायित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या बांम्बे/583/79 और जो
उप-रजिस्ट्रार वृद्धि, द्वारा दिनांक 6-11-82 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

सूधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-१, वृद्धि

तारीख 22-6-1982
मोहरः

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाप्रबल आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 जून 1982

निवास सं. प्रम. आर. न. 62/32468/81-82--
 अतः मृम्भे, मंजु माधवन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित दाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं. 10, (दाकान नं. 1367 फिर 11, अब 6,
 है, तथा जो कृष्णा रोड, बसवंगडी, बैंगलूर में स्थित है (और
 इससे उपाबद्ध अन्तस्त्री में पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी के कार्यालय, बसवंगडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
 1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 18-11-1981
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्भे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
 पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपृष्ठेय से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हृइ किसी आद की वावत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा
 के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

1. श्री निवास पद्मवाथ राव चिट्ठिनिस नं. 1, कोडम्बा-
 अकम है रोड, मद्रास-34।
(अन्तरक)
2. श्रीमती प्र. बि. नाग रत्ना 28, इंस्ट सर्किल रोड
 वि. वि. प्रम बंगलूर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
 कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोइ भी वाक्येः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रथक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

मंजु माधवन

(दस्तावंज सं. 2442 ता. 18-11-81)
 पुराना, नं. 136, फिर 10, 11, अब 6, कृष्णा रोड
 बसवंगडी, बंगलूर-4

मंजु माधवन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज़, बंगलूर

तारीख : 14-6-82
 मुद्रणः

प्रस्तुप आइ.टी.एम.एस.-----

1. श्री सिंह. एस. मोहन तथा वो आदित्यों नं. 1,
कांडमाकरम् है रांड मंडास-34
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री के. वि. शिवकुमार नं. 172, वासवी
टॉर्मीपल रोड़ विश्वेश्वर पुराम, बंगलूर-4
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 जून 1982

निवेश सं. सिंह. आर. नं. 62/32469/8.1-82/अक्षिव/
वे—अतः मुझे, मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 136, नया नं. 6, है, तथा जो कृष्णा रोड़,
बसवंगुडी, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण एप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बसवंगुडी में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन ता. 18-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कानूनी नहीं किया गया है:—

(क) अंतरक से हूँ इन किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगभार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

क्यों यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूथ
किसी बन्ध अधिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रथक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 2441 ता. 18-11-1981)
नं. 136, नया नं. 6, कृष्णा रोड़, बसवंगुडी बंगलूर-4

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभावा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

तारीख : 14-6-82
मोहरः

प्रृष्ठ प्राइवेट.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बंगलूरु, दिनांक 14 जून 1982

अर्जन रॉज़, बंगलूरु

निवेश सं. सि. आर. नं. 32915/81-82/अक्विव/वे—
अतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उद्दिष्ट बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1307, । फेस है, जो एन. ए. सि. प्लाट
सेक्टर-111 बैंगलूरु में स्थित है (और इस से उपावड्ह अन्सूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बैंगलूरु सबूत सालुक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 20-11-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रख्यमान प्रतिफल से ऐसे रख्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भरत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (:)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ए. एल. मूर्ती नं. 643, 10/बि. मने
रोड 4 ब्लॉक, जयनगर बैंगलूर-11
(अन्तरक)
2. श्री एस. एम. राम 11/8, । क्रस हनुमंतप्पा
नेश्वर 111 ब्लॉक जयनगर बैंगलूर-11
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
मूर्ख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

मंजु माधवन

(दस्तावेज 4810 ता. 20-11-1981)

सम्पत्ति का सं. 1307, । फेस (एल. ए. सि. प्लाट)
(सेक्टर 111), बैंगलूरु

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, बंगलूरु

तारीख : 14-6-1982
मोहर:

प्रेस्प्रेस बाइंड. टी. एन. एस.-----
आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 6 फरवरी 1982

निर्देश सं. 410/81-82--यस: भूके, श्रीमती मंजू
माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रधानात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मूनीसिपल नंबर 9-20-79 है, जो गढ़वाल
रोड, गथचूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय,
रायचूर अंडर डाक्युमेंट नंबर 1437 राजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-11-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य भे कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का
पूर्व ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
करने वालीक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य गारितियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री सीनम्या के पूर्व माटमारी भीमप्पा
(2) श्री एस. भीमप्पा के पूर्व श्री माटमारी गंडप्पा
(3) श्री एस. भीमप्पा के पूर्व श्री माटमारी अनंतराज
(4) श्री एस. भीमप्पा के पूर्व श्री माटमारी वीरेशवाब
(5) श्री बि. नागराज के पत्नी बि. विजयलक्ष्मी
(6) डाक्टर एस. गमकृष्णा
(7) डाक्टर एस. रामकृष्णा के पूर्व एस. चंद्रकान्त
(8) श्री नरसिंहप्पा के पूर्व श्री बि. इ. कृष्णमूर्ती
(9) श्री बि. इ. कृष्णमूर्ती के पूर्व बि. इ. नरसंगमा
(10) श्री बि. इ. वंकण्णा के पत्नी बि. इ. ललितम्मा

- (11) श्री आर. पि. बंगारप्पा के पत्नी आर. पि. सूगम्मा
(12) श्री आर. बि. सांविशद्या के पत्नी आर. पि.
वेंकटम्मा
(13) श्री जयप्पा के पूर्व श्री वाय रामप्पा
(14) श्री जि. के. हमद्रय के पत्नी जि. के. पदमावती
(15) श्री उरुकुव्वया के पूर्व श्री जि रामप्पा
(16) श्री जि इरन्ना के पत्नी श्रीमती जि प्रभिलालाइ
(17) श्री जि रागन्ना के पत्नी श्री जि शांतम्मा
(18) श्री उरुकुव्वया के पूर्व श्री जि इरन्ना

उपर नम्रित सभी व्यक्तियों मेसर्स निरुम्भला
इंडस्ट्री (रैस मिल) रायचूर के पाठ्नेरस हैं
(अन्तरक)

2. मेसर्स श्री साहबाबा इंडस्ट्रीस, रायचूर प्रतिनिधि
भागीदार
 - (1) श्री एम. मूत्यालराव के पत्नी एम. सत्यवरी
 - (2) श्री एम. मूत्यालराव के पूर्व श्री एम. सूर्यनंद
प्रसाद
 - (3) श्री एम. मूत्यालराव के पूर्वी कमारी एम.
लक्ष्मी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गढ़वाल रोड, रायचूर में स्थित बिलिंग (जगह सहित)
जिसका नाम है "मेसर्स श्री साहबाबा इंडस्ट्री" और जिसका
मूनीसिपल नंबर है 9-20-79।

श्रीमती मंजू माधवन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, बंगलूर
मोहर:

तारीख : 6-2-1982
मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 10 जून 1982

निदेश मं. एक्स्ट्री 429/82-83—यतः मुझे, मंजू
माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1 (सी. एफ.) है, तथा जो दावणगरे में स्थित
है (और इस से उपाख्य अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरी के कार्यालय, दावणगरे में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 23-11-81
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
बन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूँड़ किसी आय की वाकत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) प्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—196GT/82

1. श्री वि. पि. पांडुरगराव राडलप्पाज लॉड, पि.
वि. रोड, दावणगरे
(अन्तरक)
2. श्री ए. नटशाजन पश्च आरम्भन पिल्लै भैनिंग लॉन्टू-
क्टर, डोर नं. 2175 एम मि लॉन्सी, पि. जे.
एक्सटेनशन, दावणगरे
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संघित के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, उन्हीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूषली

(वस्तावेज सं. 4184 ता. 23-11-81)
V लॉड, पि. जे. एक्सटेनशन, दावणगरे सेट नं. 1 (सी.
एफ.) मियर यूंजिंग 58'x60'

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूरु

तारीख : 10-6-1982

मोहर:

प्रह्लृप् शाहै. टौ. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

निर्देश सं. 421/82-83—यतः मुझे, डा. वि. एन. ललित कुमार राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. पर नंबर 55 (5), 55 (6) है, तथा जो
काकोडा बन्साइ कूचौरिम गांव में स्थित है (और इससे उपावदध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, ता. 6-11-1981
को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाशा गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में
मुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री शेख महमद
(2) श्री शेख अद्दू
श्रीमती ज़लिकदा बंगम
मैनओनर संगम, गोदा

(अन्तरक)

2. श्री कांलार नवीमुल्ला की पति श्रीमती अविदा बानू
शरीक बन्साइ कूचौरिम, गोदा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 359 ता. 6-11-81)

काकोडा बन्साइ कूचौरिम, गोदा में स्थित 1010-89
स्क्वार भीटर जगह और इस जगह पर स्थित बिल्डिंग जिसका घर
नंबर है 55 (6) और 55 (5)।

डा. वि. एन. ललित कुमार राव
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, बंगलूर

तारीख : 20-4-1982

मोहर:

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

निवांश सं. 420/82-83—यतः मःके, आ. वि. एन.
ललित कुमार राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 249 ख के अधीन
सभी प्राधिकारी को, वह विवास करने का कारण है कि स्थावर
संपत्ति, जियका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. घर नंबर 55 (4) और 55 (3) है, तथा जो
काकड़ा बन्साइ कुचार्हियम गोवा में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, क्षुप्तमें रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 30-11-1981
को पूर्वोक्त मंत्रिति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के बिंद प्रत्यक्षित को गई है और मुझे यह
विवास करने का कारण है कि यक्षयूक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
क्ष निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने वा अन्तरक के दायित्व में वमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या या किया
जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ के अनुसरमें,
उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ की उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री शेख महमद
(2) श्री शेख अबूब
(3) श्रीमती आर्तकशा बोगम
मैन ओनर, संग्रह, गोवा

(अन्तरक)

2. श्री कोलार नयीमुल्ला की परित्यं श्रीमती अविदा बान्
शरीक बन्साइ-कुचार्हियम गोवा

(अन्तरिती)

वे पृष्ठ सूचना जारी करके पूर्वोक्त मंत्रिति के पर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त मंत्रिति के पर्जन के ममन्द्व में जोई भी प्राक्षेपः—

(८) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन ती प्रत्यधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाइ
में मापात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(९) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी
प्रत्यक्ष द्वारा प्रधोक्साश्री के पास निवित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 387 ता. 30-11-81)

काकड़ा बन्साइ कुचार्हियम, गोवा में स्थित 600.57
स्क्वार मीटर जगह और इस पर स्थित बिल्डिंग जिसका घर
नंबर है 55 (4) और 55 (3)

आ. वि. एन. ललित कुमार राव
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, बंगलूर

तारीख : 20-4-1982
माहेः :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 मई 1982

निदर्श सं. सी. आर. 62/32788/81-82—यतः मर्फत
मंजू माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है
और जिसकी सं. 129/1, । स्टेंज है, तथा जो बेस्ट आफ
कार्ड रोड, गजाजी नगर में स्थित है (और इस से उपाख्य
अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के लार्यालय, राजाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 23-11-1981
को पूर्वोंकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्फत यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकर सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के द्वारा ऐसे उत्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
करण निम्नलिखित उद्देश्य भे उक्त अन्तरण जिस्ति में वास्तविक
रूप में दर्शित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री डी. सोमशेखर 20/बी, 18 क्राम मूलस्वरम,
बंगलूर-55
(अन्तरक)
2. श्री एम. बालसूब्रमन्यम 67, डा. 1 राधाकृष्णन
रोड, मैलापूर, मद्रास-600004
(अन्तरिती)

को यह सूचना बाटी करके पूर्वोंकर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में मर्फत भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 4205/81-81 ता. 23-11-1981)
घर संपत्ति है जिसका सं. 129/1 तथा जो, । स्टेंज बेस्ट
आफ कार्ड रोड गजाजी नगर, बंगलूर-10 में स्थित है।

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारण (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 28-5-1982
माहूर :

प्र० प्र० आइ० टी० एन० एस० -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 जून 1982

निवेद्य सं. सि. आर. नं. 62/33417/81-82/
अवधि/बे—यतः मुझे, मंजु माधव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी मूल्य प्राप्ति नं. 30, नया नं. 31, है, तथा
जो कासल स्ट्रीट अशोक नगर बंगलूर में स्थित है (और इस से
उपावद्ध अन्सूची सं और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 25-1-1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के दिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिक्षी
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नान्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में की भित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बाई/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नान्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती बान के मोड़ी
(2) श्रीमती शेरिन ए. मोड़ी नं. 10/15, वेन्सन
लेक्ट स्वस्ति रोड, बंगलूर
(अन्तरक)

2. श्रीमती मंबल गोम्म 30, कासल स्ट्रीट अशोक नगर,
बंगलूर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंजु माधव

(दस्तावेज सं. 3241 ता. 25-1-82)
प्राप्ति नं. 30, नया नं. 31, कासल स्ट्रीट अशोक नगर
बंगलूर।

मंजु माधव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बंगलूर

तारीख : 19-6-1982
माहूर :

प्रकृष्ट प्राईटी एम् प्रेस—

आयकर व्यवित्रियम्, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 जून 1982

निर्देश सं. मि. आर. नं. 62/32471/81-82/अवचि./
दे—यतः मुझे, मंजु माधवन,
आयकर व्यवित्रियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त व्यवित्रियम्' कहा गया है),
को भारा 269-व के अधीन सदाम प्राधिकारी को, यह
विवेचन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं. 136, फिर 19, अब 6, है, तथा जो
कृष्णा रोड, बसवंगुडी, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपा-
वद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बसवंगुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 18-11-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वाप
करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक
(प्रस्तरकों) और अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे
अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्नरग लिखित में वास्तविक रूप से कहित
नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
व्यवित्रियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर व्यवित्रियम्, 1922
(1922 का 11) या उक्त व्यवित्रियम्, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

1. श्री श्रीनिवास शेष, पृष्ठनाम राव चिट्ठनिस 1,
कोडेबाकम् है रोड मद्रास-34

(अन्तरक)

2. श्रीमती एन. बी. सदर्नलिता 53/2, सर्वेयर स्ट्रीट
बसवंगुडी, बंगलूर-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना आदि करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्रियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यवित्रियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किये जाएंगे।

लकड़ीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
व्यवित्रियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंजु माधवन

(दस्तावेज सं. 2432 ता. 18-11-1982)

136, पन नं. 19, अब नं. 6, कृष्णा रोड, बसवंगुडी,
बंगलूर-4

मंजु माधवन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बंगलूर

यतः अब, उक्त व्यवित्रियम की भारा 269-व के, अनुसरण
में, भौ, उक्त व्यवित्रियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीक्ष :—

तारीख : 18-6-1982
मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंट, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 18 जून 1982

निवेदित सं. सि. आर. नं. 62/33714/81-82/अक्ती
/दे—यतः मम्भे, मंजू माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 35, 35/1 स्ट्रीट नं. 9, है, तथा जो
महंत लेअकट, गविपूरम, बेंगलूरु में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण सूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बसवंगडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 8-2-1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मम्भे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(५) अन्तरण से हर्दि किसी वाय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(६) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री जि. दि. श्याम राव श्रीमती नाग लक्ष्मी 3 ब्लॉक
जेशनगर 26 कास, बेंगलूरु

(अन्तरक)

2. श्री ए. एस. विश्वनाथ ए. स कास्तिविश्वनाथ शेट्टी
मंडी पेट, दावनारे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 3375 ता. 18-2-1982)

नं. 35 और 35/1, स्ट्रीट नं. 9, महान्त लेअकट गविपूरम, बेंगलूरु

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज़, बंगलूरु

तारीख : 18-6-1982

माहिर :

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

प्रारूप थाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

1. श्री सि. आर. सम्पत कम्मार मन्दिर, मान्नर तालुक कोल्सार जिला
(अन्तरक)
2. श्रीमती अलियम्मा जान नं. 37, 9 ब्लॉक 7 बी मेन, जेनगर बैंगलूर
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, साहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 जून 1982

निवेद्य सं. सि. आर. नं. 62/32921/81-82/अधिव
वं—यतः सूक्ष्म, मंजु. माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को इह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 22, 4 में है, तथा जो 4 ब्लाक, जेनगर,
बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाधदेश अनुसूची में और पूर्ण
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
नगर में रीजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन ता. 28-11-1981
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे इह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के द्वायत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
में लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अमृसूची

(दस्तावेज सं. 3815 ता. 28-11-1981)

घर का नं. 22, 5 मेन, 5 ब्लाक, जेनगर, बंगलूर

मंजु. माधवन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

तारीख : 19-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 जून 1982

निर्देश सं. न. सी. आर. 62/32777/81-82/एक्ट्री
वी. यतः मुझे, मंज. माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 837 एम सं. 837/16 है, तथा जो 5 में,
5 काम एम. आर. सी. आर. सं स्थित है (और इससे उपायदृष्ट
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, श्री रमेश बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 9-11-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्चाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीन को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती बुर्जमा सं. 837, 5 में 5 काम एम.
आर. सी. आर. विजयनगर बैंगलूर-40
(अन्तरक)

2. श्री स्वाप चंद्र थी. सं. 837, 5 में, 5 काम
मागडी कार्ड रोड एक्स्टेंशन बैंगलूर-40
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्त्वंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बदृष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

दस्तावेज सं. 3308/81-82 ता. 9-11-81)

घर संपत्ति है जिसका सं. 837 और एम. सं. 837/16
(महल मिलके 5 में 5 काम एम आर. सी. आर. विजय-
नगर बैंगलूर-40

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8 —196GI/82

तारीख : 18-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप आइ०.टी०.एन०.एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 जून 1982

निवैश सं. न. सी. आर. 62/32375/81-82/एकी वी.
—यतः मझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी हो, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सेट सं. 410 (खाता सं. 24) है तथा जो 12
वा क्रास, पेनेस अप्पर आचरण में स्थित है (और इससे उपा-
वक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 30-11-
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरीती
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मद्दत
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिहे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरीती दबाग प्रकल्प नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
मद्दत के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, इसका अधिनियम की धारा 269-म की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पी. वी. कृष्णपा विवगत् पी वीरपा के पुत्र
सम्मतहल्ली गांव बलाशहडा हावनी थोगार उत्तर
(ता)
(अन्तरक)

2. श्री एम. बंकटेश दिवगत मनिवेंकटपा के पुत्र
ने डिगहल्ली गांव का (पी. आ.) बंगलूर उत्तर (ता)
(अन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तस्त्री

(दस्तावेज सं. 3098/81-82 ता. 30-11-81)
संपत्ति है बेकेट सेट सं. 410 खाता सं. 24 में। तथा
जो 12 वा क्रास प्लालास अप्पर आचरण बंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन
मकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैज, बंगलूर

तारीख: 25-6-1982

मोहर:

प्रधन पाई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रँज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जून 1982

निर्देश सं. न. सी. आर. 62/32904/81-82—यत्
मुझे, मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या सबै सं. 171-3 है, तथा जो इडया गांव
मंगलूर (ता) में स्थित है (और इस से उपालूच अन्सूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मंगलूर (ता) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन ता. 30-11-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयक करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
ग्रामिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, विभिन्नतावित उद्देश्य से उक्त ग्रामिशत लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) ग्रामराज से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व से कमी
करने या उससे बचने में मुश्विता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य पार्सियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ
शनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्विता
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्सरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्री बी. के. तारानाथ बाबू पूजारी के पुत्र इडया गांव
मंगलूर (ता)

(अन्तरक)

2. (1) श्री के. एम. बाबा, के अहमद के पुत्र (2)
श्रीमती अलीमाम के एम. बाबा की पत्नी दोनों कानून-
रोसी, मंगलूर दाउन में रहने वाले।
(अन्तरिती)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रंथन के लिए
कार्यवाहिणी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के तर्बीष में जोड़ी भी आओग

(क) इस सूचना के रजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरकी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के ग्रजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—“इम्पं प्रयत्न शब्द” और पदां वा, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मंजू माधवन

(वस्तावेज सं. 862/81-82 ता. 30-11-1981)
संपत्ति है जिसमें बाग और इमारत भी सामील हैं जिसका
संख्या सं. है 171-3 तथा जो इडया गांव मंगलूर (ता) में स्थित
है।

मंजू माधवन
मंजू माधवन
सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, बंगलूर

तारीख : 22-6-1982
मोहर :

प्रबल थाई, टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 जून 1982

निवेश सं. न. सी. आर. 62/34451/81-82/एक्षी
वी.—यह: मर्फ़े, मंजू माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 3 है तथा जो कानेंट रोड, बंगलूर में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सौत में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता.

4-11-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्फ़े यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पापा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आव की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बौद्धि/था

(ल) ऐसी किसी जाय था किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हैं भास्तवीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभवण
में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जथातः—

1. श्री जाकोब चांडी 8-ए, "ओनरस कॉट" मांटीन
लेन मद्रास-8
(अन्तरक)

2. मर्सर्स, एम्डी इन्वेस्टमेंट और ड्रेफ्टिंग प्रैदेट टित.।
सं. 60, 9 वा मेन राजमहल विलस एक्स्टेंशन,
बंगलूर-80
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आलोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होसी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहप्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममतूची

(दसोंवें सं. 3071/81-82 ता. 4-11-81)

पर संपत्ति है जिसका सं. 3, कानेंट रोड बंगलूर (1.5/
34 शेर)

मंजू माधवन
मशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड, बंगलूर

तारीख : 21-6-1982
मोहुर :

प्रसूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जून 1982

निवेश सं. सी. आर. 62/32396/81-82/ एक्टी
एक्टी वी. यत: मुझे, मंजू माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्रिमैसिस मं. 45, है, तथा जो डिक्टिन्सन
रोड बंगलूर-42 में स्थित है (और इससे उपावह्नि अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कागदतय,
शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, ता. 5-11-1981

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
ग्रीर प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एं अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
पश्चिम में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी व्यवय या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगभाव अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए का, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मैसर्स सूरेया बूद्धरस (प्रै) लिमिटेड जिसका रजि-
स्टरड आफीस है सं. 36, टामरीन्ड लेन फॉर्ड
बंबई-23
इसका प्रतिनिधि है डाइरेक्टर श्री दिलप डी.
उद्देशी।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती रीटा वी मस्वन्ट (2) श्री विजय वी
मस्वन्ट सं. 1, राक सैड, 112, वालकेवर रोड
बंबई-400006

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्मान्दी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी भाय व्यक्ति द्वारा प्रवोहनाकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ हीना, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 23926/81-82 ता. 5-1-1981)
घर संपत्ति है जिसका प्रिमैसिस सं. 45, तथा जो डिक्टिन्सन
में स्थित है।

मंजू माधवन
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, बंगलूर

तारीख : 22-6-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 22 जून 1982

निदेश सं. ई.आर.-62/32779/81-82/एक्टी बी—
यतः मुझे, मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 4/1 है तथा जो नार्त, कूक टाउन,
बंगलूर में स्थित है (जोर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-11-1981

को पर्वतीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री एस. ई. पाल (2) श्रीमती लिली पाल,
सं. 15, । फ्लोर, स्टेट बैंक आकारिसर्स हॉउसिंग
कालोनी, सरजापुर रोड, कोरमन्गल, बंगलूर-34।
(अन्तरक)

2. श्रीमती सरोजमा, 37/1 अरलेस काम्प ब्लैड रोड,
काकस टाउन, बंगलूर-5।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 2658/81-82 तारीख 28-11-1981)
वर संपत्ति है जिसका सं. 4/1 तथा जो नार्त रोड, कूक
टाउन, बंगलूर में स्थित है।

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, बंगलूर

तारीख : 22-6-1982
मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एम०

1. श्री जाकोब चौड़ी, 8-ए, "ओनरस कोट"

भौद्धीन तेन मध्य-४।

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) तो
धारा 269-व (1) के अधीन मूल्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 जून 1982

निवेश सं. ई. आर.-62/34452/81-82/एक्सी बी—
यतः मूर्ख, मंजू माधवन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. 3 है तथा जो कान्वेन्ट रोड, बंगलूर में स्थित
है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सौत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 4-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रमुख प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) प्रौष्ठ
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत्ता उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित से
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
जो किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रत्युत्तर
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा 1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

2. श्री के. प्रसाद वरदन, 201, रियमंड प्लॉम्स,
एस. ए०. फ्लाट्स, कान्वेन्ट रोड, बंगलूर-25।
(अन्तरिती)

को यह मूल्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
मूल्यना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भा-
वधिक बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वहाँ
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

मंजू माधवन

(दस्तावेज सं. 3072/81-82 तारीख 4-11-1981)

घर संपत्ति है जिसका सं. 3, कान्वेन्ट रोड, बंगलूर-25
(1-5/34वां डोर)।

मंजू माधवन
मक्तम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, बंगलूर

तारीख : 21-6-1982
मोहर :

प्रस्तुप थाई.टी.एन.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, महायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रँज, बंगलूर
 बंगलूर, दिनांक 22 जून 1982

निवैश म. है. आर.-62/33677/81-82/एवंवी बी—
 यत: मुझे, मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/-रु. में अधिक है

और जिसकी म. 37/1, 40 और 41 (काफी और बेट लेंड) है तथा जो इच्छीविल्वाडी एस्टेट, मडकेरी (ता.) कोडगल में स्थित है (और इसमें उपाधिदेव अन्मूली में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मडकेरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 तारीख 16-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवांशीकरण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और दायित्व में कमी करने या उससे अच्छने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ को उपराहा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री मी. ए. राधवा
 (2) श्रीमती वी. आर. मीमाली
 (3) श्री पी. आर. सुरेश
 (4) श्रीमती पी. आर. आषा और
 (5) श्रीमती पी. आर. ज्योती
 ज्योती एस्टेट, इच्छीविल्वाडी एस्टेट बोयकेरी
 पोस्ट, मडकेरी (ता) कोडगल।
 (अन्तरक)

2. श्री के. एम. मनोहर कोनरिया मंदप्पा के पूत्र,
 कोट्टोली गांव, विराजपेट (ता) कोडगल (डी)।
 (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी बाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वर्धित या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापत सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्की

(दस्तावेज म. 875/81-82 तारीख 16-11-1981)
 संपत्ति है काफी और बेट लेंड तथा जो इच्छीविल्वाडी गांव, मडकेरी (ता) कोडगल में स्थित है।

तारीख : 22-6-1982
 मोहर :

मंजू मधवन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

* अर्जन रँज, बंगलूर

प्रस्तुप भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जूलाई 1982

निदेश सं. पी. आर. नं. 1721/एक्वी/23-11/82-
83—अहं: मझे, आर. आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 92 और 94/2 है तथा जो मनजलपुर,
बेरोडा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बेरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 17-11-1981

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
काल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे उच्चने में सुविधा
के लिए; और/या

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों का अधिकारी:—

9-196GI/82

1. श्री वागजी भाई दाला भाई बारीपा, मनजलपुर,
बेरोडा।

(अन्तरक)

2. (1) श्री सतीश भाई छोटा भाई पटेल, 1-महावीर-
वृपा सोसायिटी, सीदवाई माना रोड, बेरोडा।
(2) कीरति भाई छोटा भाई पटेल, 13-ए,
जनकपुरी सोसायिटी, मनजलपुर, बेरोडा।
(3) मठान भाई दक्ष को भाई पटेल, जुबिली भाग,
सत्रीपोल (4-7 वाडा), बेरोडा।
(4) वीनल भाई नाता भाई पटेल, 21, श्रीजी
भाग सोसायिटी, बेरोडा।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्वाई भी आधोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तांकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुल्ला जमीन जिसका एस. नं. 92 और 94/2, मनजलपुर,
बिक्रीखत नं. 6364—63-71 पर मम्पूर्ण दर्जित पर बेरोडा
मब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 17-11-1981 में दर्था-
विधि रजिस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 3-7-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जूलाई 1982

निवास सं. पी. आर. नं. 1720/एक्सी/23-11/82-
83—उत्त. मर्कें, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. गरेंडा 1178, 1179, प्लाट्स है तथा जो जी-1, 2, 3, बेरोडा इंडस्ट्रीयल एस्टेट प्रीमीसीस में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और एर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-11-1981

को प्रौद्योगिक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रौद्योगिक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती (अंतरिक्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी भाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के पश्चात वह दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए योग्य।

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाव कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग अन्तरिक्ती द्वाया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उत्त. अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बेरोडा इंडस्ट्रीयल एस्टेट प्रीमीसीस लिक्विडेट, इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गोदा, बेरोडा-390016। (अन्तरक)

2. वी डायरेक्टर, श्रेणी लिमिटेड, अनेमिक रोड, बेरोडा, बेरोडा-390003। (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके प्रौद्योगिक सम्पत्ति के अंतर्गत कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत है प्रौद्योगिक सम्पत्ति में कोई भी आंशिक विवरण नहीं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्पञ्चांशी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि द्वाया में समाप्त होती हो, के भीतर प्रौद्योगिक सम्पत्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भाव व्यक्ति द्वारा अब्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरता:-—इसमें प्रौद्योगिक सम्पत्ति का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमापित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खल्ला जमीन जो बेरोडा इंडस्ट्रीयल एस्टेट प्रीमीसीस लिक्विडेट नं. 6480 पर सम्पूर्ण वर्णन पर बेरोडा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय पर तारीख 24-11-1981 में यथाविधि रजिस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह
सम्राम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

तारीख : 3-7-1982
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ट्री. पर्सन एस—

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 2 जूलाई 1982

निवंश सं. पी.आर. नं. 1719/एक्वी/23-11/82-
83—अतः मर्फ, आर. आर. शाह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-
ब के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नोट नं. 1323, सय शेरी है तथा जो हरी-
पूरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपार्द्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अंतरक) और अंतर्रक्षी
(अंतरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
क्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से की थी नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हरै किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. द्रस्टीज़ आफ मणीलाल कल्याणदास :—
(1) मणीलाल कल्याणदास का विधवा वाई.
मणीलाल।
(2) कानतीलाल साकोदास सोणी।
रेजीडेंस :—(1) अधीकोश, उत्तर प्रदेश।
(2) हांडीवाण बेजार, दूर्घ।
(अन्तरक)

2. (1) बाबूभाई, उभे कान्तीलाल गुलाबदास पेरापू।
(2) धीरजलाल गुलाबदास पेरापू।
(3) रमेशचन्द्र गुलाबदास पेरापू।
(4) शशीकान्त गुलाबदास पेरापू।
(5) महेन्द्रा गुलाबदास पेरापू,
हरीपुरा, साय शेरी, सूरत।

(अन्तरिती)

कर्तव्य है सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कर्ह भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोट नं. 1323, साय शेरी, हरीपुरा, सूरत,
नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह
संक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

तारीख : 2-7-1982
मोहर :

प्रकरण धाई० दी० एन० एस०—
ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 2 जूलाई 1982

निवैशं सं. पी. आर. नं. 1718/एक्सी/23-11/82-
83—अतः मुझे, आर. आर. आर. शाह,

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं. टी. पी. एस. 5, अथवा, एफ. पी. है
तथा जो नं. 288 (पी.) गोदाव रोड, सूरत में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में राजस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर,
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
जिसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ है प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाये प्राप्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना आहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री अरविन्द कुमार चिमत लाल लखर, लखर
स्ट्रीट, लीमडा ओक, सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री रामन भाई सीताराम भाई पटेल, गांव पासोद्वा,
ता. काम्रोरे, जिला सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायबाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी ग्राम व्यक्ति द्वारा, अधोहृस्ताकारी के एस
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्सूची

मिलकत जो टी. पी. एस. 5 अथवा गोदाव रोड, एफ.
पी. नं. 288-बी, (पी) प्लाट नं. 3, नवम्बर, 1981 में
राजस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनुसर
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपलाठा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

तारीख : 2-7-1982
संक्षरण :

प्रह्लद आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जलाई 1982

निवैशं सं. पी. आर. नं. 1717/एक्टी/23-11/82-
83—अतः मर्फ़े, आर. आर. शाह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाग मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. नोट नं. 358-ए चोकावाला शेरी है तथा जो
वाढ़ी फलीया, स्ट्रीट नं. 9, सूरत में स्थित है (और इससे
उपायवृथ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1981
का पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्फ़े यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घमान प्रतिफल का
पैन्दूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्री नम्रतलाल मण्डलाल पटेल, जयनतीलाल मण्डली-
लाल बरभीवाला, सानसाकुस, सवी एपार्टमेंट,
स्टाशन के सामने, बम्बई-54।

(अन्तरक)

2. (1) नवसुखलाल रत्नीलाल,
(2) श्री गुणवनतलाल रत्नीलाल,
(3) श्री रमेशचन्द्र रत्नीलाल,
(4) श्री जगदीशचन्द्र रत्नीलाल,
हरीपुरा, कानपुकीवाड़, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में विवरित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूँ इसी किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने दा उसमें बचने में मूलिका
के लिए; और/या

अनुसूची

मिलकत जो नोट नं. 358-ए, चोकावाला शेरी, वाढ़ी
फलीया, सूरत, नवम्बर 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शा
सक्षम अधिका
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षा)
अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 2-7-1982
मोहुड़ :

प्रधान अधिकारी, टॉ. एन. एस. -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-11, अहमदाबाद

बहुमदाबाद, विनांक 1 जूलाई 1982

निवेद्य सं. पी. आर. नं. 1716/एक्टी/23-11/82-
83—अतः मझे, आर. आर. शाह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयक करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
जो जिसकी सं. आर. एस. नं. 618, टीका नं. 17, है
तथा जो एस. नं. 2184, 2183, नवसारी में स्थित है
(और इससे उपायक्षम अन्यसूची में जो और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर,
1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्यापक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी विभी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—

1. (1) श्री गोपालदास ललूभाई अमलीवाला,
(2) श्री रामबेन गोपालदास अमलीवाला,
(3) श्री धनसुलाल गोपालदास अमलीवाला,
(4) श्री अनमलाल गोपालदास अमलीवाला,
(5) श्री उनमलाल गोपालदास अमलीवाला,
(6) श्री किंशोरलाल गोपालदास अमलीवाला,
नागनलालवडी, स्टेशन रोड, नवसारी।

(अन्तरक)

2. सासील एपार्टमेंट का-ओ-है-संसायिटी लिमिटेड,
प्रमोटर्स :—
(1) श्री कुमारपाल छोंगनलाल शाह,
(2) श्री मानीष संमहानव शाह, टॉर रोड,
नवसारी।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीर्वा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीज से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अन्य भाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीज से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदेश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अन्यसूची

मिलकत जो आर. एस. नं. 618/21 टीका नं. 17,
एस. नं. 2184, 2185, 2186, 2187 (पी) स्टेशन
रोड, नवसारी नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-11, अहमदाबाद

तारीख : 1-7-1982
मोहर :

प्रधान मंत्री, श्री. एम्. एम्.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायोक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 1 जूलाई 1982

निवेश सं. पी. आर. नं. 1715/एक्टी/23-11/82-83-अतः मुझे, आर. आर. आर. शाह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. एच. नं. 549, 548, 548/1, 548/
7, वार्ड नं. 8 है तथा जो कानगा वार्ड नवसारी में स्थित है
(और इससे उपाधिक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर,
1981
को पूर्वोंका संघर्षित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
कल्पने का कारण है कि यथापूर्वोंका लंपैति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्थह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था जिसने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के बन्सरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपर्याप्त (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिस्तः:—

1. (1) श्रीबती साक्षी देवी द्वारकाप्रसाद लोणी,
(2) श्री द्वारकाप्रसाद लक्ष्मीनारायण लोणी,
मरीयमपुरा, नवमारी।

(अन्तरक)

2. पीनकी एपार्टमेन्ट को. हा.-मोसायटी का प्रमूख श्री
लालजीभाई देवबीभाई पटेल, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंका सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंका
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
मध्ये किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित
पास लिखित वे किए जा सकेंगे।

लिखित रूप:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एच. नं. 549, 548, 548/1, 548/7,
वार्ड नं. 8, कानगाबाड़, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की
गयी है।

आर. आर. शाह
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

तारीख : 1-7-1982
मोहर :

प्र० र० आ०.टी.ए०.ए०.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1982

निवेश सं. पी. आर. नं. 1714/एक्वी/23-11/82-
83—अतः मझे, आर. आर. शाह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टीका नं. 51, सी. एस. नं. 2398, है
तथा जो आर. एस. नं. 643, नवसारी में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1981
को पूर्वान्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्वित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री गंगाबेन कानजीभाई पटेल,
(2) कानजीभाई भाणाभाई पटेल,
महाराणी शारदादेवी रोड, नवमार।
(अन्तरक)

2. श्रीमती सवीताबेन मंगारभाई पटेल, गणेश शीमांडा,
ता. नवसारी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्वित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्वित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
घुट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो टीका नं. 51, सी. एस. नं. 2398, आर.
एस. नं. 648, नवसारी, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की
गयी है।

आर. आर. शाह
मक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 30-6-1982
मोहर :

प्रमुख श्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1982

निर्देश नं. पि. आर. नं. 1713/एक्टी/23-11/82-83—अतः मुझे, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसी इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' भी गया है), को धारा 269-ग के अधीन अन्य विधियाँ को, इस विधायक करने का कारण है कि स्थावर संचालन, जिसमें उचित बाजार मूल्य 25,000/- लौ से अधिक है

और जिसकी संस्था वार्ड नं. 7, नोट नं. 4940, गुलब है। तथा जो गड्ढ यार्ड के पास, सुरक्षा (एम. नं. 5081) में स्थित है (और इसमें उपाकृत अनुसंधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरणी अधिकारी के कार्यालय, मुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1981 को पूर्वोक्त मण्डल के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तग पाया गया प्रतिफल निर्दितिक्रिया उक्त से उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दोनोंतर्याँ अन्तिमी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या जिस जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

10—196GT/82

1. श्री केसनजी भाई भनजी भाई टमकुशला। काजी-वाडी। महीधारपूर। मुरत।
(अन्तरक)

2. श्री श्वानी प्रमाद शायमलयन अग्रवाल 1603, राधीराजापाट्टमेन्ट। दिवाली भाग 1 सूत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णत यम्पति के प्रज्ञन के लिए नायवादियों शुरू करता है।

उक्त यम्पति ह प्रज्ञन के सम्बन्ध में नाई सी आक्षंप :—

(क) इस यूबना के राजपत्र में उल्लिखी तारीख से 45 दिन की प्रवृत्ति या त गम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नाम से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी प्रवृत्ति द्वारा में व्याप्त होती हो, के भीतर यूर्वोक्त अस्तियों में मेंकिमी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस मूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित अधीक्षिती के पास लिखित गे किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त रूप :—इसमें प्रमुख गव्हर्नर और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्राम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस नं. 5081, नवी रेलवे गड्ढ यार्ड, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1।, अहमदाबाद

तारीख : 30-6-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एग. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश नं. पि. आर. न. 1676/एक्वी/23-11/82-
82—अन्तः मुझे, पी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 1739, दि. पी. एम. 4, नवागाय,
है। तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपाख्यात अन्तर्भूती
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्ट्यान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए नया पाठा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में अक्त अन्तरण तात्त्वा २-वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दाएँ के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विक्षण
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिलियाँ
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विक्षण
के लिए;

अन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती पार्वतीबेन ईश्वरलाल कोपड़ीया।
(2) श्री ईश्वरलाल जमनादाम कोपड़ीया।
(3) श्री रामलाल ईश्वरलाल कोपड़ीया और दूसरे,
यहीदरपुर, वाणीया डोरी सूरत।
(अन्तरक)

2. (1) पाण्योत्तम मावजीभाई। महीदारपुर, निम्बू
डोरी। सूरत।
(2) श्रीमती शानताबेन वल्लभभाई महीदारपुर,
जाओरवाडी, सूरत।
(3) श्री वल्लभभाई लग्नलाल। महीदारपुर,
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृश्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा गकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तसूची

मिलकरा जो एम. नं. 1759 (पि) ब्लाक नं. 3, प्लाट नं.
6, ब्लाक नं. 4, नवागाय, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की
गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-6-1982

मोहर :

प्रस्तुत धाई० टी० एम० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जून 1982

निवेश नं. पि. आर. नं. 1677/एक्यी/23-11/82-
82—अतः मूर्ख, जी.सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन संक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिमकी नं. नं. 1059, आदर्श सोसायटी, है। तथा जो
अतवा नैनस, सूरत में स्थित है (और इसमें उपावदृथ अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन नदम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित ने वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्युत शब्दों और पदों का, जो उक्त
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कियों
करने पा उसमें बचने में मुविधा के लिए और/या

(ख) उक्त शब्दों प्राप्त या कियों वा पा अथवा आस्तिनियों
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1923
(1923 का 11) या उक्त अधिनियम,
पा घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनावृत्त अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या पा किया जाना चाहिए या, छिपाने में
मुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा की 269-ग के अनुमरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा. रामनलाल कालीशास देशाई पृष्ठावेन दोलतभाई
पटेल का कलमूकतयार। आदेश सोसायटी अथवा
लयिनस। सूरत।

(अन्तरक)

2. असीना पार्क एपार्टमेंट को ऑ-हैम्पेन सोसायटी।
प्रमूह श्री योगेश शान्तीलाल काढ़कटर। दारीया
माहाल। चौक बंजार। सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बाल्पी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताल्पी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बधाय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस बधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एम. नं. 1059, आदर्श सोसायटी, नदम्बर,
1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
मकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-6-1982
साहूर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

प्रधानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 9 जून 1982

निदेश न. पि. आर. न. 1670/एकवी/23-11/82-83—यह: भर्भे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाह करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी गं. आर. एस. न. 363-1, कठारगाय, है।
तथा जो यानीवाडी, मूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से रुम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्णता संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से; ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
(अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित घटेयों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण ने कुही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आमियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा ब्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, लिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती जशमाबेन अश्विनभाई भेत्ता। बी. नं.
32, साधन सोसेटी। दराधा रोड। सूरत।
(अन्तरक)
2. श्रीमती अमबालाल वडीमजी भाई० पटंल बी. न.
115, गुरुनगर सोसेटी। दराधा रोड। सूरत।
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भावोप :—

- (क) इस सूचना के उपरान्त में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी अविलम्बी पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के उपरान्त में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ब्रह्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्णों का, और उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

फिलकत जो आर. एस. न. 361-1, टी. पी. एस. 4,
एफ. पी. 40-ए, भानुनीवाडी, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री
की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-6-1982
माहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज-11, अहमदाबाद
अहमदाबाद, विनांक 9 जून 1982

निदेश न. पि. आर. न. 1679/एकवी/213-11/82-
83—अतः मझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
25,000/- रु. से अधिक है
जैर जिसकी सं. ज. 433, एच-1, टी. पी. एस.-3, है।
हथा जो एफ. पी. न. 303, कठारगाय में स्थित है (और
इससे उपादवृक्ष अनुसूची में और पूर्ण स्तर से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तकों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री काननीलाल छाट भाई पटेल और दूसरे।
गोद्धुलावाडी पटेल पुलीथा। सूरत।
(अन्तरक)

2. (1) श्री हीरालाल नल्लु भाई नोपरिदाला। सामथा
बंजारा (2) रामावतीदेवन काननीलाल भगत। राणी
तलाव पारमी डोरी। सूरत
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयित्वां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मान्यता:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-वे में परिभ्राष्ट हैं,
वही उर्ध्व होंगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्रिलकत जो एम. नं. 433, एच-1, टी. पी. एस. 3,
एफ. पी. 303, कठारगाय, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की
गयी है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज-11, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधित:—

तारीख : 9-6-1982

मोहन

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश नं. पि. आर. न. 1680/एक्टी/23-।।/82-
83—अतः मर्फ़े, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रस्तावत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी मं नं. 2131/2 गनदर है। तथा जो गनदर में स्थित है (और इसमें उपावदृथ अनगृच्छी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, सरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्फ़े यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चलु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार देने के अन्तरक के दायित्व में कमाँ करने या उससे वधने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आँसूतयों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों कर्त्ता :—

1. मानेजिंग डिप्रेक्टर चॉनावाला ममजीद दमद। श्री श्री डॉसयंगिल अहमद माकोह भाई। गनदर सुरत। (अन्तरक)
2. दी जानद कां-ओ-है-सांस्यटी लिमिटेड/2/1894, चवलाणी पोल। सग्रामपरा। सरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बित्त विकारी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्ठोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मिलकर जो गनदर-एस-न. 231/2 यथाविधि, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-।।, अहमदाबाद

तारीख : 9-6-1982
मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी एन् एस् —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जून 1982

निदेश न. पि. आर. न. 1681/एक्वी/213-11/82-83—अरु. मुख्य, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके उल्लेख 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह
विवास भरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मं. नांद न. 2159, नानी चौपाड़, है। तथा जो
गोपीपूर, मुख्य में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में दर्जित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
नय, मुख्य में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन नवम्बर 1981

को पूर्णीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
क्रिया के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विवास भरने का
कारण है कि यथापूर्णीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पर्याप्त
प्रतिक्रिया से पर्याप्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक है। से इधित नहीं किया गया है :—

(र) अन्तरण में हड़ि किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्न-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्त :—

1. थीमती हनेदान, दीजकर भाई रामचन्द्रा देशार्थ
का विधाया, (2) जयश्री वंश,
अशांक के मार दीनकर दंसाई का विधाया-खद और
अवधकता वंचे बीनाल उशोक कमार का मतकर्ता
गोपीपूर नानी छोपवाड मुख्य।

(अन्तरक)

2. चन्द्रलाल बीज वलानदास भगवानदास बाड़ी पुलिया।
चोकवाल शंखी दम्भ मुख्य।

(अन्तरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरंवधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रधिक बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के पास
लिखित भैं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मिलकल जो नांद न. 2159, बाड़ न. 8, गोपीपूर, नानी
चौपाड़, नवम्बर, 1982 में रजिस्ट्री, 1981 में रजिस्ट्री
की गयी है।

जी. सी. गर्ग
मकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-6-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० प्र०—

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 जून 1982

निदेश नं. पि. आर. नं. 1682/एक्वी/23-11/82-
83—अतः सभे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ वां अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है 'क स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-
रु. में अधिक है'

और जिनकी सं. न. 91 (भाग) है। तथा जो गांव सारगासन,
गांधी नगर जिला में स्थित है (और इसमें उपावृष्ठ अनुसूची में
और पूर्ण मूल्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्य-
लय, गांधी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) वां अधीन 4-11-1981

को पूर्णित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जैर/घ.

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिनयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
निए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार
में, से, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री काला भाई प्रभाद भाई। (2) पूरजा भाई प्रभाद
भाई। दोनों उनका ए.स. यू. एफ. का कला।
गांधी नगर जिला।

(अन्तरक)

2. (1) गोवीन्धसिंह ताकतसिंह परमार। (2) जतेन्द्रा
धीर भाई दयास। (3) भोगीलाल गणेशदास पटेल
सब गांधी नगर में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति भी हित-
बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जी गांव मरणासम, गांधीनगर जिला में एस. न. 91
(भाग) में स्थित है विक्रीखाता नं. 1988, पर सब रजिस्टर
गांधीनगर के कार्यालय में तारीख 4-11-1981 में रजिस्ट्री की
गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

तारीख : 14-6-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

प्रार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 जून 1982

निवेश सं. पि. आर. न. 1673/एकवी/213-11/82-
83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के
अधीन सूचना प्राप्तिहारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं. न. 273/273/3 (पी) प्लाट न. 6, है।
तथा जो नागनलालवाडी, नवसको में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यस्तिर्ति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है;—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकतयों, प्रयत्नः—

¹ 1—196GI/82

1. (1) श्री वीपक कमार रमेश बन्दा दोषी। (2) श्री दीपक कमार रमेश बन्दा दोषी। नुतनबन दीपक कमार दोषी,, सुधीर कमार रमेश बन्दा दोषी के कल्यानयार सुधीर कमार दोषी के फवारे के सामने। नवसारी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती हनसा गमजी भाई रजपूत। (2) श्री मरेश चन्द्र जसनादास राज कमल दिलहौंग। बाबीबांड। नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीहोना करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में भी भी पूर्वोक्त सम्पत्ति में जो किसी व्यक्ति द्वारा

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जोभी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त सम्पत्ति में जो किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षता करने के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूसूची

प्लाट न. मिलकत जो एस. 273/273/3 (पी) 6, नागनलालवाडी, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

तारीख : 14-6-1982

मोहर :

प्रस्तुत काहूँ. टॉ. एन. एम. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 जून 1982

निवेश नं. पी. आर. नं. 1684/एक्वी/23-।।/82-83
—अतः मूर्ख जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से क्षेत्रिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 285, टिका नं. 42 है तथा
जो सी. एस. नं. 1881 नवसारी में स्थित है (और इससे
उपाधिक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उम्मने दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से क्षेत्रिक है और बस्तरक (बंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे बस्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त बस्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है—

(क) बस्तरण से हूँ इसकी किसी भाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जी. सी. गर्ग

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी भ्रम या अन्य आरीस्तयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्र-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

(1) श्री दाली पेमठानजी डॉ-सासीया मोर्सी अग्नीनारी न्हौट
नारोना बाजार, नवसारी।

(2) श्री दिनेश नारायणभाई पटेल, जयश्री एपार्टमेंट
नवसारी।

(अन्तरक)

(2) स्थिधा एपार्टमेंट को-ओ-हूँ-सोसायटी का अध्यक्ष
श्री अतुल हसमल भाई शाह, तीन बैंगला, स्टेशन
रोड, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशारी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो आर. एस. नं. 285, टिका नं. 42, सी.
एस. नं. 1881, नवसारी में स्थित है और जो नवम्बर 1981
में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

तारीख : 14-6-1982
मोहर :

प्रकाश नाइट्रो-एन-एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

1. श्री भोहनलाल जीवामणी पटेल और दूसरे, काछीया-
वडी, नवसारी।

(अन्तरक)

2. दरपण को-ओ-हौ-सोसायटी, कावानबारी सेन्टर,
स्टेशन रोड, नवसारी।

(अन्तरिती)

तारीख उत्तराधि

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 14 जून 1982

निदेश नं. पी. आर. 1(85/एव्वी/23-11/82-83—
अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'आयकर अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह इसकास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पति, उत्पादक उत्पाद बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं. आर. एम. नं. 234, सी. एस. नं. 4384
है तथा जो नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16 के अधीन नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति को उत्पादन बाजार
मूल्य, उभये दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसुचि लिखित में आस्ति-
क रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जी. सी. गर्ग

(घ) दोसों दोसों बाय वा किसी भन्न वा अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
जा या वा किया जाना जाए वा कियागे या
सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी वृच्छिः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय शूल करता है—

उक्त सम्पति के दृष्टि के द्वारा भी जारी—

(क) इस सूचना के द्वारा भी प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनुसूचिती के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सामग्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मिलकत जो आर. एस. नं. 234, सी. एस. नं. 4384,
नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 14-6-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एम. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती अलाम पीरोजशा महता और दूसरे, आप-
रोल नवसारी।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री खालील अहमद हसन देसाई,
2. अबुबकर हसन देसाई, गंव जागदडि ता.
नवसारी।

(अन्तरीती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 जून 1982

निवेंश नं. पी. आर. नं. 1686/एक्ची/23-11/82-
83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पहचान उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टीका नं. 2/1, एस. नं. 8 (पी) और एस.
नं. 56 (पी) जमीन, चबूल है तथा जो नवसारी में स्थित है
(और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर,
1981

की पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उम्मे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीय
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

मिलकत जो टीका नं. 2/1, एस नं. 8 (पी) और एस. नं.
56 (पी), आरप्ल, नवसारी नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की
गयी है।

जी. सी. गर्ग

मकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसंरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

तारीख 14-6-1982
माहेर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 जून 1982

निदेश नं. पी. आर. 1685/एक्टी/23-11/82-83—
83—अल: मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 232, 225, सी. एस.
नं. 4383 है, तथा जो चारपल राड, नवसारी में स्थित है
(जोर इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री मोहनभाई जीवाभाई पटेल और दूसरे
काहठीयावाड़ी नवसारी।

(अन्तरक)

(2) दरपण को-ओ-है-सोसायिटी क्रान्तिकारी शोपिंग
सेंटर स्टेशनरोड, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड़ भी आधोपे :—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की बाबत, उक्त
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) द्वारा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थतः :—

मिलकत जो आर. एस. नं. 232, 225, सी. एस.
नं. 4384, जो छपारा गोड, नवसारी, नवम्बर, 1981 में
रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

मार्गीय : 14-6-1982
मोहर :

प्रह्लाद बाई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 जून 1982

निवेश नं. पि. आर. नं. 1688/एवी./23-11/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. सी. एस. ठीका नं. 18, एस. नं. 34,
न्यू ठीका नं. 86, नोंद नं. 4607 है, तथा जो नवसारी में
स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), उजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में
उजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्राकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
न्यून्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती नयना मन्माहा॒र्द, नानूभाई॑ देसाई॑ की विधवा
स्त्री और अवृत्त बेटे, बान्दू॑ मन्माहा॑ और हेयानी॑
मन्माहा॑ का रक्षकर्ता, नवसारी।
(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ताबेन नटवरलाल देसाई॑, श्रीमती
कल्पनाबेन हर्षभाई॑ देसाई॑, लंसीकूरी॑, नवसारी।
(अन्तरिती)

के यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में क्वोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सी. एस. ठीका नं. 18, एस. नं. 34, न्यू
ठीका नं. 86 और नोंद नं. एस. नं. 4607, नवसारी
नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 14-6-1982
मोहर :

प्रस्तुत बाई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जून 1982

निदेश नं. पि. आर. नं. 1689/एक्वी./23-11/82-83—अतः मूर्ख, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कार्यालय है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 707, वानकी बोरडी है, तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूर्ख यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरको) और अंतरिक्षीय (अंतरिक्षियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सहिता के लिये; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. (1) कोमीक जयशंखली पेमास्टर, (2) फीरोज़ा जयशंखली पेमास्टर, की पूत्री, 23 हायर ब्लू, हैमेस रोड, बम्बई-26।
(अन्तरक)2. (1) श्री विनेशचन्द्र चौमुखलाल चाल्यावाला, (2) श्री प्रकाश चौमुखलाल चाल्यावाला, (3) श्री परेश चौमुखलाल चाल्यावाला, 12/966-बी, लालगंड, लाद बाजार, सूरत।
(अन्तरिक्षीय)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकर जो नोंद नं. 707, वार्ड नं. 12, वानकी बोरडी, सूरत, दिसम्बर, 1981 में बम्बई रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग

मध्यम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

तारीख : 16-6-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई. डॉ. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जून 1982

निदेश नं. पि. आर. नं. 1690/एक्वी./23-11/82-83—अतः मूर्ख, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 449-455 है, तथा जो अंकलेश्वर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंकलेश्वर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिनियन से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और
प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से निधन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने मे
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. नवरंग हाउसींग सोसायटी, श्रीमती भगवतीबेन
दिनेशचन्द्र और दूसरे, अंकलेश्वर।
(अन्तरक)

2. होटल बड़लान्स, प्रतीया अपार्टमेंट, दसग मजला,
सीस रोड, अम्बोली, अंधेरी वेस्ट, बम्बई-58।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर उपस्थिति में हितशब्द
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

मृत्युचारी

मिलकत जो एस. नं. 449-455, अंकलेश्वर, नवम्बर,
1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

तारीख : 17-6-1982
सोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जून 1982

निवेश नं. पि. आर. नं. 1691/एक्सी./23-।।/82-
83—अतः मूझे, जी. सी. गर्म,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. नं. 453/2, 452/2 है, तथा जो
अंकलेश्वर में स्थित है (और इससे उपादवध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अंकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच एम्से अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में
भारतीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की घाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहुए था, छिपाने में
मन्त्रभा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की आय 269-ष की उपभाय (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

12—196GI/82

1. श्री रामेशचन्द्र दोरारजी पटेल, राजवीवला रोड,
ओ. एन. जी. कालोनी के सामने, अंकलेश्वर।
(अन्तरक)2. मनीष ओरगानीग इन्डोला लिमिटेड, 1-नेशनल
चैम्बर्स, पहली मंजिल, न्यू दीपाली थियेटर, आश्रम
रोड, अहमदाबाद।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टोकरणः—इसमें प्रथम संबद्ध और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अभ्यासकी

मिलकत जो एस. नं. 453/2, 452/2, अंकलेश्वर,
नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।जी. सी. गर्म
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रंज-।।, अहमदाबादतारीख : 17-6-1982
संहित :

प्रलेप शाहै. टी. एच. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जून 1982

निवेदन नं. पि. भार. नं. 1692/एक्टी. /23-11/82-
83—अतः मर्फ़े, जी. सी. गर्फ़,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवादास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 419-1-3 (पी) है, तथा जो अंकलेश्वर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंकलेश्वर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए बतायित की गई है और मर्फ़े यह विवादास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे उत्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर दिये के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय वा किसी भन वा अन्य आविष्कारों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रशोधनार्थ अस्तरित दृवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विजयलक्ष्मी जगदीशचन्द्रा ईनानी और
दूसरे, श्री जगमोहन जगदीशचन्द्रा अनंद का कल-
मस्तयार, श्री ए. एम. साहनी और दूसरे, अंक-
लेश्वर।

(अन्तरक)

2. श्रीराम हाउसींग सोसायटी का प्रमुख और सचिव
श्री तृष्णा जे. शाह, (2) श्री प्रकाश लोखड़वाला,
वेजीटेबल मार्केट के सामने, अंकलेश्वर।

(अन्तरिक्षी)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभू
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 419-1-3 (पी), अंकलेश्वर,
नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्फ़
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

तारीख : 17-6-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई टी.एन.एम.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा
269-क (1) के पश्चात सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 17 जून 1982

निदेश नं. पि. आर. नं. 1693/एक्वी./23-11/82-

83—उत्त: मूर्ख, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उत्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-क के प्रधीन उथान प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 201/2 (पी) है, तथा जो
गोड़कल में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अंकलेपक भूमि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमन
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उत्तरण निम्नित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वावत उत्तर अधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित में कमी
करने या उससे बचने में तुषिता के लिए। और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रधीननार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में तुषिता
के लिए;

अब; उत्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसरण
में, उत्त अधिनियम की धारा 269-क की उपभाव (1)
के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री परखोत्तम नाथाभाई पटेल, श्री अम्बाभाई नाथा-
भाई पटेल, गांव गाडरवोल, ता. अंकलेपक।
(अन्तरक)
2. दी रचना इन्टरप्राइसीस, जे. पी कालेज के सामने,
जूना एन. एन. वे. नं. 8, बूच।
(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाफेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की वधीन या तस्वीरनी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की वधीन, जो भी
वधीन बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उत्तर
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय के
दिया गया है।

मृत्यु

मिलकत जो आर. एस. नं. 201/1 (पी), गाडरवोल,
नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
संभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

तारीख : 17-6-1982
माहूर :

प्रकृष्ण बाई^१.टी.एन.एल.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जून 1982

निदेश नं. पि. आर. नं. 1694/एक्वी./23-11/82-

83—अतः मूर्ख, जी. सी. गर्ग,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 71 (पी) है, तथा जो अंकलेश्वर में
स्थित है (और इससे उपाबृथ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंकलेश्वर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्याकृति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरक्त) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृष्णकानन्द मण्डलाल, श्री हरेन्द्र मण्डलाल
देसाई, श्री जयनदकुमार मण्डलाल देसाई, गोया
बाजार, अंकलेश्वर।

(अन्तरक)

2. श्री कीरतीकुमार स्वरूपचंद्र शाह, अंकलेश्वर, श्री
जयंतीलाल राईचन्द्र सागाड़ीया। बोद्ध।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितज्वर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सिलकत जो एस. नं. 71 (पी) जमीन, अंकलेश्वर,
नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

तारीख : 17-6-1982

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—————

भाष्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 जून 1982

निदेश नं. पि. आर. नं. 1695/एक्वी./23-11/82-
83—अतः मझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 155 है, तथा जो मौजे छानी, बरोड़ा,
तालुका में स्थित है (और इससे उपायदध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय बरोड़ा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 6-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्ताविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तायों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सूशीलाबेन जसभाई अमीन, चानी, बरोड़ा।
(अन्तरक)

2. (1) श्री अम्बालाल वीकमभाई पटेल, (2) श्री
ताकोरभाई सी. पटेल, दोनों चानी में रहते हैं,
बरोड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उचित के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममृता

अमीन जो मौजे चानी, बरोड़ा ता. एस. नं. 155 पर स्थित
है और जो बिकोखत नं. 5961 पर संपूर्ण वर्णित पर सब-
रजिस्ट्रार, बरोड़ा के कार्यालय में तारीख 6-11-1981 में
रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-11, अहमदाबाद

तारीख : 19-6-1982
माहूर :

प्रकृष्ट प्राप्ति ६० दी० एन० ५८० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निदेश नं. पि. आर. नं. 1696/एक्वी./23-11/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पारात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), दो धारा 269-घ
के अधीन प्रधान प्राधिकारी और यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
हूँ से अधिक है।

और जिसकी सं. नं. 107-बी है, तथा जो वेजलपुर में स्थित
है (और इससे उपाधिक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, द्वेरेला में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त राम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दूर्घमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य; उसके दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घमान प्रतिफल का
दन्तह प्रतिक्रिया से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों)
और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(१) अन्तरण से दूर्घे किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(२) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्तु आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दो
घमकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, जिपाने
में सुविधा के लिए।

1. श्री महेशनंद्रा कृष्णलाल भेवेरी, जैसे पुलिया, लोध।
(अन्तरक)

2. गोकुलनगर को-ओ-है-सोसायटी, लूंच, (वेजल-
पुर)।
(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसमध्ये व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि गति में समाप्त होती हो, के भोवर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वारा
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मिलकर जो एस. नं. 107-बी, वेजलपुर, नवम्बर,
1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्दुस्तरण
में, और उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 22-6-1982
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 22 जून 1982

निवेश नं. पि. आर. नं. 1698/एक्वी/23-11/82-
83—अतः म.भै, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 18 और 19 (पी) जमीन है। तथा जो
सावेशवर में स्थित है (और इससे उपावध अनुसंधी में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
ब्रोच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

1. श्री राजेश वीनल भाई पटेल सावेशवर, ब्रोच।
(अन्तरक)
2. मैसर्स महावीर एसटेट। 'उषा दर्शन' द्वारा
मंजिल आर. ए. कीवाई रोड। कींग सकॉल
बम्बे।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूँ कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

मृदृशी

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

मिलकत जो एस. न. 18 और 19 (पी) जमीन जो सावेशवर,
नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अतः उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

तारीख : 22-6-1982
माहूर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निदेश नं. पि. आर. न. 1699/एक्टी/23-11/82-
83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. नं. 156/1-बी, हूँगरी है। तथा जो में
स्थित है (और इससे उपाधिध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बूँद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1981
को पूर्वीकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक्षे) और अंतरिती
(अंतरिहियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
कृप से कीधित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
विविध में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुसा आदम असमल लेली हूँगरी। बोध।
(अंतरक)
2. जाल रघीद ग्रिडिंस। के द्वारा महमद मुसा इब्राहिम
पटेल। मंती हूँसी। बोध।
(अंतरिती)

क्योंकि यह सूचना आरी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन को लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत अं. एस. न. 156/1-बी हूँगरी, ब्रोच, नवम्बर,
1981। में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
मक्कम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 22-6-1982
मोहर :

प्रस्तुप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निवेश नं. पि. आर. न. 1699/एक्वी/23-।।/82-
83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. न. 91/3, भोलाव है। तथा जो में स्थित
है (और उससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बोर्ड में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे उत्तरण के लिए तथा याया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में अंकित नहीं किया गया है ..

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिह्वे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
संविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13-196GI/82

1. श्री वसन्तलाल प्राणशनकर रावल। श्री मुकुनद
कुमार रसीकलाल रावल। श्री रसीकलाल प्राणशनकर
रावल अशवीन कुमार, फलपाड़ा। सूरत।
(अन्तरक)
2. अध्यक्ष मधुबेन रामजी भाई मकवाण। जवहरनगर
लिमीटेड। बोंचकुम्बरिया।
(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए
कार्यदारीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिक बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मृग्नी

मिलकत जो एस. नं. 91/3, भोलाव, नवम्बर, 1981 में
रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-।।, अहमदाबाद

तारीख : 22-6-1982
मोहर :

प्रस्तुत बाईं. टी. एन्. एस.-----

स्थावर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निवेद नं. पि. आर. नं. 1700/एक्टी/23-11/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 22, भोलाव है। तथा जो में स्थित है (और इससे उपावृक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, बोच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1981 को प्रोवेन्च सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेन्च संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री ईश्वर भार्द जेसनग भार्द पटेल। जमुनादेन कर-सेन भार्द पटेल। साधेशवर। बोच। (अन्तरक)

2. अवतुदनशर को-ओ-हौ-सोसेयटी लिमिटेड। प्रमो-वर हेमनत कुमार प्रावोदेचन्द्र भुकला। लालभार्द नीपात। केसुरमाना चकला। बोच। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमबृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मिककत जां एस. नं. 22, भोलाव, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 22-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निवेश नं. पि. आर. न. 1701/एक्टी/23-।।/82-
83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. न. 144 जमीन, पालेण है। तथा जो में
स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्जित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बांध में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी वाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
लौट/था

(ल) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपचार (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

1. अयनन पलस मिलस का भागीदारों श्री जशनसीलाल
उमरसी के लिया। श्री बभाय बालजी हनसोरा। श्री
मणीलाल उमरसी के लिया। श्री रमणीकलाल
उमरसी के लिया। जीलाना ता. जिलाना। जिला
और गांवाद।

(अन्तरक)

2. (1) राधीयावाई अवदूलसतार मेमण, जयभाई हास-
पील के पिछे, बरोडा। (2) श्री अबदूल मजीद
हाजी हसन मेमण पालेण।
(3) जरीनावाई अवदूलमजीद सतार, जयनाभाई
हासपील के पीछे, बरोडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो ब्लाक न. 144, पालेण, नवम्बर, 1981 में
रजिस्ट्री की गयी है।

पी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-।।, अहमदाबाद

तारीख : 22-6-1982

मोहर :

प्रस्तुत बाइं. टी. एन. एस. —————

1. श्री जीतेन्द्र प्रसाद हरी प्रसाद देशाई। सीनदवाड़ राष्ट्र। ब्रॉच।

(अन्तरक)

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निवेश नं. पि. आर. न. 1702/एक्वी/23-11/82-
83—अस: मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. न. 42-ए/1/ए/1 (पी) का साक है। तथा
जो ब्रॉच में स्थित है (और इससे उपाबृध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्रॉच
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रति-
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्म्यन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जी. सी. गर्ग/या

अनुसूची

मिलकत जो एस. न. 42-ए/1/ए/1 (पी) का साक,
नवम्बर 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-11, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

तारीख : 22-6-1982
माहूर :.

प्रस्तुप आइ०.टी.एन.एस.-----

1. श्री अहमदसान लीमडाखान पातान और दूसरे।
पालेण, ता. बूच।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निवेश नं. पि. आर. न. 1703/एक्वी/23-11/82-
83—अतः मूँझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. न. 145, पालेण है। तथा जो बूच में
स्थित है (और इससे उपाधेध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बरिणी है); रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय बूच में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के भी ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हैर्स किसी आय की नावट, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक बों कभी करने या उससे बदनं में सूचिधा
के लिए; और/या

अन्तरक

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा
के लिए;

मकान जो ब्लाक न. 145, पैकी, यथाविधि नवम्बर 1981
में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारीयों अधिकृत:—

तारीख: 22-6-1982
मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री फारदुण आरदेशर वापीवाला और दूसरे।
सानदा चौक, वापी।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 जून 1982

निवेश स. पि. आर. न. 1704/एक्वी/23-11/82-
83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी स. न. 335, 334 (पी) है। तथा जो वापी में
स्थित है (और इससे उपावृष्ट अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर, 1981
को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरीती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ दिली आय की आबत उक्त
आयनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाग्र प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. जलूराय सोसयटी भागीदारों श्री छोटू भाई लल्लू
भाई पटेल और दूसरे। वापी ता. पारडी।
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. न. 335, 334 (पी) वापी, नवम्बर,
1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

तारीख : 21-6-1982
मोहर :

प्र० प्र० आइ० टी० एन० एस०-----

1. श्री वासानती भगवाती देशाई० छोरी, ता० पारडी०
(अन्तरक)आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना2. श्री कुषाल भाई० मंगजी भाई० गला और दूसरे।
अनुल सोसायटी० वासी।
(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 जून 1982

निदेश न. पि. आर. न. 1705/एक्ची/23-11/82-
83—अतः भूमि, जी. सी. गर्म,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक हैऔर जिसकी सं. न. 151, छोरी, ता० पारडी है। तथा जो
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर वने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में संविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवाया प्रकट नहीं किया
गया था या किया आना चाहिए था लिपाने में संविधा
के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में स्माप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्षताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. न. 151, छोरी, नवम्बर, 1981 में
रजिस्ट्री की गयी है।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—जी. सी. गर्म
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

तारीख: 21-6-1982

मोहर:

प्रस्तुप बाई, टी. एम. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

1. श्री माणेकचन्द्र भाइंचन्द्र शाह और दुसरे । बोजार,
बापी।

(अन्तरक)

2. श्री यसुफ भाई गुलाम मुस्ताका लाकादावाला।
फरीदेस भानसील । बोजार । बापी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 21 जून 1982

निवेदन न. पि. आर. न. 1706/एक्ची/23-11/82-
83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है।

और जिसकी सं. न. 571+572, बापी है। तथा जो में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय, पारडी में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसकी किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के वास्तवक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 49
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय से दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. न. 571+572 बापी नवम्बर, 1981
में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11. अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 21-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री अमृतलालभाई देशाई। सरीनभाई लल्लुभाई देशाई का कल्पमुत्तयार। बापी। ता. पारडी। (अन्तरक)
2. श्री वीणया बिनडेस वापी। ता. पारडी। (अन्तरिरती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 21 जून 1982

निक्षेप न. पि. आर. न. 1707/एक्वी/23-11/82-82—अतः मझे, पी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ष के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है
और जिसकी स. नं. 1072-ए-1 (पी) है। तथा जो धारी में
स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर,
1981
के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्लॉर्ड भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावर में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पस्तीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण में है किसी भाय की आवत उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में
संविधा के लिए;

अनुसूची

मिलकत जो एस. न. 1072-ए-1 (पी) धारी, नवम्बर,
1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग

संक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

तारीख : 22-6-1982

मोहर :

प्रकृष्ट आई ही एवं एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, साहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निदेश न. पि. आर. न. 1708/एक्टी/23-11/82-
83—अतः मूर्ख, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म. न. 301-ए, 304-सी, 305-सी, है।
तथा जो 301-डी (पी) सारीबूजरंग में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, गानदेवी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिक्ष की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थवर सम्पत्ति का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक्ष (अंतरेक्षी) और अंतरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आमंत्रित रूप से कथित नहीं दिया गया है :—

1 (1) अम्बेन अमपकलाल शाह। (2) अमपकलाल
होरालाल शाह और अवयकत बंचा भरतकुमार,
सारीबूजरंग।

(अन्तरक)

2. यांगीनगार को-ओ-हाँ-सासयटी सारीबूजरंग। ता.
गानदेवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के हम्बन्ध में कोई भी आधोपेः---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित रूप से लिया गया हो।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन वर इन्हें के अन्तर्ब, के
दायित्व में कभी करते या उसमें वचन में संविधा
के लिए; और/या

अन्तर्ब

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था तथा उक्त अन्तरिक्षी द्वारा छिपाने से गुहिता
के लिए;

मिलकत जो एस. न. 301-ए, 305-सी, 305-बी,
301-डी, सारीबूजरंग, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी
है।

जी. सी. गर्ग
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, नक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थतः—

तारीख : 22-6-1982
मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 22 जून 1982

निवेश न. पि. आर. न. 1709/एक्सी/23-11/82-83—अतः मूझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सिटी सर्वे न. 559, प्लाट न. 422 है
तथा जो वल्लभवीध्यानगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, आनंद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 30-11-81
को एक्सीक्स अधिनियम के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ ह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों)
(अन्तरीरीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
स्थ से कठिन नहीं किया जाया है :—

1. श्री मणीभाई दयभाई बिन मधुरभाई पटेल।
गोपालपुर पोगवान। वावोद। आनंद तालुक।
(अन्तरक)
2. श्री नरेन्द्रकुमार जशभाई पटेल कलमुक्तयार,
पटेल जशभाई शीवाभाई। वल्लभविध्यानगर आनंद
तालुक।
(अन्तरीक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा दारांतङ्गाधारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अधोलाय 20-क में परिभ्रषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गय है।

मनुसूची

मकान जो वल्लभविध्यानगर, जिसका सि. एस. न. 559,
प्लाट न. 422, बिक्रीसत न. 3167 पर सपूर्ण धनीर्ण में
आनंद सब रजिस्टर के कार्यालय में तारीख 30-11-81 में
रजिस्ट्री की गयी है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरीरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अतः उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षाः—

तारीख : 22-6-1982
मोहर :

प्रकृत्य बाहुँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निवेश न. पि. आर. न. 1710/एक्वी/23-11/82-83—अतः मृझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. में अधिक है

और जिसकी सं. सिटी सर्वे न. 402, प्लाट न. 897 है।
तथा जो वलथेविधयानगर में स्थित है (और इसमें उपायदध अन्त-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, आनंद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 14-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृङ्क किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री भगवती प्रसाद राधाकृष्ण जोयो बल्ल भविधयानगर।
आनंद तालुका।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बीमलाबेन चौभनभाई पटेल वलभविधयानगर
आनंद तालुका।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पादित के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकाद्ध
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो वलयविधयानगर, सी. एस. न.
402, प्लाट न. 897 बिक्रीखत न. 2964 पर संपूर्ण जमीन
पर आनंद सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 4-11-1981
में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अतः अध., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४—

तारीख : 22-6-1982
मोहर :

रुप प्राइंट टी० पन० एस०

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निर्देश न. पि. आर. न. 1711/एक्वी/23-11/82-83—अतः मर्फ़े, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सदम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिका उक्त बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. टी. पी. एस. 2, फार्डनल प्लाट है। तथा जो
न. 492/1, आनंद, मेरिथ है (और इसमें उपायुक्त अन-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नानक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 18-11-1981को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पादन का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (प्रस्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कार्यित
नहीं किया गया है:-1. पटेल भाईलाल भाई दादाभाई और दसरे। मोदा
आदत, आनन्द।

(अन्तरक)

2. दी गुरु और ओयील मचेंट्स यूनियन के इवारा भागी-
वार अन्द्रकान्त बीठनल गांधी, सरदारगंज।
आनन्द।

(अन्तरिती)

को पूर्ण सूचना जारी रखने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहसक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(ए) अन्तरण से हट्टे किसी बाय की भवत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में
कभी करने या उक्से बचने में सुविधा के लिए;
बोर्ड/याखला जमीन जो टी. पी. एस. 2, एफ. पी. न. 492/1
बिक्रीखत न. 3088, आनंद ब रजिस्ट्रार के कार्यालय में
तारीख 18-11-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।(घ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरकी इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;जी. सी. गर्ग
मध्यम प्राधिकारी
महाप्रब आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबादअतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में भी, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए की उपधाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—तारीख : 22-6-1982
मोहर :

प्रस्तुति बाई.टी एन.एस.-----

कार्यक्रम अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-वा (1) के अधीन सूचना

1. श्री सनणदभाई इनका प्रसाद भाव और दसरे।
वादव, दसकरें ता. अहमदाबाद जिला।
(अन्तरक)

2. श्री जीगनंश जमीन असांसीयष्टन के द्वारा भागीदार
भणेकलात नानछनदास पटेल। कलोल।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जून 1982

निवास नं. पि. आर. न. 1712/एक्वी/23-11/82-83—अतः मफ्फे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में आयक है
और जिसकी सं. न. 252, हिस्सा न. 3 (भाग) है। तथा जो
सी.एस. न. 4793, कलाक सीमा में स्थित है (और इसके
उपादान अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, कलोल (एन. जी.) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-11-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्सरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिनिहत में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

कर्त यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) नन्दगां, नं. ११३, जमीन दाय की भागत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

खुला जमीन जो कलोल सीमा में स्थित है विक्रीखत न.
1183 पर संपूर्ण वर्णीत पर सब रजिस्ट्रार, कलोल (एन. जी.)
के कार्यालय में तारीख 21-11-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

लागीत : 24-6-1982
माहर :

उम्मीद शाहू दी.एन.एस.-----

1. जयपलाराम झोलहर्ष वर्क्स भागीदार-रमनलाल चौधेरी-
बाल साह गुजरात भाग में फैक्ट्री अड्डे, देशबंद
गड, अहमदाबाद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

2. इस्तारफेम भागीदार-मयभाई बीमलभाई मरेंटी 25,
शारदानगर, पालड़ी अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त मंपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त मंपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यवित इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबुध
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

निवेदन नं. पी. आर. नं. 1967 अर्जन रेज-23-1/82-
83—अतः भूमि, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं. सर्वे नं. 187-2-7-6-1-एफ, एफ 20-21-
22 है। तथा जो टी. पी. एफ. 3, आश्रम गेंड अहमदाबाद में
स्थित है (और इससे उपावृध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
18-11-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान
प्रतिफल के अन्तरित की गई है और भूमि यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे दूसरमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, विस्तारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अन्तरिती अन्तरण, विस्तारिती
वायिक्ष में कभी करने या उसमें बर्बने में सुविधा
के लिए, वर्ग/या

अनुसूची

द्वारा जिसका क्षेत्रफल 210 वर्ग फीट है जो नेशनल ऑफर,
आश्रमरोड, अहमदाबाद में स्थित है तथा मध्य रजिस्ट्रार अहमदा-
बाद विक्रीकृत नं. 13048/18-11-1981 है।

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीण
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में
सुविधा के लिए;

जी. सी. गर्ग

गक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्राम पंचायत अमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, विस्तारित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

तारीख : 7-6-1982

मोहर :

प्रध्यं बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निवेश नं. पी. आर. नं. 1968 पी. आर. नं. अर्जन रॉज़-23-1/82-83— अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।
और जिसकी सं. सर्वे नं. 5148/5 है। तथा जो गणसङ्ग
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 19-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किंगी आय की वाकत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ब) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. नडेमीदा अब्दुलफादीर फादरी संस्कार केन्द्र मार्ग
कागदीयाव योन्चरव, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री मुसाभाई गोहमद यालेरी और अन्य दरबाजा
अहमदाबाद

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापरेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धि व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 100.88.78 वर्गमीटर है,
जो गणसङ्ग, भाटीया योलफे सामने अहमदाबाद में स्थित है तथा
सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद विक्रीवित नं. 13483/19-11-81
है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी;
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अर्जन रेज-1, दिनांक 8 जून 1982

निदेश नं. पी. आ. नं. 1969अर्जन रेज-23-1, /82-83—अतः मूझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 931 पैकड़ी सब प्लॉट न. 9, टी.
पी.एस.3, है। तथा जो यालडी, अहमदाबाद में स्थित है और
इससे उपावदाध उन्मुक्ती में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1981
को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिफल से, एसे दूसरामान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) वा बीच एम्बें अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में मंदिरिया के लिये;
और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ उन्नरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15-196 GI/82

1. श्री अंबालाल नारनदास मोदी चंद्रोदय सोसायटी
स्टेंडीयमके नियमित, नवरंगपुर, अहमदाबाद
(अन्तरक)

2. मोनालीसा कार्पोरेशन प्रोमोटर श्री मुकेश कामार
लालभाई पटेल और अन्य वस्ता वेलजीकी पांल झत्ती-
मकी रुडकी, शारपुर, अहमदाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका खेत्रफल 331 वर्ग यार्ड है जा अंतिसम्बन्धी
अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्टर अहमदाबाद विक्रीखात
नं. 1065/नवम्बर 1981 है।

जी. सी. गर्ग
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयवस (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 8-6-1982

माहूड़ :

प्र० रूप श्रीह० टी० एन० एस०---
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 7 जून 1982

निदेश न. पी. आर. नं. 1970 अर्जन रॉज़-23-1/82-83—अतः मूँफे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व्र के प्रधीन सभेप्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
वाजार मूल्य 25,000/-रुपये से प्रधिक है
और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 101, सब प्लोट नं. 1-3,
है। तथा जो एलिसबूज, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे
उपावश्यक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 30-11-1981
को प्र॑र्वाना सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (पत्तारकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रन्तरण के दिए तर यादा यादा प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्ता अन्तरा विभिन्न में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कर्मा करने या उसमें बचतें में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
की, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1923
(1932 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी जाना चाहिए था- छिपाने में
सुनिधि के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुहरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥--

1. श्री केशवलाल छगनलाल पटेल 5-बी, भगीरथ
सोसायटी, मेमनगर, अहमदाबाद
(अन्तरक)

2. श्री शान्तीलाल मुलकन्दभाई पटेल नायकनगर,
कालोनी के नजदीक नवरंगपुरा, अहमदाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्बंद के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजनीत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(घ) इस सूचना के राजनीत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोकस्ताभरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधाराय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रधाराय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 4997 वर्ग याड़ है। जो शेख-
पुर-कानपुर, एलिसबूज, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब
रजिस्ट्रार अहमदाबाद विक्रीखत नं. 13913/30-11-81 है।

जी. सी. गर्ग
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982
माहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस-

प्रधानमंत्री 1961 (1961 का 43) की आदेश
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमूल्य (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निवेदन नं. पी. आर. नं. 1971 अर्जन रोज़-23-1/82-
83—अतः मृ. जी. सी. गर्ग,

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थापत संघित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. संख्या नं. 192 है। तथा जो गांव-काली जीला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रति दृश्यमान कफ़ ऐ निए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से रक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (पन्तरकों) और अन्तरिती (पन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न व्यावरिक रूप से ऊंचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरा सहुई किसी आय का बाजत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अधीत :—

1. श्री मनीलाल मंगलदास पटेल भाव-मेनगर जिला अहमदाबाद
(अस्तरक)
2. पदम प्रभु काली फो. ओ. हा. सोसायटी लीमिटेड चेरमेन-नीरंजन भाई कानीभाई पटेल के/ओ-यार्धनाथ कोपोरेशन आश्रमयोड अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के बीच प्रारंभिक अविक्षयों में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यापक संपत्ति में हितबद्ध किसी धन अविक्षित द्वारा, यथोहस्ताक्षरी के पास निश्चित ऐ किए जा सकेंगे।

संहारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में निर्माणित है, वही अवैद्य द्वारा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्गत

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 4 एकर 01 ग्राव है। जो गांव काली जिला-अहमदाबाद में स्थित है 13439/18-11-81 है

जी. सी. गर्ग
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण
अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982
माहर :

प्रस्तुप थाई. टी. एन. एस. -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निदेश न. पी. आर. नं. 1972 अर्जन रेज-23-1/82-
83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संचित जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं. सर्वे नं. 761/2 761/1 761/6 है।
तथा जो गांव मकरेबा जिला-अहमदाबाद में स्थित है (और इससे
उपावश्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधिन 17-11-1981

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से की भित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बाइ/मा

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के, अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. रेवाबेन, फलापी की विधवा पत्नी (2)
मानाजी रामाजी (3) उरगीवेन, हाथीजी खेलाजी की
विधवा पत्नी गांव-मकरेबा, जिला-अहमदाबाद।
(अन्तरक)

2. (1) श्री लक्ष्मनभाई नंदलाल दलाल (2) श्री शान्ती-
कुमार एन दलाल मनाली अपार्टमेंट, अरीशफ नज-
दीक, अहमदाबाद
(3) श्री नीतीन शान्तीलाल चरीख लो कोलेजके नज-
दीक अंलिसब्रीज, अहमदाबाद
(अन्तरिक्ष)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 0 एकड़-17 गंडा है। 0 एकड़-
15 गंडा और 0 एकड़-30 गंडा हैं जो गांव मकरेबा जिला
अहमदाबाद में स्थित हैं तथा सब रजिस्ट्रर अहमदाबाद रजिस्ट्री-
कर्ता बिक्रीखत नं. 11275, 11281, 11259/17-11-81
हैं।

जी. सी. गर्ग
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982
मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंट. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निवेश नं. पी. आर. नं. 1973 अर्जन रेंज-23-1/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सर्वे नं. 489/1 है। तथा जो वाड्य
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 17-11-1981

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति में वास्तविक
व्यक्ति से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इक्सी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायत्त में
कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के लिये;
बीर/या

(ख) ऐसी किसी आय मा किसी भन मा अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए और/या

बदः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जलधरा को-आ संसायटी लिमिटेड सैक्टरी-श्री
रत्नेश्वर नानालाल व्यास नवा वाड्य अहमदाबाद ।
(अन्तरक)
2. (2) श्री नीतीनभाई यावल फेमीली ट्रस्ट कर्ता-नीतीन-
भाई एस. रावल 13 बी, आनंददास सोसायटी नवा
वाड्य, अहमदाबाद (2) मनोरमा ए. गजर फेमीली
ट्रस्ट की ओर से श्रीमती मनोरमा ए. गजर 1/ए न्यू
गोविंदपार्क संसायटी नवरंगपुर अहमदाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों जैसे, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 290 1/2 और 290 1/2 वर्ग
मीटर है जो वाड्य अहमदाबाद बिक्रीखत नं. 13485 और
13486/17-11-81 है।

जी. सी. गर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982
मोहर :

प्रधान भाई, टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निवेश नं. पी. आर. नं: 1974—अर्जन रंज-23-1/82-83—अतः म्फे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. सं. 275/1, छावंक नं. 367 है तथा
जो गांव-बोयल जिला-अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उप-
बद्ध अन्सची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 3-11-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:-

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वार्तात्व में कभी कहा या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत—

1. श्री रमभाई इश्वरभाई पटेल और वस्त्र गांव-बोयल,
जिला अहमदाबाद
(अन्तरक)
2. दवेसींग रामसींग उमीयाचिंजय सोसायटी के नजदीक
सटेलाइट रोड, अहमदाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के व्याय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही वर्थ होगा जो उस व्याय में दिया
गया है।

नमूना

जमीन जिसका क्षेत्रफल 6050 वर्गमीटर है जो गांव बोयल,
जिला-अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद
विक्रीखाते नं. 13007/3-11-81 है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982
मोहर :

प्रकृष्ट आई० ई० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निदेश न. पी. आर. नं. 1975 अर्जन रेंज-23-1/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्फ़,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सर्वे नं. 278 पैकी है। तथा जो गांव-रानीय,
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपायदूष अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 6-11-1981
को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया में ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी भाय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दनें के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी भाय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ उन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों विरुद्ध ॥—

1. श्री पन्नाजी गांडाजी (2) श्री जीवाजी उफ जीतेन्द्र
गांडाजी (3) श्री जंबालाल गांडाजी (4) बाई काशी
गांडाजी की विधवा पत्नी गांव रानीय, जिला
अहमदाबाद
(अन्तरक)

2. रानीय अक्षर पूर्वोक्तम को-ओ-ह-सोसायटी संकेटरी
श्री पटेल रामभाई मुहूर्नभाई महेश्वरी अयोद्धमेन्ट,
मुमाषब्दीज के नजदीक, आश्रम रोड, अहमदाबाद
(अंतरिती)

करे यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अवधार में कहें भी आवेदनः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहु जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तस्त्रौ

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 850-89+850-89+850-
89 वर्ग यार्ड है+850-89 वर्ग यार्ड है जो रानीय जिला
अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद विक्रीखात
नं. 13082 से 13085/6-11-81 है।

जी. मी. गर्फ़
मध्यम प्रांधकारी
भारतीय ग्रामकर आयुका (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982
माहर :

प्रस्तुप आद्दे, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

उत्तर संग्रहालय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निश्चेषा नं. पी. आर. नं. 1976 अर्जन रेज-23-1/82-83—अतः मूझे, जी. सी. गर्फ़ा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं. सर्वे नं. 321 पैकी हिस्सा नं. 7 है। तथा जो गांव-बांडकदेव, जिला-अहमदाबाद में स्थित है (आरे इससे उपादव्वश अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-11-1981

को प्रयोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल निवारण, और/या

उम्मीद जिसमें आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सुखीबेन जेठाभाई गांव-पस्त्रापूर जिला अहमदाबाद (अन्तरक)

2. श्री हसमुखभाई कस्तुरचंद शाह मोनाली स्थानकवासी जैन सोसायटी नवरंगपुरा रंग्ले झोसींग के नजदीक, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रयोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधारियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रयोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1071-72 वर्ग यार्ड है, जो गांव-बांडकदेव, जिला-अहमदाबाद में स्थित है तथा सदर रजिस्टर अहमदाबाद विकास नं. 7967/5-11-81 है।

जी. सी. गर्फ़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982
सांहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संसाधक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निवेश न. पी. आर. नं. 1977 अर्जन रेज-23-1/82-
83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. संवेद नं. 321 पैकी, हिस्सा नं. 3, 6, 5, 2
है। तथा जो गांव-बोडकदेव, जीला-अहमदाबाद में स्थित है
(और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीरी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
5-11-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया श्रेत्र-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ए) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमार्ग अन्तरीक्ष व्यापार प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री बलदेवभाई शंकाभाई^१
 - (2) ग्वारी शंकाभाई^२ वेरमीभाई^३
 - (3) अमरदेव शंकाभाई^४
 - (4) जतनदेव शंकाभाई^५ ग्वारी
 - (5) गकरभाई^६ शंकाभाई^७
 - (6) लारी भगपानभाई^८ शंकाभाई^९
- सभी दृश्यापर, जिना अहमदाबाद

(नाम्नरक)

2. (1) जासीत अखीबभाई शाह
- (2) अरवींदभाई^{१०} आर शह-नवदीय अयोर्ट्सेन्ट
टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नवरंगपुरा, अह-
मदाबाद।
- (3) मोनाली शहभाई^{११} शाह-शान्तीनगर सांभायटी
वाड्ज अहमदाबाद
- (4) मौलेष हसमुखभाई^{१२} शाह-मोनाली स्थानकवासी
जैन सोसायटी, नवरंगपुरा रेल्वे ओंसींग के
नजदीक, अहमदाबाद
- (5) उषबेन चंद्रलाल शाह-श्रीमती सोसायटी नव-
रंगपुरा, अहमदाबाद
- (6) दिव्याबेन विमलभाई^{१३} दलाल-जैन सोसायटी
अलिसबैज अहमदाबाद

(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितगद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिम्बका क्ल क्षेत्रफल 1071.72+1071.72
1071.72+1071.72+1071.72 वर्ग यार्ड है, जो बोडक
देव जिला-अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद
दिक्षिण नं. 7992, 7982, 7981, 7975, 7974 और
7981/5-11-1981 है।

जी. मी. गर्ग
नक्षम प्राधिकारी

गढ़ायक अयिकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982

साहूर :

प्रकृष्ट प्राई. टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निदेश न. पी.आर. नं. 1978 अर्जन रंज-23।/82-
83—अतः मझे, जी. सी. गर्ग,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदबात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ग
के अधीन सभी सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 722-वी, टी. पी. एस 3-5
एफ. पी. 722, हिस्सा नं. 1 है। तथा जो अरीमल एलिमीज,
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 23-11-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
मीर प्रतिरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतिरक्त क
वायिक्त में कमी करने या उससे बचाए में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी छन या घर्ष आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया आना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

बहु: अब, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती नीता अनीतचंद शर्मा ए-2
(2) श्रीमती धनी गहीत शारद, ए-1
(3) कान्दीलाल डी. बृंध, ए-4
(4) जवन्त बी. मनमीया, ए-4
(5) प्रवीनचंद्र ए. मांदी, ए-3
(6) नन्तमलाल के दलाल, ए-6
सभी अमीज्योंत प्राप्तमंत्र, परीमल, आंबापाडी
अहमदाबाद
(अन्तरक)
2. श्री चंपकलाल पुरपोत्तमदास महेता अमीज्योंत, यरी-
मल अनिसबीज, अहमदाबा-6
(अन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रत्यधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से रिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमढ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पांच
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के गठाय-20क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय-में दिया गया है।

अनुसूची

फलेट नं. ए-2, ए-1, ए-4, ए-3 और-ए-6 बंधा
हुआ एग्रीया 157-08 हर एकला, जो छड़ाड (अमीज्योंत
अपार्टमेंट) अहमदाबाद विक्रीखत नं. 13380, 13381,
13382, 13383, 13384, 13385/23-11-81 है

जी. सी. गर्ग
नाम स्थान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)-
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982

माहेत :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निवेश नं. पी. आर. नं. 1979/अर्जन रंज-23-1/82-
83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी म. संदर्भ नं. 38-2-3-ए-3-पैकी है। तथा जो अच्चीर जिला-अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्तर्मुक्ती में और पूर्ण रूप में व्यक्ति है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से दूर किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी श्रावण या किसी धन या प्रध्य आरितियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. जसुमतीबेन, सुरेशचंद्र अंबालाल की विधवा पत्नी और अन्य गोकुल नीवास, रामनगर, साबरमती, अहमदाबाद-5
(अन्तरक)

2. डा. बालकिशन नटवरलाल दानी वरीयावाड गांव-चौखनी जिला सूरत
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति न अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

मकान जिसका क्षेत्रफल 346½ वर्ग मीटर है जो चौपर माबरमती अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद बिक्रीखाते नं. 12823/18-11-81 है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 जून 1982

निदेश न. पी. आर. न. 1980 अर्जन रंज-23-1/82-
83—अतः मझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी स. सबै न. 1953 है। तथा जो पठान सीम,
जिला सुरनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पठान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन नवम्बर, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरेय से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री चंद्रकान्त बुटालाल शाह, गांव-कोडा, तालुका-
धारांधा, जिला-सुरनगर
(अन्तरक)
2. सुफन मशीन प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड डारेक्टर
जीतनेंद्र रमनीकलाल शाह, उद्योगनगर, सुरनगर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में आई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं। वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्ल क्षेत्रफल (34 ग्राम) 4114 वर्ग याड़ है
जो वढ़ान जिला सुरनगर में स्थित है, तथा सब रजिस्ट्रार
पठान विक्रीखत नं. 4494/नवम्बर, 1981 है।

जी. सी. गर्ग
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 10-6-1982
माहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलब्ध (1)
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलब्ध (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 जून 1982

निवंश नं. पी. आर. नं. 1981 अर्जन रंज-23-1/82-
83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 1931 है तथा जा पठवान
जिला सुरनगर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अन्मूली में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
पठवान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 27-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँगे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पासा राया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घवेश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री अफरमीभाई कोशवजीभाई उक्तकर बाजार में,
वीरगांग जिला-अहमदाबाद
(अन्तरक)
2. श्री नटवरपाक्ष कां-हा-सांसायटी लीमीटेड लक्ष्मनसिंह
भाला शारदा सांसायटी सूरनगर
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अन्मूली

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 4016-1-6 वर्ग याड़ है जो
पठवान में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार पठवान बिक्रीकर्ता नं.
4570/27-11-81 है।

जी. सी. गर्ग
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 10-6-1982

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

प्रस्तुप आश्रौ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

1. सबेरीदेन छगनलाल पुजारा 14, नगीन-महल, बोधी
मंजील, चर्चगेट, बोम्बे-20

(अन्तरक)

2. ज्यांत्सनावेन रमेशचंद्र कापडीया 22, आलम बी, राऊ
चर्च गेट, बोम्बे-20

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 जून 1982

निवेश नं. पी. आर. नं. 1982 अर्जन रंज-23-1/82-
83—अतः मृके, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. म्य. बोर्ड 2 एच नं. 241 है। तथा जो
धूर्गधा जीला-सुरनेन्नगर में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बढ़वान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मृके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदूद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के दास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पस्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 337 वर्ग गज है जो धूर्गधा
जिला सुरनेन्नगर में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार धूर्गधा विक्री-
सत नं. 1635/नवम्बर 1981 है।

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आसिधियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 10-6-1982
माहिर द.

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 जून 1982

निवेश नं. पी. आर. नं. 1983 अर्जन रोज़-23-1/82-
83—अतः म.भौ, जी. सी. गर्ग,

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43)
(विसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रविनियम' कहा जाया है), की
भारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थानीय पठवान् में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 5199 पैकी प्लोट नं. 14-15 पैकी
है। तथा जो जीन्टन गोड, सरनेन्द्रनगर में स्थित है (और इससे
उपायदध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय पठवान् में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 16-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित
म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रवि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

। श्री गोरीशंकर लीलाधर टक्कर धार्मधा, जिला-
सरनेन्द्रनगर

(अन्तरक)

2. श्री सर्यकान्त हीमतदाल शाह और अन्य टांकी चोक,
सरनेन्द्रनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि जाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिसित में किए जा सकेंगे।

स्वरूपीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अन्तर्दृष्टि

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 395 वर्गयार्ड और 4½ वर्ग फिट
है जो जीन्टन गोड, सरनेन्द्रनगर में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार
पठवान् विक्रीखत नं. 4467/16-11-81 है।

जी. सी. गर्ग
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-।, अहमदाबाद

तारीख : 10-6-1982
मोहर :

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप धाई० टी० एम० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निदेश न. पी. आर. नं. 1984 अर्जन रेज-23-1/82-
83—अतः भर्मे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदचाल उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-प के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी में स्कान है तथा जो केशोद, जिला-जूनागढ़ में
स्थित है (और इससे उपाबाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-11-
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के
दृश्यमान पत्रिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान पत्रिफल में, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में अंकित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किमी पाय की आवत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ब) ऐसी किमी आय या किमी घन रा अन्य ग्रामियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रविनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
ब्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. विजयगांगी हरीलाल (2) जसमती गीरधरलाल (3)
रंजनबेन छोटालाल (4) सीताबेन भनहरलाल की ओर
में कल मृत्युर होगचंद, राजकोट
(अन्तरक)

2. गांम्बामी त्रीकम विक्रमचार्य जी कममबाला वाहजी
त्रीकमचार्यजी कांटा (ग्राम्यान)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रतिविधि या उत्तरांचली व्यक्तियों पर मूचना की
तारीख ते 30 दिन की प्रतिविधि, जो भी प्रतिविधि बाब में
ममापन होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किमी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त म्याव/ममापन में द्वितीय किमी
व्यक्ति द्वारा, प्रधोतस्ताश्री के पाय लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टदीर्घण :—इसमें प्रत्युत्त गम्भीर तों सा, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ हांगा, जो उन अध्याय पर दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका कल क्षेत्रफल 417 वर्ग यार्ड है जो केसोद
जिला-जूनागढ़ में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार केशोद दिक्षिण
नं. 594/23-11-81 है।

जी. सी. गर्ग
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-।, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982

संहार :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा।

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निवेश न. पी. आर. नं. 1985 अर्जन रंज-23-1/82-83—अथः मूले, जी. सी. गर्ग,
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वायत्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 162/1 पैकी सर्वे नं. 1526/76
है तथा जो गांव खायत जिला-जुनागढ़ में स्थित है (और इससे
उपायवर्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जुनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 16-11-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का
फलतृ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तावण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
बीर/या

(ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय शायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने
में सुविधा के लिए;

अथः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
17-196GI/82

1. श्री अरसीभाई० जोधाभाई० गांव-खायत तालुका उना
जिला जुनागढ़
(अन्तरक)

2. श्री जगवंबा खांडसरी सुगर मील्स की ओर से भागीदार
गोविंदभाई० रामभाई० मोरी, गांव-खायत, तालुका-
उना, जिला-जुनागढ़
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी व्यक्ति द्वारा अधीकृतकारी के पास
लिखित में किए जा सकें।

एकटीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्टरी भकान जिसका कुल क्षेत्रफल 12140-60 वर्ग मीटर
है, जो जगदम्बा सुगर मील्स नाम से प्रचलित है खायत तालुका-
उना, जिला-जुनागढ़ तथा सब रजिस्ट्रार उना रजिस्ट्रीकर्ता दिक्षी-
सत नं. 1940/16-11-81 है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982

मोहर :

प्रलेप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयोग (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 28 जून 1982

निदेश नं. ए. एस. आर./82-83/94—यतः मुझे,
आनंद मिह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-व के
अधीन सक्षम अधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लाट जो रघुनाथपुरा अमृतसर है तथा जो
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता)
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) उत्तरण ते हुई टिक्की बाब वा बाबत, उत्तर
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वास्तविक
में कही, करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;
वा/एवा

(ख) एसी टिक्की बाब वा टिक्की एवं या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
= निम्न,

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधान (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थना:—

1. श्री काहन चंद्र पुन् जद किशन वं चंपावती विधवा जय
किशन दम्भर्द द्वारा आर. ए. योगा मुख्तार आग
द्वारा मुख्तार आम जोगिन्द्र मिह मदल वासी गंद
मदल तहसील व जिला अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्री अरुण खांना पुन् शिव कुमार खांना 58 लारम्ब
गोड अमृतसर

(अन्तरिती)

3. जैमा उजपर सं. 2 में कोई किरायेदार है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. आरे कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबहुप है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना
की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यूनतमीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही वर्त द्वारा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

एक भूमि का प्लाट जो रघुनाथपुरा संत एवन्यु अमृतसर में है
जैसा सेन डीड न. 14746/4-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

आनंद मिंह, आई.आर.एस.
संशम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 जून 1982

निदेश नं. ए.एस.आर./82-83/95—यतः मर्फ़े, आनंद सिंह, आई० एस० आर०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लाट जो रेस कोरस रोड अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबृक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रथ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या उक्तकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अठ: छब्बी; उक्त प्रधिनियम की भारा 249-प के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की भारा 399-प की उपबारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राकेश चंद्र मंहरा पूर्ण हरवंस लाल रमें कोरस रोड, अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्री जनक राज पूर्खी राज पूर्ण राम लभाया रेस कोरस रोड अमृतसर

(अन्तरिती)

*3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में मम्पत्ति है)

*4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबृक्ष है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबृक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रोर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली प्लाट नं. 18 डी 655 व. ग. जो रेस कोरस रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डील नं. 15987/30-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

आनंद सिंह, आई० आर० एस०
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, 3 अंद्रप्री, अमृतसर

तारीख : 22-6-1982

मोहर :

प्रह्लाद बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 जून 1982

निश्चेतन न. अर्जन रेज/82-83/96—यतः मुझे, आनंद
सिंह, आई आर. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. एक मकान है तथा जो गली नं. 2 भारत नगर
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
मन्त्र है प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विकृति के कारण नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये
बीर/वा।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जा चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती लीलावती उर्फ लीला देवी पत्नी किशन चंद
भारत नगर अमृतसर
(अन्तरक)
2. श्री जगजीत सिंह पूर्व जंगिंद्र सिंह सूरिंद्र कौर पत्नी
जगजीत सिंह गली नं. 2 भारत नगर अमृतसर
(अन्तरिती)
- *3. जैसा उक्तर सं. 2 में कोई किरायेदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- *4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्यः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान 255 व. ग. जो गली नं. 2 भारत नगर बटाला
रोड अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 14947/9-11-81
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है

आनंद सिंह, आई आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, 3 चंद्रपर्णी, अमृतसर

तारीख : 22-6-1982
माहूर :

प्रकृष्ट आर्द्ध.टी.एस.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 जून 1982

निवेश नं. अर्जन रँज/82-83/97—यतः मूर्ख, आनंद सिंह, आर्द्ध आर.एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसंगत इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है और जिसकी सं-एक जायदाद है तथा जो पठानकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूली में और पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवंबर 1981

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवेक्षित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक है में कोई धृत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्रीमती माया दंबी पत्नी गियान चंद और गियान चंद पूर्ण कर्म चंद महाजन वासी दांग रांड पठानकोट (अन्तरक)

2. श्रीमती उषा गोयल पत्नी आर. के. गोयल मकान नं. 261/144 दांग रांड पठानकोट (अन्तरिती)

*3. जैमा उपर मं. 2 में कोई किग्रामेवार है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

*4. आर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाचीर्या करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष

(क) इस मूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में सं किमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति के हितबद्ध किमी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो दांग रांड पठानकोट में है संल डीड नं. 2420/27-11-81 राजस्त्रीकर्ता अधिकारी पठानकोट में दर्ज है

आनंद सिंह, आर्द्ध.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, 3 अंद्रप्ररी, अमृतसर

तारीख : 20-6-1982
गोहर :

प्रकल्प नामः ई. ई. पट. यह.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 28 जून 1982

निदेश नं. अर्जन रोज/82-83/98—यह: मझे, आनंद
सिंह, आई. आर. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी मं. एक मकान है तथा जो सराय भवान वा स
पतलीधर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्हुन प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पांच गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरक लिखित में वास्त-
विक रूप से कार्यकृत नहीं किया जाया है:—

(क) अंतरण से हुए किसी बाद की बात उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाबित में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाद या किसी भन मा अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरित इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री ओंकार नाथ प्रति राम चंद 42 रामी का बाग
अमृतसर

(अन्तरिती)

2. श्रीमती प्रमला दंकी पल्ली कंवलजीत रघुवा मकान
नं. 2844/20 गली नं. 3 पूर्णीधर अमृतसर
अमृतसर

(अन्तरिती)

*3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरणेश्वर हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

*4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर
आनंद है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यकृत होनी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राबून में भवान की तारीख ते 40
दिन की अवधि या तासम्मती अविवरणों पर इसमा
की तारीख ते 30 दिन की अवधि, यो भी अवैध
बाह जो इवारा होती है, और भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राबून में भवान की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
मूल्य किसी बन्द अविक्त इवारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, ने अध्याद 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही वर्त होगा जो उस अध्याद में दिया
गया है।

ममृतसरी

एक मकान नं. 951/4-17 जो 79 व.ग. जो सामने सराय
भवान वा समीटरी राड अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं.
15794/25-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज
है

आनंद सिंह, आई. आर. एस.
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-3, चंद्रपर्शी अमृतसर

तारीख : 28-6-1982
माहेः :

प्रलेख नं. ३११.८१.६०८.६०८

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयप्रबंधन (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 जून 1982

निवेदन नं. ए. एस. आर./82-83/99—यतः मुझे,
आनंद मिंह, आइ.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उचित अधिनियम' कहा जाता है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक मिलान है तथा जो भगतावाला, अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्तर्गती में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्टी अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवंबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
(अन्तरीर्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यथा
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
शास्त्रिक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के
शास्त्रिक में कमी करने या उससे बढ़ने में सहित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आव-कार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहित
के लिए;

अतः इब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तति:—

1. श्री वर्मा सिंह पुत्र महल मिंह, कोठी नं. 78,
गोन्डुन परवनग, अमृतसर
(अन्तरक)
2. श्री लाल सिंह ढींगरा पुत्र सरूप मिंह बाग फंडा
मिंह, अमृतसर।
(अन्तरिती)
3. जैसा उपर सं. 2 में कोइर्द किरायेंदार हों
(वह व्यक्ति जिसके, अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोइर्द
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता हो कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोइर्द भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पूर्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसरी

1/2 भाग जायदाद नं. 190 और नया नं. 3828/9.19
और 33574/9-19 जो आबादी नहीं अंदर गेट भगतावाला,
गली नं. 2, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 15616/
20-11-81 रजिस्ट्रिकर्टी अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद मिंह, आइ.आर.एस.
भक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयप्रबंधन (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 29-6-1982
मोहर :

प्रस्तुप आइ०.टी.एन.एस. -----

आयहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 जून 1982

निवेश नं. ए.एस.आर./82-83/100—यतः मर्खे, आनंद सिंह, आइ.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ब के अधीन मकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. एक मकान है तथा जो भगतांवाला, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवंबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समाज का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल ता पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर (अन्तरां) प्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखि उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखि। में वास्तविक कारण में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हृहृ किरी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर रेत के अन्तरक के दायित्व में कम करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-हर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 2 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री किरपा सिंह पुत्र महल सिंह, कोठी नं. 78, गोलडन एवन्यू, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री सतनाम सिंह छीगरा पुत्र सरूप सिंह बाग भांडा सिंह, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेवार हो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई (दह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यवध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नस्मर्वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाव नं. 190 और नया नं. 3828/9-19 और 33574/9-19 जो आबादी नहीं अंवर गेट भगतांवाला, गली नं. 2 अमृतसर में हैं जैसा सल. डीड नं. 15522/19-11-81 रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आइ.आर.एस.
पक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, 3 चंद्रपूरी, अमृतसर

तारीख : 29-6-1982
मोहर :

प्रलेप आहू. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायता आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश नं. ए. एस. आर./82-83/101—यतः मूल्य, आनंद सिंह, आह.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि राजस्वर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लाट है तथा जो संत एवन्यू में स्थित है (और इससे उपावदूध अन्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवंबर, 1981

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उपयमान प्रतिफल से, एसे उपयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में यास्तविक रूप से की गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भान्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित लाभितयों, अर्थात् :—

18-196 GI/81

1. वीमरी घंपा वही विधवा जो किशन, काहन चंड पृथ जय किशन बबंड द्वारा रक्षतम अरदेशर बोगा मुख्तारजाम द्वारा जोगिन्द्र मिंह मूल, तहसील व जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री वल किशन पृथ गोरी शंकर आनंद कटड़ा बाग सिंह अमृतसर और सतीग कुमार और विजय बाग मिंह अमृतसर और सतीग कुमार और विपन कुमार आनंद पृथ बालकिशन कटड़ा बाग मिंह अमृतसर।

(अन्तर्गत)

3. जैमा उपर सं. 2 में कोई किरायेवार हो (वह व्यक्ति जिसके, अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहिया हरता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पत्ति होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 250 व.ग. जो संत एवन्यू एस.एस.पी. कोठी के पीछे दी मास अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 14877/6-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद मिंह, आह.आर.एस.

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रॉज़, 3 चंपुपुरी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982

मोहर

प्रृष्ठप आई.टी.एन.एस.
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

मार्ग सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निवेश नं. ए.एस.आर./82-83/102—यतः मृक्षे,
आनंद सिंह, आइ.आर.एस.
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विषयान करने
का कारण है कि स्थानकर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लाट है तथा जो संत एवनयू में स्थित
है (और इससे उपावृष्ट अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
नवंबर, 1981

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल
के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे वह विवास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान
प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का प्रत्यह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के भी ऐसे वंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तुरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन करने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा गा किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः यदि, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. 'ीमती चंपा वती विधवा जय किशन और काहन चंद
पूर्व जय किशन बंबद्ध द्वारा जाँगिन्द्र भिंह अटारनी
वासी मुदल, तहसील व जिला अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार भूरिह कुमार रविंद्र कुमार पूर्व
किदार नाथ गनी नं. 3ए बाग रामा नंद, अमृतसर।
(अन्तरिती)
3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायदार हो
(वह व्यक्ति जिसके, अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिस्बद्ध है)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरभी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रदर्शनः—इसमें प्रमुखत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो संत एवनयू एस. एस. पी. कोठी के
पीछे दी माल अमृतसर में है जो सेल डीड नं. 15002/
10-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आइ.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, 3 चंदपुरी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982
मोहर :

प्रलेप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 28 जून 1982

निदर्शन नं. ए. एस. आर./82-83/103—यतः मूर्ख, आनंद सिंह, आइ.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लाट है तथा जो संत एवन्यू में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवंबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

1. श्रीमती चंपा वसी विधवा जय किशन और काहन चंद्र पुत्र जय किशन बंबई द्वारा जोगिन्द्र सिंह अटारी वासी मुदल, तहसील व जिला अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री किदार नाथ पुत्र बमर नाथ, अशवनी कमार पुत्र किदार नाथ, गली नं. 34 बाग राम नंद, अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके, अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिकावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो संत एवन्यू एस. एस. पी. कोठी के पीछे वी माल अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 14860/6-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्जा है।

आनंद सिंह, आइ.आर.एस.
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, 3 चंद्रपूरी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982
मोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृतः—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश नं. ए.एस.आर./82-83/104—यतः मुझे, आनंद सिंह, आइ.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. एक इमारत है तथा जो कवीनज रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावदध अन्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवंबर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से बहुत नहीं। नसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्धा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घम या प्रन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, उसमें में सुविद्धा के लिए।

जहाँ भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दीलत् राम द्वारा दास मेहरा भर्माथ द्रस्ट द्वारा राज कुमारी पत्नी जानकी दास मेहरा व अशोक कुमार पत्र जानकी दास, कवीनज रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कल्वंत कौर पत्नी प्रकाश सिंह हरबोंत सिंह, गंव हमीवपुरा, जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हैं श्री राम लाल पत्र हंस राज, रघुबीर सिंह पत्र संरूप सिंह प्रीतम सिंह, गयान सिंह पत्र सोहन सिंह, गयान सिंह पत्र हरनाम सिंह (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई रघुबीर सिंह (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को पह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के से परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम्म अध्याय में दिया गया है।

अमृतसरी,

एक इमारत जो कवीनज रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 15910/27-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आइ.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, 3 चंद्रपर्णी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निवेदित नं. ए. एस. आर./82-83/105—यतः मर्फ़े,
आनंद सिंह, आइ.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं. एक इमारत है तथा जो कवीनज रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवंबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मर्फ़े यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंक्ति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नित
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्द किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचाने में मद्दिता के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

1. श्री दोलेत राम दुर्गा दास महरा धर्मार्थ द्रस्ट द्वारा
राज कमारी विधवा जानकी दास महरा वे अशोक
कमार पूत्र जानकी दास, कवीनज रोड,
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री गुरिविंद्र बीर सिंह पूत्र हरबेंत मिंह, वासी
हरमीदपरा, जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेवार हो
श्री राम लाल पूत्र हंस राज, रघुबीर सिंह पूत्र
सरूप सिंह प्रीतम सिंह, गयान सिंह पूत्र मोहन
सिंह, गयान सिंह पूत्र हरनाम सिंह
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
रघुबीर सिंह
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
45 दिन की अवधि या तारीखन्ति; व्यक्तियों पर संचेन।
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कवीनज रोड, अमृतसर में है जैसा सेल
डीड नं. 15911/27-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आइ.आर.एस.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आनंद सिंह, आर्द्ध.आर.एस.

तारीख . 28 6-1982

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के बहीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निवेश नं. प.एस.आर./82-83/106—यतः मुझे, अनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब वो अधीन सक्ति प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं. एक हमारत है तथा जो कवीनज रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीला नवंबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान प्रतिफल के लिए जनरिता की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे दूसरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्रितों (अन्तर्रितों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बोबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) प्रसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकान अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवृष्ट था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोन् :—

1. श्री दौलत राम दुर्या दास मेहरा धर्मार्थ द्रस्ट द्वारा राज कुमारी विधवा जानकी दाम मेहरा व अशोक कुमार पूत्र जानकी दाम, कवीनज रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री जतिंद्र बीर सिंह पूत्र हरबंजत सिंह, वासी हमीवपुर, जिला अमृतसर।

(अन्तर्रिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो श्री राम लाल पूत्र हंस राज, रघुबीर सिंह पूत्र सरूप सिंह प्रीतम सिंह, गयान सिंह पूत्र सोहन सिंह, गयान सिंह पूत्र हरनाम सिंह (वह व्यक्ति जिसके, अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई रघुबीर सिंह (दह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक हमारत जो कवीनज रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 15909/27-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में वर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982
मोहर

प्राप्त ग्राहक द्वारा एक एवं ---

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, चिनाक 28 जून 1982

निवेश नं. ए प्रा/82-83/107—यतः, मूल्य,
आनंद सिंह, आइ.आर.एस.,

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वाय करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक इमारत है तथा जो कवीनज रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावधि अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीध, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरक भें हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में
उमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
छव्व-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन :

1. श्री कर्मन नाम कुरगा वाम गोहरा धर्मी नृष्ट दुखारा
राज कमारी विधवा जानकी दाम सहरा व अशोक
कमार पूर्व जानकी दाम, कवीनज रोड,
अमृतसर।

(अन्तर्क)

2. श्री जीतांद्रवीर सिंह पूर्व हरवांन सिंह, वासी
हमीवपुर, जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उक्तर सं. 2 में कोई किग्रेवार हो
श्री राम लाल पूर्व हस्त राज, रघवीर सिंह पूर्व
मरुप सिंह, प्रीतम सिंह, गयान सिंह पूर्व सोहन
सिंह, गयान मिंह पूर्व हरनाम सिंह,
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
रघवीर सिंह
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीराची व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कवीनज रोड, अमृतसर में है जैसा सेल
डीड नं. 15912/27-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आइ.आर.एस.

संक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 3 चंद्रपर्गी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982

मोहर :

प्राप्ति आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निवेश नं. ए एम आर/82-83/108--पतः, मुझे,
आनंद सिंह, आइ.आर.एस.,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है
और जिसकी सं. एक इमारत है तथा जो कवीनज रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावधि अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवंबर, 1981

का पूर्वोक्त संघीत के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
दृढ़देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीधत
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
आय किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धत :—

1. 'प्री दीनिन राम बूद्धा धारा मौद्रिक द्रष्टव्य द्वारा
राज क्रमारी विधिवा जानकी दाम महंग व अर्शाक
क्रमार पत्र जानकी दाम, कवीनज रोड,
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री गुरबिंद बीर सिंह पत्र हरबेंत सिंह मार्फत
हरबेंत मिंह, गंवा हमीदपुर, जिला अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेवार हो
श्री राम लाल पूत्र हंस राज, रघबीर सिंह पूत्र
मण्डप मिंह, प्रीतम सिंह, गयान सिंह पूत्र मोहन
सिंह, गयान सिंह पूत्र हरनाम सिंह,
रघबीर सिंह
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
तिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कवीनज रोड, अमृतसर में है जैसा सेन
डीड नं. 15841/26-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
अमृतसर में वर्ज है।

आनंद सिंह, आइ.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, 3 चंद्रपरी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निवेश नं. ए.एम.आर/82-83/109—यतः, मूल्य,
आनंद सिंह, आइ.आर.एस.,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. एक इमारत है तथा जो कवीनज रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपादवृध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का प्रदू
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण सं उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

19-196GI/82

1. श्री दौलत राम द्रगा दास महेरा धर्मार्थ ट्रस्ट इवारा
राज कुमारी विधवा जानकी दास महेरा थ अशोक
कुमार पत्र जानकी दास, कवीनज रोड,
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राज जीत काँवर पत्नी हरबेंत सिंह मार्फत
हरबेंत सिंह, गांव हरीदप्पर, जिला अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो
श्री राम लाल पुत्र हस राज, रघबीर सिंह पुत्र
मरुप सिंह, श्रीतम सिंह, गयान सिंह पत्र सोहन
सिंह, गयान सिंह पत्र हरनाम सिंह,
रघबीर सिंह
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभेद में सम्पत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक इमारत जो कवीनज रोड, अमृतसर में है जैसा सेल
डीड नं. 15842/26-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आइ.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, 3 चंद्रपर्णी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निदेश नं. ए एम आर/82-83/110—यतः, मूल्य,
आनंद सिंह, आइ.आर.एस.,
मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है।

और जिसकी सं. एक इमारत है तथा जो कवीनज रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायस्थ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवंबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य दह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
कास निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृह किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में मुश्विधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कार्यालयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में मुश्विधा
के लिए;

अह: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र को उपलब्ध (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री दोलत राम दुर्गा वास मेहरा धर्मीर्थ ट्रस्ट बूथारा
राज कुमारी विधवा जानकी दाम मेहरा व अशोक
कुमार पत्र जानदारी दाम, कवीनज रोड,
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री अमोलक मिंह पूर्व ग्रन्ड चन मिंह मार्फत हरबोर्ड
मिंह, गांव हमीदपुर, जिला अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैमा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो
श्री राम लाल पूर्व हर्स राज, रघबीर सिंह पूर्व
सरलप मिंह, प्रीतम मिंह, गयान मिंह पूर्व माहन
मिंह, गयान मिंह पूर्व हरनाम मिंह,
रघबीर सिंह
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
(दह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहो दरना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कवीनज रोड, अमृतसर में है जैसा सेल
डीड नं. 15840/26-11-81 रजिस्ट्रीकरण अधिकारी,
अमृतसर में दर्ज है।

आनंद मिंह, आइ.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
महानक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 3 चंद्रप्रभी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982
मोहर :

प्रसूप आई.टी एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निदेश न. ए एम आर/82-83/111—यतः, मृम्भ,
आनंद सिंह, आइ.आर.एस.,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ल के अधीन सधम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. एक इमारत है तथा जो कवीनज रोड, अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वांकित संर्पति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्भ यह विश्वास
करते का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसी की आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगेनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
त्रुट्टिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, नौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दीलत राम दुर्गा दास मेहरा धर्मार्थ दृष्ट
द्वारा राज कुमारी विधवा जानकी दास मेहरा व
अशोक कुमार पुत्र जानकी दास, कवीनज रोड,
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नीतू पत्नी हरबेंत सिंह मार्फत हरबेंत
सिंह, गांव हमीदपर, जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हों
श्री राम लाल पुत्र हस्त राज, रघबीर सिंह पूत्र
सच्च सिंह, प्रीतम् मिंह, गयान मिंह पुत्र सोहन
मिंह, गयान सिंह पुत्र हरनाम सिंह,
रघबीर सिंह

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों, और प्रबों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कवीनज रोड, अमृतसर में है जैसा सील
डिड नं. 15908/27-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
अमृतसर में वर्ज है।

आनंद सिंह, आइ.आर.एस.
सधम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, 3 घंतपुरी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982

मोहर :

प्रृष्ठ पाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निवेश नं. ए एस आर/82-83/112—यतः, मूर्ख,
आनंद सिंह, आई.आर.एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी मं. एक इमारत है तथा जो कवीनज रोड, अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण लिपि
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रख्यमान प्रतिफल से ऐसे रख्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के खायित्व में
की करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के बनासरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प्र की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त :—

1. श्री दौलत राम दुर्गा वास मेहरा धर्मार्थ द्रस्त
द्वारा राज कुमारी विधवा जानकी वास मेहरा व
अशोक कुमार पुत्र जानकी वास, कवीनज रोड,
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कुलवंत कौर पत्नी प्रकाश सिंह, वासी
हमीदपुर तहसील व ज़िला अमृतसर।
(अन्तर्गती)

3. जैसा उक्त सं. 2 में कोई किरायेदार हैं
श्री राम लाल पुत्र हंस राज, रघबीर सिंह पुत्र
सरूप सिंह, प्रीतम सिंह, गयान सिंह पुत्र सोहन
सिंह, गयान सिंह पुत्र हरनाम सिंह,
रघबीर सिंह
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितद्वद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्पञ्चन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
द्वद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्णों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कवीनज रोड, अमृतसर में है जैसा सील
डीड नं. 15913/27-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 3 चंद्रप्री, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आद्यकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निम्नांक नं. ए.एम.आर/82-83/113—यत., मृक्षे,
आनंद सिंह, आई.आर.एस.,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म.एक इमारत है तथा जो कवीनज रांड, अमृतसर
में स्थित है (और इसमें उपादान अन्सूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तिरिक्त की गई है और मृक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच पांसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री दौलत राम देवगा दास मंहरा धर्मार्थ दस्ट द्वारा
राज क्रमारी विधवा जातको दास महेश व अशोक
क्रमार पत्र जानकी दास, कवीनज रांड, अमृतसर
(अन्तरक)
2. श्रीमती राज जीत कौर पत्नी हरबंधत मिह मार्फत
हरबंधत मिह दासी हमीदपुर तहसील व जिला
अमृतसर
(अन्तरिती)
3. जैसा उत्पर म. 2 मं कोइ द्विरायंदार हों
श्री राम लाल पत्र हस राज, रघबीर सिह पत्र^१
सरूप मिह, प्रीतम सिंह, गयान सिंह पत्र सोहन
सिंह, गयान सिह पत्र हरनाम सिंह,
रघबीर मिह
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधिस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यक्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रो
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सभापत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कवीनज रांड, अमृतसर में है जैसा मेल डाई
नं. 15914/27-11-1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृत-
सर में दर्ज है।

आनंद मिह, आई.आर.एस.

सक्षम प्राधिवारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 3 चंद्रपर्णी, अमृतसर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधर्ता :—

तारीख : 28-6-1982
माहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निवेदन नं. ए.एस.आर/82-83/114—मतः, मुझे,
आजन दिन सिंह, आई.टी.एन.एस.,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. एक इमारत है तथा जो कवीनज रोड, अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्तरदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृढ़ किसी भाय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी भाय या किसी धम या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकुर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
ने प्रयोजनार्थ अन्तरिती बूबारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दौलित राम दूर्गा दास मेहरा धर्मार्थ द्रष्ट द्वारा
राज कुमारी दिव्या जानकी दास मेहरा व ज्ञानकी
कुमार पुत्र जानकी दास, कवीनज रोड, अमृतसर
(अन्तरक)
2. बीबी हरनीत कौर सेखा पुत्री हरदेवंत सिंह वासी
हमीदपुर तहसील व जिला अमृतसर
(अन्तरिती)
3. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायेवार हो
श्री राम लाल पुत्र हंस राज, रघबीर सिंह पुत्र
सरूप सिंह, गीतम सिंह, गयान सिंह पुत्र सोहन
सिंह, गयान सिंह पुत्र हरनाम सिंह,
रघबीर सिंह
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारं में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पूरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कवीनज रोड, अमृतसर में है जैसा संल डीड
नं. 15915/27-11-1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृत-
सर में वर्ष है।

आनंद सिंह, आई.टी.एन.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, 3 चंद्रप्री, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप बाई० टी० एन० एस० -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निदेश नं. ए.एस आर/82-83/115—यतः, मूर्ख,
आनंद सिंह, आई० आर० एम०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य एक इमारत है तथा जो कवीनज रोड, अमृतसर
में स्थित है (और इसमें उलादूदध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे असरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: *

(क) अन्तरण से हूई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दिये के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन अन्य आस्थयों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दौलत राम घुर्गा दास मेहरा धर्मार्थ डस्ट द्वारा राज कुमारी विधवा जातकी दास मेहरा व अशोक कुमार पत्र जातकी दास, कवीनज रोड, अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री अमोलक सिंह पत्र गुरवचन मिंह वामी हमीदप्रा तहसील व जिला अमृतसर (अन्तर्गती)
3. जैसा उपर मैं कोई किरायेदार हो श्री राम लाल पत्र हंस राज, रघबीर मिंह पत्र सरूप सिंह, प्रीतम सिंह, गयान मिंह पत्र सोहन सिंह, गयान सिंह पत्र हरगाम सिंह, रघबीर सिंह (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सम्बन्ध की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हौं, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रापित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कवीनज रोड, अमृतसर में है जैसा संल डीड नं. 15916/27-11-1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई० आर० एस०
संक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, 3 चंद्रपर्णी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982

मंहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन मूल्य

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निवेश नं. ए. एस. आर./82-83/92--यतः मूल्य,
आनंद सिंह, आई. आर. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में एक प्लाट है तथा जो रधनाथपत्र अमृतसर में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हृद किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सूचिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
कुशिधा के लिए;

अम. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री काहन धंद पूँज जय किशन वं चंपा दत्ती विधवा
जय किशन बस्तर्ड द्वारा आर. के. दोगा मुख्यालय
आम द्वारा मुख्यालय आम जॉर्जिंड गिर्ह मुद्रल दासी
गांव मुद्रल तहसील व जिला अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री गोतम नाबालग पुँज अमृत सामा द्वारा अस्त लाना
58 लारैम रोड अमृतसर

(अन्तरिती)

3. जैसा उप सं. 2 में कोई किरायेदार हैं
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में समर्पित है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह समर्पित में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य
कार्यालयीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो रधनाथपत्र में एवं अमृतसर में है
जैसा मेल डीड न. 14744/4-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
उचित रँज-3, चांदपुरी अमृतसर

तारीख : 28-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-3, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निवेदन नं. ए. एस. आर./82-83/93—यतः मूर्ख, आनंद सिंह, आई. आर. एस.,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी जो, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. एक प्लाट है तथा जो रथनाथपुरा अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और भूमि यह विवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमाण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित मही किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कारबोने के अन्तरण के वायितव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
20—196GI/82

1. श्री काहन चंद पुरुष जय किशन व धंपा वती विधवा जय किशन बन्धु द्वारा आर. के. बोगा मूलतार आम द्वारा मूलतार आम जोगिन्द्र सिंह मूदल वासी गंव मूदल तहसील व जिला अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती उषा खाना पत्नी अरुन कुमार खाना 58 लार्स रोड, अमृतसर

*3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरणदार है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

*4. और कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो रथनाथपुरा संत एवन्ड अमृतसर में है जैसा सेल डीड न. 14745/4-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-3, चंदपुरी अमृतसर

तारीख : 28-6-1982

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी १० एन० एस०---

१. श्री समर बनजी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

२. मेसर्स, सोहन लैमिटेड (प्रा.) लि.

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज- , कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 मई 1982

निवेदण सं. ए. सी. 12/रेज-4/कल/1982-83—यतः
मुझे, के. सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ए के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 28 है तथा जो आन्द्रे रोड, हवड़ा में स्थित
है (ओर इससे उपायबूध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवड़ा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
9-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारन
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवधारन प्रतिफल से, ऐसे अवधारन प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मर्ही किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः घब, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपबारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकतयों, अवधारणा :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यान्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो इन
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अमीन--7, कठ्ठाह, 0-छटाक, 16 वर्गफूट
पता—28, ओन्द्रे रोड,
थाना—शिवपुर,
जिला—हवड़ा
डीड सं.—5317, 1981 का

के: सिन्हा
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4, कलकत्ता-54, रफोअहमद किलबहू रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 25-5-1982

मोहर :

प्रकल्प पाईदू दी. एवं एवं—
बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 जून 1982

निवेद्य सं. ए. सी. 9/रोज़-11/कल/1982-83—यतः
मुझे, के. सिन्हा,

याबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी भारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का अनुरोध है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 26,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट सं. 210 है तथा जो सी. आई. टी.
सं. 7 (एम) कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध बन-
सूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रीजिस्ट्रीकेटी अधिकारी
के कार्यालय आर. ए. कलकत्ता में, रीजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-11-81
को पूर्वानुसार सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
प्रतिफल के लिए असरित की गई है प्रीत्र मुझे यह विश्वास
करने का अनुरोध है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृद्धमान प्रतिफल में, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का प्रदूष
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरोध
लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अनुरोध से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
साथसे में अभी करने या उससे बचने में सुविधा
के बिंदु घोषणा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनामे अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
निए;

अतः अब; उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-व की उपकारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवितयों, अधितः—

1. श्रीमती प्रभावसी पोद्वार

(अन्तरक)

2. श्रीमती भीरा गुप्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वानुसार सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यानुसारी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी विवेद ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अवितयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक ताव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वानुसार
अवितयों में से किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सूचना के सम्बन्ध में हित-
बदल किसी अन्य अवित द्वारा, प्रबोधस्तात्त्वी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

क्षेत्र—5 कठ्ठा, ए.छ. 11 वर्गफ्लॉट

प्लाट सं. 210 सी. आई. टी. स्कीम सं. 7 (एम) कल-
कत्ता होता है।

के. सिन्हा
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, 54, रफीजहमद किलवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 9-6-1982

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई.टौ.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की आदा
269-व (1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

बजेन रोड-111, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 जून 1982

निवैद्य सं. 1102/बजेन आर-3/82-83—यतः भूमि,
के. सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी आदा 269-व
के अधीन सम्प्राधिकारी द्वारा, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इपए से अधिक है

और जिसकी सं. 12 है तथा जो राधा बाजार लेन, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 28-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथोपर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई दोस्री प्राप्ति की बाबत, उक्त
अधिनियम के पश्चीन कर देने के अन्तरक के
शाविष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ब) दोस्री किसी प्राप्ति या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें प्रारंभी प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनामं प्रत्यारिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्रीमती बिना मित्र, हेना वोसा

(अन्तरक)

2. श्री प्रह्लाद कुमार नाथ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के अन्तर्वन्म में कोई भी ग्रान्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मैन्दी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्ताक्षरी के पास
सिखित में किए जा सकें।

संपष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

12, राधा बाजार लेन, कलकत्ता, 6क-3छ-43 वर्गफ़िल्ट
जमीन, साथ मकान, (1/4 शेयर)।

के. सिन्हा
संस्थम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
बजेन रोड-111, 54, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

यतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनुसार
में, भूमि उक्त अधिनियम की आदा 269-व की उपवारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत:—

तारीख : 9-6-1982

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी डी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-111, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 जून 1982

निवेदित सं. 1103/अर्जन रोज़-111/82-83—यतः मुझे,
के. सिन्हा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं. 12 है तथा जो राधा बाजार लेन, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपायदृष्ट अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, सारीख 28-11-1981

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

वहाँ बत, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बिना मित्र, हेना बोस्सा

(अन्तरक)

2. श्री प्रनब कुमार नाथ

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्प्रवर्त्ती अविक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी अविक्षिया द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
ग्रन्थ व्यक्तिद्वारा अधोवृत्ताधरी के ऊपर लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं, वहाँ
अर्थ देता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12, राधा बाजार लेन, कलकत्ता, 6क-3ए-43 वर्गफॉर्ट
जमीन, साथ् मकान (1/4 शेयर)।

के. सिन्हा
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-111, 54, रफीजहमद किल्वाहॉ रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 9-6-1982

मोहर :

प्रधन आइ. टी. एन. एस. -----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-111, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 जून 1982

निवेश सं. 1104/अर्जन रोज़-111/82-83—यतः मुझे,
के सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. सं अधिक है

और जिसकी सं. 12 है तथा जो राधा बाजार लेन, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 28-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया ग्राम प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(ए) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की वाहत उक्त अधिनियम के वर्तीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
की करने या उससे वर्तने में सुविधा के लिए;
बाइ/वा

मनूसूची

(इ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगसार अन्तरिती द्वारा प्रकट गयी किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

12, राधा बाजार लेन, कलकत्ता, 6क-3छ-43 वर्गफट
जमीन, साथ मकान (1/4 घेर)।

क. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-111, 54, रफीजहमद किलार्ड रोड,
कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 9-6-1982
मोहर :

प्रकृष्ट आइंटी.टी.एम.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-111, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 जून 1982

निवेदित सं. 1105/अर्जन रेज-111/82-83—यतः मूर्ख, के. सिन्हा,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. गे अधिक है।

और जिसकी सं. 12 है तथा जो राधा बाजार लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-11-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गहर है और मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बनारण के लिए ताग पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्रीमती विना मिश्र, हेना वोसा
(अन्तरक)
2. श्री अनुप कुमार नाथ
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करला है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मनुसूची

12, राधा बाजार लेन, कलकत्ता, 6क-3छ-43 वर्गफट
जमीन, साथ मकान (1/4 शेयर)।

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-111, 54, रफीअहमद किदवाह रोड,
कलकत्ता-16

यतः वद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 9-6-1982
मोहर :

प्रेस्प्र आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
जर्जन रंज, पटना

पटना, दिनांक 18 जून 1982

निवेद सं. 111/558/वर्जन/82-83—अतः मुझे,
दृश्य नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छठन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. तीजी सं.-5282 (पूरना) 28 री (नया) खेसरा सं.-595, 589, 598 थाना सं.-18 है तथा, जो मौजा-रुक्नपुर, थाना-दानापुर, जिला-पटना में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-11-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी छन या घाय आस्तियों को, जिन्हें सारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री शम्भु नाथ सिंह बल्द राम मणित सिंह निवासी, ग्राम-खजपूरा थाना-गदैनवाग, जिला-पटना।
(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद शहीद बल्द हजान रसीद 2-मोहम्मद नशीम बल्द अब्दुल हकीम निवासी-फुलवारी शरीफ, पत्रालय-गदैनवाग थाना-पुलवारी, जिला पटना।
(अन्तरिती)

को यह सूचा आरी करके पूर्वोक्त सम्बति के घर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्बति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की रामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि दाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बति में हितवद्धि किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषितकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिचालित हैं, वही घर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

बनासूची

कृषि-भूमि का रकमा 29.5 डीसमल जो मौजा रुक्नपुर थाना-दानापुर जिला-खटना में स्थित है तथा पूर्ण रूप से वसिका सं.-8662 दिनांक 14-11-81 में वर्णित है तथा पंजिकृत जिला अवर निर्बंधक, पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दृश्य नारायण
सकाम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
जर्जन परिक्षेत्र विहार, पटना
तारीख : 18-2-1982
मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कोर्ट्सचन-16

कोर्ट्सचन-16, दिनांक 30 जून 1982

निवेश सं. एल. सी. 586/82-83—यतः मुझे, पी. जे. तोमसकूट्टि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो निशावपेस्लर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय विश्वासपेस्लर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-11-1981

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फलहरु प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से नियन्त नहीं हिता गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, जौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, वर्णतः :—

21-196GI/82

1. श्री कंच्चुदेवसिं

(अन्तरक)

2. मैर्स उदया ट्रॉडरेस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित अधिकारी में से किसी अविक्त द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुटोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7 Cents of land with a building as per Schedule attached to Doc No. 6544 dated 25-11-1981

पी. जे. तोमसकूट्टि
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकल्म

तारीख : 30-6-1982
माहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री कोच्च्युरान

(अन्तरक)

बाबक १ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री वी. के. राजसिंह टी. के. गोपाल, के. वी.
भास्कर, डॉक्टर. के. आर. राज और एम. डी.
दर्रीद।

(अन्तरीती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कोंच्चन-16, दिनांक 30 जून 1982

निदेश सं. एन. सी. 585/82-83—यतः मुझे, पी. जे.
तोमसक्टिट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर संपत्ति जिराया उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी मं. अनुसूची के अनुसार है, जो निश्चयपेलर में
स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निश्चयपेलर में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 10-11-1981

को पूर्णांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
प्रबंह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
माद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति पर हिं-
द्रदान विभिन्न अधिकारी अधिकारी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगभार्ता अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवृत्ति था, लियाने में सहित
के लिए;

अनुसूची

78 Cents of land in Sy. No. 143 of Trichur village.

मे. जे. तोमसक्टिट
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, पराक्लम

यतः अब, उक्त अधिनियम, की शारण 269-ग के प्रत्यक्षरण
में, भी, उक्त अधिनियम को धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः :—

तारीख : 30-6-1982

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 1 जूलाई 1982

निवेश सं. आय ए. सी./सी. ए. 5/एस. आर. बास्टे/729/नवम्बर-81/82-83—यतः मुझे, आर. को. अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मृदू विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी मूल्या एस. नं. ई-235-11 है तथा जो सिटी कॉल्हापुर में स्थित है (रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय दृश्यम रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दृश्यम निर्बंधक बास्टे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1981 को पर्वत के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे मृदू विश्वास करने का कारण है कि यथापात्रत मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक कार्यित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री विश्वाभर-गणेश कामे और 2 1224 (देण्हेझेर) बाड़न रोड, बास्टे-26
(अन्तरक)

2. श्री अब्दुल अनिल मोहमद अमिन हर्स्क मोहमद यसुफ मोहमद अमिन हर्स्क केलवकर बंगलो, 247/ई तारा बाई पार्क कॉल्हापुर।
(अन्तरिती)

को मृदू सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर मृदू सूचना की लाप्ती से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूसूची

पापर्टी जो सं. नं. ई-235/11 जो कांल्हापुर ता-करवीर जि. कांल्हापुर में स्थित है। (जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ट विलेख भा-आर-1095 जो नवम्बर 1981 को, दृश्यम निर्बंधक बास्टे के दफ्तर में लिखा हुआ है।)

आर. के. अग्रवाल
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पूना

तारीख : 1-7-1982
मंहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 29 जून 1982

निवेश सं. आय. ए. सी./सी. ए. 5/एस. आर. हवेली-1।।-जन./82-83—यतः मुझे, आर. के. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सी. एस. नं. 106/8 टी. पी. नं. 1 एफ. पी. नं. 58/6 है तथा जो एरडवणे पूणे 4 सं स्थित है (और इससे उपांचाल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्वायम निबंधक हवेली-1।। में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अनुकूल प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्विचित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) प्रश्नारण से दुई किसी आय की बावजूद; उक्त अधिनियम के अनुमति कर देने के प्रत्यक्षक के दायित्व में कगी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीष्म/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अत्यधिक आय को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षतः :—

1. निवृत्ती मारुती बलकवणे और 2 106/8, एरडवणे-4

(अन्तरक)

2. श्री विजय परशुराम जोगलंकर चेअरमन मकरनद को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी 106/8, एरडवणे पूणे-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों वर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदह जिती अन्य व्यक्ति द्वारा यथोद्दृसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मृशुची

प्राप्टरों जो सि. एस. नं. 106/8, टी. पी. नं. 1, एफ. पी. नं. 58/6, एरडवणे में स्थित हैं।

(जैसे की रजिस्ट्रीकूत विलेल सं. 749 जो जनवरी 1982 को द्वायम निबंधक हवेली-1। के दफ्तर लिखा हुआ है)।

आर. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, पूना

तारीख : 29-6-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टो.एन.एस.-----

1. श्री वगडूलाल लक्ष्मणदास पारख, श्री केवलचंद्र भागचंद्र देसडी, 210 बालाजी पेठ, जलगांव।
(अन्तरक)
2. युनाइटेड प्राप्टर्टीज एण्ड इन्वेस्ट कर्सन, पार्टनर श्री सतिश सोमा भोले, भवानी पेठ, जलगांव।
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 1 जूलाई 1982

निर्देश सं. आई.एस.आर/सी ए 5/एस आर जलगांव/731/
नवम्बर-81/82-83—यतः मृके, आर. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. शंतगढ़ नं. 391 है तथा जं कस्बे खुर्द
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसन्धी में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्वारा
निबंधक जलगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981
को प्रदर्शित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यद्यु सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-प्रदाता किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदर्शित शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(ए) अन्तरण घे हुए किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दबे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

खंती की जमीन जो शंत गढ़ नं. 391, कस्बे खुर्द में स्थित है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं. 3483 जो नवम्बर, 1981 को दृश्यम निबंधक एम. आर. जलगांव के दफ्तर में लिखा हुआ है।)

आर. के. अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, पूना-411004

तारीख : 1-7-1982
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्हत् :—

प्रस्तुप बाई.टी.एन.एस.-----

आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भारत सरकार

अर्जन रेंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 1 जूलाई 1982

निवास सं. सी. ए 5/एस आर मिरजा/नवम्बर 81/730/
82-83—यतः मुझे, आर. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. प्रि. स. नं. 458, प्लाट नं. 28 है तथा
जो सांगली में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, किसाने में
मूविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की प्रधाना (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महमद बापूसाहेब सद्दद, 1259 रवणभाग,
सांगली।
(अन्तरक)
2. श्री वलरमल वशायतराय रामदाणी, गवली गली,
सांगली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:---इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पौरभागिक
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूल्याची

प्रापटीं जो प्रि. स. नं. 458, प्लाट नं. 28, संगली में
स्थित है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं. 2304 जो नवम्बर
1981 में द्व्यम निवंधक प्रिमरज-। के दफ्तर में लिखा है।)

आर. के. अग्रवाल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेंज, पूना-411004

तारीख : 1-7-1982

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एम० एच०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के पश्चात सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना-411004

पूना-411004, विनाक 5 ज्लाई 1982

निदेश सं. सी ए 5/एस आर हवेली/नवम्बर 81/736/
82-83—यतः मृझे, आर. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के पश्चात सक्रम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, वित्तका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. अपार्टमेंट नं. बी-101 पहली मंजिल और
पारकिंग स्टेंग नं. बी-1, बिल्डिंग नं. बी, स. नं. 161/
ए/1/6 बी और सी है तथा जो शिवाजी नगर, पूणे में स्थित
है (और इसमें उपावदाध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दृश्यम निवंधक
हृदंगी-। मं., रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संस्थित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पर्याप्त प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वाप्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की आबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में
कर्ती करने या उससे बचने में सहिता के लिये,
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर उधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वारा उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यापार प्रकट नहीं किया गया
था या क्रिया जाना चाहिए था, छिपाने में सहिता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मिसेस आर. शांता, प्लाट नं. 34-ई, हावे
अपार्टमेंट्स सी. आई. टी. मायन, बाब्ड-
400022।
(अन्तरक)

2. (1) मिसेस कमला रत्नलाल सेयानी (2) मिसेस
राजन सुभाष भयानी, अपार्टमेंट नं. बी/101,
बिल्डिंग नं. बी, आशीष अपार्टमेंट, भोवी बाग,
स. नं. 161/ए/1/6 बी और सी गणेश बंड पथ,
पूणे-411016।
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारों फरके पूर्वोक्त सम्भाति के पर्यान के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्भाति के प्रतीकों के पद्धति में होई थी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भाति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोडस्ताक्षणों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संघीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटी अपार्टमेंट नं. बी-101, पहली मंजिल, पारकिंग
प्लेस नं. बी-1 बिल्डिंग नं. बी, म. नं. 161/ए/1/6 बी
और भी, शिवाजी नगर, पूणे में स्थित है। (जैसे की रजिस्ट्री-
क्रूर विनेक नं. 4360 जो नवम्बर 1981 में दृश्यम निवंधक
हवेली-।। के दफतर में लिया है।)

आर. के. अग्रवाल

सक्रम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना-411004

तारीख : 5-7-1982

मोहर :

प्रैरूप बाई.टी.एन.एस.-----

**श्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना**

भारत राजपत्र
कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रोज, पूना-411004
पूना-411004, दिनांक 5 ज्युलाइ 1982

निदेश सं. सी ए 5/एम आर नेवासा/जनवरी 82/733/
82-83—यह: मझे, आर. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्थित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. शेत गट नं. 101 है तथा जो कांगोनी
तानवासा, जि. अहमदनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी
के कार्यालय द्वायस निबंधक नेवासा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी, 1982

को पूर्वोंकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उम्हा दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तररप्त के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
तिथित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) पन्तरण न हुई किसी आय की वापत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा
है यिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी दिसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
शनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट वा छिपाने में
सुविधा के लिए ;

प्रापटीं जो शेत गट नं. 101, कांगोनी, ता. नेवासा, जि.
अहमदनगर में स्थित है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकरित विलेख क्र. 69
जो जनवरी 1982 में दृश्यम निबंधक नेवासा के दफ्तर में
लिखा है।)

आर. के. अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रोज, पूना-41100-

प्रत: घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसूची नं. में, उक्त अधिनियम से पारा 269-ब की
उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, मर्यादा—

तारीख : 5-7-1982

मोहर :

1. श्रीमती सोनीबाई नवलमल गांधी, दाल-मंड़हूँ
अहमदनगर।

(अन्तरक)

2. श्री रतीलाल नंसद्स मध्या और चार नवी पठें,
अहमदनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकर सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यापेय —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों से से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिचायित हैं; वही
अर्थ, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रसुप्त आई. टी. एन. एस.-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, पुना-411004

पुना-411004, दिनांक 5 जूलाई 1982

निदर्श सं. सी ए 5/एम आर जलगांव/नवम्बर 81/735/82-83—यतः मझे, आर. के. आयरवाल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम, कहा गया है), की भारा
269-ग के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. शेतगढ़ नं. 88 है तथा जो निम्नलिखी लुद्दी
जि. जलगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय दृश्यमान निबंधक जलगांव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981
को यूक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का अनुदृष्ट प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
चौथे से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(ए) अन्तरण न हुई किसी आय ले बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में मुद्रिधा के
लिए; भीर/या।

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए, या छिपाने में
मुद्रिधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात्:—

22-196 GT/82

1. श्री विश्वनाथ आनंदराव पाटील, मैनेजिंग पार्टनर,
राजेश अपार्टमेंट, जलगांव, 172, नवी पंड,

जलगांव।

(अन्तरक)

2. श्री रविंद्र तोलाराम वल्हाड़, मैनेजिंग पार्टनर,
मंसर्स मोनल ट्रेडर्स जलगांव, मर्मां कॉन्सनी,
जलगांव।

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षयों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबत में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी
अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रोर पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी जो शेत गट नं. 88, निम्नलिखी लुद्दी, जि. जलगांव
में स्थित है। (जैसा कि रजिस्ट्रीक्रित विलेख क्र. 2606 जो
नवम्बर 1981 में दृश्यम निबंधक जलगांव के दफ्तर में लिखा
है।)

आर. के. अयरवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, पुना-411004

तारीख : 5-7-1982

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

उर्जन रोड, पुना-411004

पुना-411004, दिनांक 5 ज्लाई 1982

निदैश सं. सी ए 5/एस आर अहमदनगर/नवम्बर 81/
734/82-83—यतः मुझे, आर. के. आग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. स. नं. 494/1 है तथा जो केंद्रीय, ता.
और जि. अहमदनगर में स्थित है (और इससे उपादान अन्सूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय द्वायम निवंधक अहमदनगर में, राजस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर,
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने से सुधिधा
के लिए; और/या

(ल) एसी विभी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मन्त्रिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री समरबहावर सिंह तहसीलदार सिंह, अरबगंव
रोड, नजदीक सी. एम. ई. कौण्ड्रो, अहमद-
नगर।

(अन्तरक)

2. श्री प्रभाकर दिनकर दंशापांडे, मुख्य प्रदूषक,
नियोजित शिवाजी नगर गृह बोर्डी सम्मिति क्षेत्रगांव,
ता. और जि. अहमदनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदाता
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलिखित के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

प्राप्तीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अन्सूची

प्राप्टी जो स. नं. 494/1, केंद्रीय, ता. और जि.
अहमदनगर में स्थित है। (जैसे कि राजस्ट्रीकृत विलेस क्र.
3043 जो नवम्बर 1981 में द्वायम निवंधक अहमदनगर के
दफ्तर में लिखा है।)

आर. के. अग्रवाल
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
उर्जन रोड, पुना-411004

तारीख : 5-7-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268+ष (1) के व्यवस्थीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रँज, पुना-411004

पुना-411004, दिनांक 5 जूलाई 1982

निवेद्य सं. सी ए 5/एस आर सातारा/नवम्बर 81/737/
 82-83—यतः मुझे, आर. के. आगरवाल,
 अपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थानवर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/-रु. से अधिक है
 और जिसकी में 512 हैं तथा जो सदर बाजार, सातारा में
 स्थित हैं (और इससे उपाबृथ अन्नसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दूर्घम निवंधक
 सातारा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अभृतर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तत्र पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी घाय की बाबत, उसके अधिकारी नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वापिस्त्र में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौद्योगिकी

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्राम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बैंककर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रत्यारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः परं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के उत्तुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269-प की उपलारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री अमृतसाल हिराचंद संघर्षी (2) डा. सुभाष
अमृतसाल संघर्षी, 896, शनवार पेठ, सातारा।
(अन्तरक)
 2. श्री जयत हिराचंद शहा और अन्य पांच, 11,
सदाशिव पेठ, सातारा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अथवा उस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त गद्दों प्रीर गद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

४८५

प्रापटी जो 512, सदर बाजार, सातारा में स्थित है।
 (जैसा कि रघुरामीकृत विलेख क्र. 1897 जो नवम्बर 1981
 में द्व्यम निबंधक सातारा के षष्ठीर में लिखा है।)

आर. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड, पना-411004

तारीख : 5-7-1982

मोहर १

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION**

New Delhi, the 20th July 1982

No. A/19021/4/78/AD.V.—The services of Shri P. S. Hura, IPS (PB : 1962) Dy. Inspector General of Police (S) Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment are placed at the disposal of the Government of Punjab with effect from 1st July, 1982 afternoon on repatriation.

The 24th July 1982

No. A/19021/6/78-AD.V.—The services of Shri P. C. Sharma, IPS (A&M-1966) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, CIU(I) Branch are placed at the disposal of the Government of Assam with effect from the afternoon of 15th July, 1982, on repatriation.

The 26th July 1982

No. A/19036/10/82/Ad.V.—Director, Central Bureau of Investigation and IGP/SPE is pleased to promote Shri Bindu Nath Jha, Inspector to officiate as Dy. Superintendent of Police in CBI on *ad-hoc* basis from 13th July, 1982 (Afternoon) until further orders.

R. S. NAGPAL,
Administrative Officer(E)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi, the 19th July 1982

No. O-II-1713/81-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. Jagannath, General Duty Officer Gde-II of Base Hospital CRPF, New Delhi with effect from the forenoon of 10th July,

The 17th July 1982

No. 3 (28)/4363—The following Officers are appointed in a substantive capacity against the permanent posts and from the date shown against each :—

S. No.	Name and Designation	Confirmed as	Date of Confirmation
(1) Shri R. Krishna Murthy, Asstt. Engineer (Elect)	Asstt. Engineer (Elect.)	20-4-1977	
(2) Shri S.S. Johari, Dy. Chief Control Officer	Asstt. Chiof Control Officer	12-7-1981	

S. R. PATHAK
General Manager

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

**OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS**

New Delhi-110 066, the 22nd July 1982

No. AN I/1899/5/Vol.I.—Shri P. S. Balasubramanian, IDAS, who attained the age of 58 years on 6-6-1982 (his date of birth being 7-6-1924) has been transferred to the

Pension Establishment with effect from 30-6-1982 (AN) and has accordingly been struck off the strength of Defence Accounts Department with effect from 30-6-1982 (AN) in terms of FR 56(a). The officer proceeded on leave pending retirement with effect from 3-9-81 till the date of his superannuation.

R. K. MATHUR,
Additional Controller General of Defence Accounts
(Admin)

New Delhi-110066 the 19th July 1982

No. AN /II/2158-81—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermentioned permanent section Officers (Accounts) as Accounts Officers in on officiating capacity with effect from the date noted against each until further orders.

Sl. No.	Name	Organisation	Date
1	2	3	4
S/Shri			
1. Dhani Ram Sud	.	C.D.A. (Pensions) Allahabad	18-2-81
2. Dibakar Sinha	.	C.D.A. (Pension) Allahabad	18-6-81

1	2	3	4
	S/Shri		
3.	Hari Prasad Singh	C.D.A. (ORs) North Meerut	26-3-81
4.	S.M. Srivastava	C.D.A. (Pensions) Allahabad	16-3-81
5.	A. Narayana Murthy	C.D.A. SC, Pune	16-3-81
6.	V. Periaswamy	C.D.A. (ORs) South Madras	16-3-81
7.	Saroj Kumar Bhar	C.D.A. Patna	16-3-81
8	Tilak Raj Sethi	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	16-3-81
9.	R. Sridharan	C.D.A. (ORs) South Madras	16-3-81
10.	Ghanshyam Lal	C.D.A. (ORs) North, Meerut	16-3-81
11.	R. Vijayaraghavan	C.D.A. SC, Pune	16-3-81
12.	Y.C. Singh	C.D.A., AF, Dehradun	16-3-81
13.	G.N. Mehrotra	C.D.A. (ORs), North Meerut	16-3-81
14.	V. Ganesan	C.D.A. (ORs) South, Madras	16-3-81
15.	M. L. Juvekar	C.D.A. SC Pune	16-3-81
16.	Ravi Dutt Sharma	C.D.A. Patna	16-3-81
17.	A.R. Issac Chandra	C.D.A. (ORs) South Madras	16-3-81
18.	R. P. Arya	C.D.A. (ORs) North Meerut	23-3-81
19.	Ganesh Chandra	C.D.A. (Pensions) Allahabad	16-3-81
20.	Mahesh Chandra	C.D.A. (Pensions) Allahabad	16-3-81
21.	A.S. Natarajan	C.D.A. (ORs) South Madras	19-3-81
22.	V.P. Gupta	C.D.A. CC, Meerut	16-3-81
23.	Bhišam Dev	C.D.A. CC, Meerut	16-3-81
24.	Prit Pal Singh	C.D.A. WC, Meerut	12-3-82
25.	G. C. Mukherjee	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	16-3-81
26.	D. G. Angarkar	C.D.A. (ORs) South Madras	16-3-81
27.	Prem Shankar Lov	C.D.A. CC, Meerut	16-3-81
28.	T. Rajamani	C.D.A. SC, Pune	16-3-81
29.	Gulshan Rai Anand	C.D.A. AF, Dehradun	23-3-81
30.	Krishan Chander Vijra	C.D.A. Patna	16-3-81
31.	N. Subba Rao	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	16-3-81
32.	Abdul Hai Ansari	C.D.A. Patna	16-3-81
33.	S. Subbaraman	C.D.A. Navy Bombay	16-3-81
34.	R.D. Bhardwaj	Jt. C.D.A. (Funds) Meerut	16-3-81
35.	N. Madhavan Nair	C.D.A. AF, Dehradun	16-3-81
36.	Chandrrika Prasad Misra	C.D.A. Patna	16-3-81
37.	A.R. Lakshminarayanan	C.D.A. (ORs) South Madras	16-3-81
38.	Inder Jeet Singh	C.D.A. CC, Meerut	16-3-81
39.	G.H. Sanjeeva	C.D.A. (Officers) Pune	16-3-81
40.	V.S. Balkrihnan	C.D.A. (ORs) South Madras	16-3-81
41.	K.P. Sharma	C.D.A. CC, Meerut	16-3-81
42.	Kasturi Lal	C.D.A. AF, Dehradun	16-3-81
43.	H.S. Srivastava	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	23-3-81
44.	Suprakash Roy	C.D.A. Patna	16-3-81
45.	Rajinder Singh	C.D.A. WC, Meerut	16-3-81
46.	S.K. Dass	C.D.A. Patna	16-3-81
47.	D.A. Joshi	C.D.A. (Officers) Pune	16-3-81
48.	S.B. Bose	C.D.A. Pensions Allahabad	16-3-81
49.	T. Ramachandra Charlu	C.D.A. SC Pune	16-3-81
50.	O. Narasimhan	C.D.A. AF, Dehradun	16-3-81
51.	Ramesh Chandra Chatterjee	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	1-4-81
52.	Vishnu Kumar Alwar	C.D.A. NC, Jammu	17-3-81
53.	Ram Kishan Singh	C.D.A. AF, Dehradun	23-3-81
54.	A.A.K. Ghori	C.D.A. WC, Meerut	16-3-81
55.	S. Krishnamurthy	C.D.A. HQs New Delhi	16-3-81
56.	B.K. Singh	C.A. Patna	8-4-81
57.	Ardhendu Prakash Basu	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	16-3-81
58.	Jai Prakash	C.D.A. AF, Dehradun	16-3-81
59.	Rajinder Pal Mehta	C.D.A. AF Dehradun	16-3-81
60.	S. Krishnamurthy	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	30-3-81
61.	U.S. Mulay	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	16-3-81
62.	N.S. Negi	C.D.A. Pensions Allahabad	16-3-81
63.	A. K. Mukherjee	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	27-3-81
64.	S. D. Dwivedi	Jt. C.D. A. (Funds) Meerut	16-3-81
65.	K.L. Rathi	C. D. A. CC, Meerut	16-3-81
66.	H. S. S. Murthy	C.D.A. (ORs) South Madras	16-3-81

1	2	3	4
	S/Shri		
67.	Satish Chandra Sexena	C.D.A. WC, Meerut	30-3-81
68.	K.L. Tandon	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	23-3-81
69.	Yoginder Pal Chugh	C.D.A. Pensions Allahabad	16-3-81
70.	Dina Nath Chaturvedi	C.D.A. (Pensions) Allahabad	16-3-81
71.	B.V. Muniramaiah	C.D.A. (ORs) South Madras	21-3-81
72.	Ram Kumar Goel	C.D.A. Penions, Allahabad	16-3-81
73.	V.R. Kulkarni	C.D.A. Navy Bombay	16-3-81
74.	P.S. Behl	C.D.A. WC, Meerut	16-3-81
75.	A.P. Valayudhan Nambiar	C.D.A. AF, Dehradun	23-3-81
76.	G.S. Poondir	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	23-3-81
77.	N.B. Murgod	C.D.A. Navy Bombay	16-3-81
78.	Rajinder Singh Hooda	C.D.A. WC, Meerut	16-3-81
79.	Nirmal Jit Singh Sawhney	C.D.A. WC, Meerut	16-3-81
80.	K.R. Reddy	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	13-5-81
81.	Dharmanand	C.D.A. WC, Meerut	16-3-81
82.	N.V. Deshmukh	C.D.A. Navy Bombay	16-3-81
83.	A. R. Shivaraman	C.D.A. (ORs) South Madras	25-3-81
84.	Om Prakash Sharma	C.D.A. WC, Meerut	16-3-81
85.	Sudarshan Kumar	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	25-3-81
86.	S. Natarajan	C.D.A. SC, Pune	20-3-81
87.	C. P. Sharma	C. D. A. Pensions Allahabad	23-3-81
88.	P.C. Gupta	C.D.A. Pensions, Allahabad	26-3-81
89.	K. P. Rajendran	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	28-3-81
90.	H.S. Srivastava	C.D.A. CC, Meerut	24-3-81
91.	Vijendra Kumar	C.D.A. WC, Meerut	18-5-81
92.	U. C. Choudhury	C. D. A., Patna	6-4-81
93.	K. Achyuta Rao	C.D.A. SC, Pune	14-4-81
94.	A. R. Tara	C.D. A. Navy Bombay	14-4-81
95.	K. Ramalingam	C. D. A. (ORs) South Madras	16-4-81
96.	B.D. Narayan	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	6-4-81
97.	Rudra Mohan Bhatnagar	C.D.A. Pensions Allahabad	6-4-81
98.	Mohd. Murtaza Khan	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	30-4-81
99.	Raj Pal Singh	C.D.A. Pensions Allahabad	24-4-81
100.	S.K. Mittal	C.D.A. AF, Dehradun	6-4-81
101.	Ram Kanwar	C.D.A., SC, Pune	9-4-81
102.	R. Balajogi Reddy	CD (ORs) South Madras	13-4-81
103.	B. P. Singh	C.D.A. WC, Meerut	6-4-81
104.	P. K. Kurian	V.D.A. Officers Pune	8-4-81
105.	R. S. Murthy	CDA (ORs) South Madras	14-4-81
106.	P. P. Srinivasa Rao	C.D.A. SC Pune	6-4-81
107.	N. P. Singh	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	13-4-81
108.	G. Prameshwar Rao	C.D.A. SC, Pune	14-4-81
109.	N. Ch. Sri Ram Iyengar	C.D.A. SC, Pune	22-6-81
110.	Vinod Behari Pal	C.D.A. AF, Dehradun	6-4-81
111.	Hukam Singh	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	6-4-81
112.	Omendra Pal Singh	C. D. A. (ORs) North Meerut	7-4-81
113.	V. Pallam Raju	C. D. A. AF, Dehradun	8-5-81
114.	Zamir Hussain	C.D.A. (ORs) North Meerut	14-5-81
115.	Jag Roshan Lal	C. D. A. Patna	19-5-81
116.	N. C. Indra	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	4-5-81
117.	Sita Ram Gupta	Jt. C.D.A. (Funds) Meerut	1-5-81
118.	K. C. Gopinathan	C.D.A. SC, Pune	8-5-81
119.	S.R. Mukherjee	C. D. A. Patna	4-5-81
120.	Satish Chandra Gupta	CDA SC, Pune	11-5-81
121.	K.K. Bhatia	C.D.A. WC, Meerut	7-5-81
122.	K.P. Mishra	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	28-5-81
123.	Ramji Gupta-II	C.D.A. SC, Pune	11-5-81
124.	Avdesh Bahadur Singh	Jt. C.D.A. (Funds) Meerut	29-5-81
125.	R.K. Sinha	C. D. A. SC, Pune	26-6-81
126.	Rama Pati Tripathi	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	14-5-81
127.	Ram Pal Singh	C. D. A. WC, Meerut	30-5-81
128.	Gaya Dutta Misra	C.D.A. Pensions Allahabad	6-5-81
129.	Ramesh Chandra Srivastava	C.D.A. Patna	22-5-81
130.	BBL, Mathur	C.D.A. WC, Meerut	1-5-81

1	2	3	4
	S/Shrl		
131.	L.V. Viswanathan	C.D.A. Pensions, Allahabad	8-5-81
132.	Shambhu Nath Yadav	C.D.A. CC, Meerut	25-5-81
133.	Abhai Narain Singh	C.D.A. (ORs) North Meerut	18-7-81
134.	Raj Kishore	C.D.A. (ORs) North Meerut	1-5-81
135.	Surya Prakash Kaushik	C.D.A. Pensions Allahabad	30-5-81
136.	Om Prakash Kacker	C.D.A. (Officers) Pune	12-5-81
137.	G. K. Tandon	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	13-5-81
138.	Subhash Chandra Aggarwal	C.D.A CC, Meerut	13-5-81
139.	Suresh Chandra Saxena	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	30-7-81
140.	S.C. Vij	Controller of Accnts (Fys) Calcutta	29-6-81
141.	D. P. Verma	Controller of Accts. (Fys) Calcutta	30-6-81
142.	G. M. Debadghao	C.D.A. SC, Pune	5-6-81
143.	R.R. Mathur	C.D.A. (Officers) Pune	14-9-81
144.	R. Venkataramanan	C.D.A. SC Pune	6-6-81
145.	P.G. Janarathanan	C. D. A.Officers Pune,	5-6-81
146.	Vijay Pal Singh	C. D.A. Patna	27-6-81
147.	C. Govindan	C.D.A. (ORs.) South Madras	9-6-81
148.	Gopal Sharan	Jt. C.D.A. (Funds) Meerut	5-6-81
149.	Raj Kumar	C.D.A. WC, Meerut	11-9-81
150.	Bir Kumar Anand	C.D.A. Officers, Pune	24-6-81
151.	Ram Dular Singh	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	29-6-81
152.	G.S. Bhatia	C.D.A. Pension Allahabad.	10-6-81
153.	K.V. Anjaneyulu	C..A. Navy Bombay	8-7-81
154.	B. Venkateswarlu	C.D.A. AF Dehradun	8-7-81
155.	Braham Prakash Saxena	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	31-7-81
156.	M. Viswewwara Rao	C. D. A. Officers Pune	2-7-81
157.	S. Gopal	C.D.A. (ORs) South Madras	8-7-81
158.	H.V. Gupte	C. D. A. Officers Pune.	1-7-81
159.	Lallan Prasad Chaurasia	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	1-7-81
160.	Vir Singh	C. D. A. (ORs) Central Nagpur	13-7-81
161.	Madan Swarup	C. D. . Pensions Allahabad.	1-7-81
162.	M.P. Varshney	C.D.A. CC, Meerut	4-7-81
163.	Asnani Harl	C.D.A. Pensions Allahabad	4-7-81
164.	Hira Nand Upadhyaya	C.D.A. CC, Meerut	11-8-81
165.	S. N. Bansal	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	17-9-81
166.	R.L. Sharma	C.D.A. CC, Meerut	1-8-81
167.	T. R. Laroia	C.D.A. NC Jammu	10-8-81
168.	S.D.S. Chanraul	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	24-9-81
169.	A.G. Choudhury	C.D.A. CC, Meerut	10-8-81
170.	Stya Pal Singh	C.D.A. AF, Dehradun	1-8-81
171.	T.R. Sharma	C.D.A. WC, Meerut	1-8-81
172.	Lakshman Singh	C.D.A. Patna	31-8-81
173.	Har Pal Singh	Jt. C.D.A. (Funds) Meerut	10-8-81
174.	Abdul Khaliq	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	25-2-82
175.	S.P. Asthana	C.D.A. (Officers) Pune.	17-8-81
176.	S. B. Roy Chowdhury	Controller of Accounts(Fys) Calcutta	1-8-81
177.	M. Gopalakrishnan	C.D.A. Officers Pune	3-8-81
178.	P. Ramulu	C.D.A. Pensions Allahabad	13-8-81
179.	K. Subba Rao	C. D. A. Officers Pune	30-10-81
180.	S. T. Chari	C.D.A. (ORs) South Madras	1-8-81
181.	R. Satyanarayana	C.D.A. SC, Pune	1-8-81
182.	M. Sambasiva Rao	C.D.A. (ORs) South Madras	31-8-81
183.	K.L. Tripathi	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	11-8-81
184.	V. P. Subramanian	C.D.A., SC, Pune	29-8-81
185.	A.K. Gosh	C.D.A. Patna	30-11-81
186.	Hari Vansh Dube	C.DA. (ORs) Cental Nagpur	27-8-81
187.	V. Narayanaswami	C.D.A. (Officers) Pune	30-9-81
188.	T. Govind Rajulu	C.D.A. (Officers) Pune.	1-9-81
189.	T Krishnan	C.D.A. (ORs) South Madras	3-9-81
190.	A.G. Karlekar	C.D.A. (Officers) Pune.	1-9-81
191.	V.S . Kaluram	C.D.A. WC, Meerut	7-9-81
192.	S.K. Jain	Jt. C.D.A. (Funds) Meerut	1-9-81
193.	S.G. Srimivasan	C.D.A. (ORs) South Madras	10-9-81

1 2

3

4

S/Shri

194.	S. L. Sharma	C.D.A. NC, Jammu	1-9-81
195.	Kuppaswamy	C.D.A. SC, Pune	16-9-81
196.	C. Shanmugasundaram	C.D.A. AF, Dehradun	5-9-81
197.	Kewal Krishna	C.D.A. AF, Dehradun	1-9-81
198.	S.A. Venkataraman	C.D.A. (ORs) South Madras	5-9-81
199.	G. Veeraraghavan	C.D.A. Officers Pune	10-9-81
200.	Yashpal Singh	C.D.A. WC, Meerut	1-9-81
201.	Raj Pal Singh	C.D.A., Patna	14-10-81
202.	Kailash Chandra Agarwal	C.D.A. CC, Meerut	1-10-81
203.	Ram Rasik Singh	C.D.A. Patna	28-10-81
204.	M. Bhaskarudu	Controller of Accounts(Fys) Calcutta	14-10-81
205.	Afzal Elahi	C.D.A. Pensions Allahabad	1-10-81
206.	R. P. Gupta	C.D.A. Patna NBR, wef	22-10-81
207.	Tara Singh Shishodia	C.D.A. CC, Meerut	22-10-81
208.	S. Venkataramana	C.D.A. SC, Pune	12-10-81
209.	M. Maria alphonse	C.D.A. S. C. Pune	5-10-81
210.	Jagadish Prasad Dixit	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	12-10-81
211.	P. Lakshmanan	C.D.A. (HQrs.) New Delhi	28-10-81
212.	S. Malayappan	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	19-10-81
213.	Kamal Gango Padhyay	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	1-10-81
214.	Suresh Chandra Gupta	C.D.A. WC, Meerut	4-11-81
215.	S. Lakshminarayanan	C.D.A. SC, Pune	3-11-81
216.	Tarsom Lal	C.D.A. NC, Jammu	16-11-81
217.	P. Srinivasan	C.D.A. Officers Pune	4-11-81
218.	Narendra Kumar	C.D.A. WC, Meerut	3-11-81
219.	K. Sowrirajulu	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	12-11-81
220.	Raj Bali Shukla	C.D.A. Pensions Allahabad	12-3-82
221.	S. M. Yusuf	C.D.A. Navy Bombay	16-11-81
222.	Verendra Prakash Rastogi	C.D.A. Pensions Allahabad	1-2-82
223.	S. Suryanarayananamurthy	C.D.A., SC, Pune	14-12-81
224.	Raghu Nath Gopal Joshi	C.D.A. Officers Pune	1-12-81
225.	M.L. Rishbud	C.D.A. Officers Pune	4-12-81
226.	S. Subramanian	C.D.A. SC, Pune	30-12-81
227.	N. N. Gosain	C.D.A. (ORs) North Meerut	1-12-81
228.	Gurdial Singh	C.D.A. (ORs) North Meerut	31-12-81
229.	G.W. Bhave	C.D.A. SC, Pune	1-12-81
230.	Ramesh Chandra Roy	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	16-12-81
231.	S. N. Trigunayat	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	5-2-82
232.	Uma Shanker Mehta	C.D.A. NC, Jammu	2-12-81
233.	B.M.L. Sarin	C.D.A. Navy Bomay	30-12-81
234.	Gangeshwar Upadhyaya	C.D.A. CC, Meerut	8-12-81
235.	Dinesh Misra	C.D.A. AF, Dehradun	4-1-82
236.	M. Mam Foozur Rehman	C.D.A. (ORs) North Meerut	30-12-81
237.	A.S.B. Shah	C.D.A. Pensions Allahabad	11-12-81
238.	Bharat Mitra Ahuja	C.D.A. Officers Pune	29-4-81
239.	Shiv Kumar Mittal	C.D.A. Patna	31-1-81
240.	Puran Chand	C.D.A. Patna	27-3-81
241.	V.M. Raikhare	C.D.A., Patna	31-3-81
242.	S.C. Sudan	C.D'A. Patna	27-2-81
243.	Dwarakanath Gulati	C.D.A., Patna	28-1-81
244.	Har Prasad Chanchal	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	23-2-81
245.	S.L. Gupta	C.D.A. WC, Meerut NBR, wef	12-1-81
246.	Gobind Ram Kakat	C.D.A. Patna	12-1-81
247.	Jagdish Chandra Verma	C.D.A. Patna	10-2-81
248.	A. Dutta Gupta	C.D.A. (ORs) North Meerut	7-1-81
249.	O.P. Bhola	C.D.A. (ORs.) Central Nagpur	30-1-81
250.	P. Purnachandra Rao	C.D.A. (Pensions) Allahabad	20-2-81

**MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD**
Calcutta-16, the 22nd July 1982

No. 37/G/82—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Assistant Manager (Prob.) with effect from the dates shown against them until further orders :—

Sl. No.	Name	Date of joining
1	2	3
S/Shri		
1. C.V. Subbaiah		31-1-81
2. Vanupa Zathang		26-2-81
3. N.K. Sinha		15-7-81
4. K. Krishna Moorthy		9-9-81
5. T.T.S. Kripa Venkatesan		10-10-81
6. Shri R. Rajasekharan		14-10-81
7. M.K. George Kutty		15-3-82
8. P.K. Shrivastava		8-4-82

V. K. MEHTA,
Assistant Director General Ordnance Factories.

**MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS**
New Delhi, the 1st July 1982
IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 1/2/82-Admn(G)/3968.—The President is pleased to appoint Shri J. K. Mathur, (CSS Grade I Select List-1980) to officiate in Grade I of the CSS and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office for a further period of two months with effect from 1-5-1982.

V. SESHAN,
Joint Chief Controller of Imports & Exports

**MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)**
New Delhi, the 22nd July 1982

No. A-12018(1)/79-A(HE)-G.S.R.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Con-

stitution the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Chief Estimator in the Small Industries Development Organisation under the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) namely :—

1. *Short title and commencement*—(1) These rules may be called the Small Industries Development Organisation (Chief Estimator) Recruitment Rules, 1982.

II. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. *Number, classification and scale of pay*—The number of this said post, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 and 4 of the Schedule annexed to these Rules.

3. *Method of recruitment, age limit and qualifications*—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. *Disqualification* : No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. *Power to relax*—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. *Saving*—Nothing in these rules shall affect reservation, relaxation of age-limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Caste, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment Rules for the post of Chief Estimator in the Small Industries Development Organisation

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether added yrs. of service admissible under rule 30 of the C.C.S. Pension Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	6(a)	7

Chief Estimator	1 subject to variation depending on workload	General Service Group 'B' Non-Gazetted Non-Ministrial	Rs. 700-30-760-35-900	Selection	N.A.	N.A.	N.A.
-----------------	--	---	-----------------------	-----------	------	------	------

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of Recrt. whether by direct recrt. or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recrt. by promotion/deputation/ transfer, grades from which promotion/ deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recrt.
8	9	10	11	12	13
N.A.	2 years	By promotion	Promotion Draughtsman Gr. I with 8 yrs. service in the grade rendered after appointment thereto on regular basis	Group 'B' DPC 1. Director (Admn.) Chairman 2. Director of Tech. Divn. concerned (Member) 3. Dy. Dir. (Admn.) Member 4. An Officer appropriate status belonging to SC/ST (Member)	Consultation with UPSC necessary while amending/ relaxing any of these rules

H. L. JUNEJA,
Dy. Director (Admn)

New Delhi, the 24th July 1982

No. 12/447/64-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri N. S. Nayar, Assistant Director (Gr. I) (Industrial Management & Training), Small Industries Service Institute, Trichur as Deputy Director (Industrial Management & Training) on ad-hoc basis at Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the forenoon of 21-6-82 until further orders.

No. A-19018(68)/73-A(G).—The President is pleased to permit Shri S. Guruswami, Asstt. Director (Gr. I) (EI) SISI, Madras, to retire from Government Service on attaining the age of superannuation w.e.f. afternoon of 30-6-1982.

No. A-19018/608/82-A(G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri A. R. Singh, Small Industry Promotion Officer, Small Industries Service Institute, Hyderabad as Assistant Director (Gr. II) (G/C) at Small Industry Service Institute, Madras with effect from the forenoon of 14-6-82 until further orders.

The 27th July 1982

No. A-19018(279)/77/A(G).—The President is pleased to appoint Shri N. P. Bhatnagar, Assistant Director (Gr. II) (EI) Small Industries Service Institute, Solan as Assistant Director (Gr. I) (EI) on ad hoc basis in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), (New Delhi) with effect from the forenoon of 29-6-82 until further orders.

The 28th July 1982

No. A-19018(570)/81-A(G).—The President is pleased to appoint Shri S. Balasughavanam, Small Industries Promotion Officer (L/F), Small Industries Service Institute, Madras as Asstt. Director (Gr. I) (L/F) at the same Institute with effect from the forenoon of 26-6-82 until further orders.

C. C. ROY,
Deputy Director (Admn.)

**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)**

New Delhi-1, the 21st July 1982

No. A-1/1(1130).—The Director General, Supplies & Disposals is pleased to grant extension in service to Shri K. V. Sivaramakrishnan, Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of Director of Supplies & Disposals, Bombay for a

period of six months beyond the age of superannuation viz. from 1st July 1982 to 31st December 1982.

No. A-1/1(1039).—Shri J. L. Shah, Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of the Director of Inspection, Calcutta retired from Government Service with effect from the afternoon of 31st May, 1982 on attaining the age of superannuation.

The 24th July 1982

No. A-1/1(1195).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri A. K. Chakravarti, Superintendent (Level I) in the office of Director of Inspection, Calcutta to officiate on purely adhoc basis as Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the DS&D, Calcutta with effect from the afternoon of 4-6-1982 against the leave vacancy of Shri H. N. Samaddar, Assistant Director (Admn.) (Gr. II).

S. L. KAPOOR
Dy. Dir. (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

**ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)**

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-700016, the 19th July 1982

No. 4968B/A-32014(2)OS/81/19B.—The ad hoc promotion of Shri H. P. Majumdar to the post of Officer Surveyor in the Geological Survey of India is regularised with effect from 28-6-82 (FN).

The 21st July 1982

No. 3482D/A-19012(DTS)/81/19A.—Shri D. T. Syiemleih is appointed as Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 5-6-1982, until further orders.

No. 3493D/A-32013(AO)/78/19A.—Shri Jameel Ahmed, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on ad hoc basis with effect from the forenoon of 5-4-1982 to 10-5-1982 (FN) against the leave vacancy of Shri C. N. Dakshinamurti, Administrative Officer, Southern Region, Hyderabad, Geological Survey of India.

J. SWAMI NATH,
Director General

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 12th July 1982

No. C-5835/707—The undermentioned officers who were appointed to officiate as Officer Surveyor, purely on *ad-hoc provisional basis* are now appointed to officiate as such on regular basis with effect from the date as stated against each:—

Sl. No.	Name	No. and date of Notification under which appointed on ad-hoc pro- visional basis	Unit/Office to which posted	Date of promotion
1	2	3	4	5
1.	Shri M.K. Guha	Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78	No. 76 (Photo) Party (SEC), Bhubaneswar	1-2-82
2.	Shri S.G. Agarwal	Do.	No. 20 (Photo) Party (NC), Dehra Dun	21-1-82
3.	Shri Pramod Chandra	Do.	No. 45 Party (C.C.), Jabalpur	1-2-82
4.	Shri Ramdas Chakrabarty	Do.	No. 37 Party (E.C.), Calcutta	2-2-82 (AN)
5.	Shri N. Srinivasan	Notification No. C-5403/707 dated 17-8-78	No. 67 (FSP) Party (Surair), Coimbatore	23-1-82
6.	Shri B.S. Rawat	Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78	No. 47 Party (S.T.I.), Hyderabad	2-2-82
7.	Shri P.G.P. Panikkar	Notification No. C-5395/707 dated 24-7-78	Research & Development Directorate, Hyderabad	25-1-82
8.	Shri Pritam Singh	Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78	No. 93 (QCAP) Party (Surair), New Delhi	23-1-82

No. C. 5836/707—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810 -EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on *ad-hoc provisional basis* :—

Sl. No.	Name and Designation	Unit/Office	With effect from
1	2	3	4
1.	Shri Parshotam Das, Surveyor Sel. Gd.	No. 32 (Photo) Party (W.C.) Abu	12-3-82 (FN)
2.	Shri H.O.P. Mathur, Surveyor Sel. Gd.	No. 32 (Photo) Party (W.C.) Abu	2-2-82 (FN)
3.	Shri Rajbir Singh, Surveyor Sel. Gd.	No. 92 Party (S.E.C.) Varanasi	29-1-82
4.	Shri B.S. Negi, Draftsman Div. I. Sel. Gd.	No. 83 Party (W.C.) Jaipur	2-2-82 (FN)
5.	Shri P.C. Pandey, Draftsman Div. I. Sel. Gd.	No. 83 Party (W.C.) Jaipur	2-2-82 (FN)
6.	Shri P. K. Kochu Mohd., Survey Assistant Sel. Gd.	No. 8 Party (S.C.) Bangalore	2-2-82 (FN)
7.	Shri K.S. Srivastava, Survey Assistant Sel. Gd.	No. 83 Party (W.C.) Jaipur	15-2-82
8.	Shri Jagdish Mittor, Survey Assistant Sel. Gd.	No. 34 Party (P.M.P.) Hyderabad	1-2-82 (FN)
9.	Shri S.D. Palani, Survey Assistant Sel. Gd.	No. 17 Party (S.C.) Bangalore	2-2-82 (FN)
10.	Shri V. S. Negi, Surveyor Sel. Gd.	No. 11 Party (S.E.C.) Ranchi	12-3-82 (FN)
11.	Shri R.C. Sharma, Surveyor Sel. Gd..	No. 92 Party (S.E.C.) Varanasi	27-2-82 (FN)
12.	Shri K. D. Mehta, Survey Assistant Sel. Gd.	No. 76 (Photo) Party (SEC) Bhubaneswar	26-2-82 (FN)
13.	Shri S.N.S. Panwar, Draftsman Div. I Sel. Gd.	No. 11 D. O. (S.E.C.) Bhubaneswar	6-3-82

No. C-5837/707—The undermentioned officers who were appointed to officiate as Officer Surveyor, purely on *ad hoc provisional basis* are now appointed to officiate as such on regular basis with effect from the date as stated against each :—

Sl. No.	Name	No. and date of Notification under which appointed on adhoc provisional basis	Unit/Office to which posted	Date of promotion
1	2	3	4	5
1.	Shri P. V. Ganesh	Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78	No. 4 D. O. (SC), Bangalore	8-9-81
2.	Shri K.N. G. K. Pillai	Notification No. C-5395/707 dated 24-7-78	No. 47 Party (STI), Hyderabad	14-9-81
3.	Shri Nirmal Singh	Notification No. C-5403/707 dated 17-8-78	No. 57 Party (NWC), Chandigarh	14-9-81

Dehra Dun, the 14th July 1982

No. E1-5840/PF(M. K. Jain).—The resignation tendered on 8-2-1971 by Shri M. K. Jain, who was appointed as Officer Surveyor in the Survey of India Class II (now Group 'B') Service vide this office Notification No. E1-3735/579-Sel. 68 (Cl. II) dated 13-1-1969, is hereby accepted.

G. C. AGGARWAL,
Major General
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 19th July 1982

No. 2/11/82-SI.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Praduman Prasad Accountant AIR, Patna to officiate as Administrative Officer at All India Radio, Ranchi with effect from 28-4-1982 (FN).

S. V. SESHADRI,
Deputy Director (Admn.)
for Director General

New Delhi-1, the 21st July 1982

No. 4(50)/81-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Sadhana Bhatt as a Programme Executive, All India Radio, Ahmedabad in a temporary capacity with effect from the 15th April, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

The 26th July 1982

No. 4(29)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Md Ali Mian Mauj as Programme Executive, All India Radio, Lucknow in a temporary capacity with effect from the 4th June, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

H. C. JAYAL, Dy. Dir. (Admn.)
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-400 026, the 17th July 1982

No. 2/4/64-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri P. V. Marathe, Permanent Library Asstt. in the Films Division, Bombay to officiate as Librarian in the Scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 5th July, 1982 to 26th August, 1982 *vice* Shri M. N. R. Khan Afridi, Permanent Librarian sent on training course to National Archives of India, New Delhi.

S. K. ROY,
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 9th July 1982

No. A-31013/2/79-Exh.(A).—The Director of Advertising and Visual Publicity is pleased to appoint Shri M. S. Shantheram substantively in the post of Field Exhibition Officer in the Directorate of Advertising & Visual Publicity with effect from 22nd June, 1982.

Y. VARMA,
Dy. Dir. (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 20th July 1982

No. A.19019/64/77(NTI)Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri V. A. Menon, X-ray Engineering in the National Tuberculosis Institute, Bangalore, retired from Government Service on the afternoon of the 28th February, 1982.

No. A.12026/5/82(ISS)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Nath (an officer of Grade III of the I.S.S.) to the post of Assistant Professor of Statistics at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 15th June, 1982 & until further orders.

T. C. JAIN,
Dy. Dir. Admn. (O&M)

New Delhi, the 20th July 1982

No. 31013/10/80(AIIHPH)Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. R. K. Sinha in a substantive capacity to the post of Assistant Professor of Biophysics at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta with effect from the 1st June, 1978.

S. L. KUTHIALA,
Dy. Dir. Admn. (PH)

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 24th June 1982

No. A. 19023/53/78-A.III.—Shri D. S. Sobti, Marketing Officer of this Directorate at New Delhi, has retired voluntarily from Government service w.e.f 12-6-1982 (A.N.) in terms of FR-56 (K).

No. A-19023/3/82-A.III.—Shri N. Gamarudheen, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group 1) in this Directorate at Bangalore w.e.f. 30-6-1982 (F.N.) on purely ad-hoc basis for a period of 3 months or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

2. Consequent on his promotion as Marketing Officer, Shri Gamarudheen relinquished charge of the post of Asstt. Marketing Officer at Tuticorin in the afternoon of 21-6-1982.

G. S. SHUKLA
Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 20th July 1982

No. Ref : DPS 23/1/81-Est./15712.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Vasant Vitthal Sawant, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant of this Directorate to officiate as an Assistant Accounts Officer (ad-hoc) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Directorate with effect from January 6, 1982 (FN) to June 24, 1982 (AN).

The 22nd July 1982

No. DPS/23/1/81-Est./15751.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Mahalingam Srinivasan, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts Officer of this Directorate to officiate as an Accounts Officer-II (ad-hoc) in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from February 16, 1982 (FN) to June 24, 1982 (AN).

No. DPS/23/1/81-Est./15756.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Attur Plsharody Chenthamarakshan, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant of this Directorate to officiate as an Assistant Accounts Officer (ad hoc) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-

880-EB-40-960 in the same Directorate with effect from May 1, 1982 (FN) to June 5, 1982 (AN).

No. DPS/23/1/81-Est./15761.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Vishwas Baburao Ghorpade, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant of this Directorate to officiate as an Assistant Accounts Officer (ad-hoc) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Directorate with effect from April 19, 1982 (FN) to May 31, 1982 (AN).

K. P. JOSEPH
Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-16, the 24th July 1982

No. AMD-2/2856/79-Adm.—The resignation tendered by Shri N. R. Kule from the post of Scientific Officer/SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division with effect from June 26, 1982 (Afternoon).

T. D. CHADGE
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 21st July 1982

No. 05000/K-142/3511.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Sundaresan Krishnamurthy, a permanent Stenographer (Senior) of Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Assistant Personnel Officer in Heavy Water Projects (Central Office) in a temporary capacity, w.e.f. June 21, 1982 (FN) until further orders.

The 22nd July 1982

No. Ref : 05012/R3/31/3538.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Dayal Sadhuram Israni, a permanent Accountant and officiating Assistant Accounts Officer of Atomic Minerals Division to officiate as Accounts Officer-II in Heavy Water Project (Kota) in a temporary capacity, w.e.f. February 19, 1982 (AN) until further orders.

S. SWAMINATHAN
Senior Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP, the 20th July 1982

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic

The 20th July 1982

No. A. 32014/2/82-EC.—The President is pleased to appoint the following communication Assistants in the Civil Aviation Department to the grade of Assistant Communication Officer on adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-1200 with effect from the date indicated against each and to post them to the stations indicated against each:—

Sl. No.	Name	Present Stn. of posting	Stn. to which posted	Date of taking over Charge
1	2	3	4	5
S/Shri.				
1.	G.N. Oka	Ahmedabad	Baroda	26-5-82 (FN)
2.	M.S. Gogate	Bombay	Bombay	30-4-82 (FN)
3.	B.P. Pramanik	Calcutta	Calcutta	29-4-82 (FN)
4.	K.L. Patwa	Agartala	Gauhati	3-6-82 (AN)
5.	J.N. Mitra	Calcutta	Calcutta	29-4-82 (FN)
6.	K.N. Datta	Calcutta	Culcutta	1-5-82 (FN)
7.	M.K. Chakrapani	Coimbatore	Hyderabad	21-5-82 (FN)
8.	V.J. Hudder	Nagpur	Hyderabad	30-6-82 (FN)
9.	B. C. Biswas	Calcutta	Calcutta	29-4-82 (FN)
10.	Edwin Thomas	Visakhapatnam	Trichy	29-5-82 (FN)
11.	R.N. Misra	Lucknow	Lucknow	29-5-82 (AN)
12.	A.K. Chowdhury	Calcutta	Calcutta	30-4-82 (FN)
13.	C.R. Kutty	Bombay	Bombay	30-4-82 (FN)
14.	B.N. Sarkar	Calcutta	Calcutta	29-4-82 (FN)

Energy appoints Shri K. K. Purushothaman, a permanent Assistant Accountant in this Power Station as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on ad-hoc basis in the same Station with effect from the forenoon of May 17, 1982 and upto June 26, 1982 vice Shri V. S. Khandekar, Assistant Accounts Officer proceeded on leave.

No. TAPS/2/1458/80.—Consequent on his transfer to the Directorate of Purchase & Stores, Bombay, Shri S. Krishnan, a permanent Assistant Personnel Officer and officiating Administrative Officer-II in this Power Station relinquished charge of the post of Admo II on July 3, 1982 (AN).

C. SHANKAR
Chief Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 14th July 1982

CORRIGENDUM

No. A. 35-018/6/79-E.I.—In partial modification of this office Notification number A.35018/6/79-E.I, dated the 26th June, 1982 regarding relieving of Sh. P. L. Vishwanathan, Assistant Director, Civil Aviation Security, Madras please read "(Afternoon)" instead of (forenoon) in fourth line after 9-6-1982.

S. GUPTA
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 15th July 1982

No. A-38013/1/82-EA.—Shri V. Raja Ram, Senior Aerodrome Officer, Office of the Regional Director, Madras retired from Government services on 1-5-82 on attaining the age of superannuation.

S. GUPTA
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 12th July 1982

No. A. 38015/3/82-EC.—The President is pleased to permit Shri B. S. Ahluwalia, Technical Officer, in the office of the Aeronautical Communication Station, Delhi Airport, Palam, New Delhi to retire from Government service with effect from 24-4-1982 (A/N) under the provision of F.R. 56 (K).

1	2	3	4	5
15.	D.L. Hete	Bombay	Bombay	30-4-82 (FN)
16.	R.P. Joshi	Bombay	Bombay	30-4-82 (FN)
17.	G.A. Nair	Trivandrum	Trivandrum	1-5-82 (FN)
18.	G.L. Chawla	Bombay	Bombay	30-4-82 (FN)
19.	R.K.D. Chowdhury	Silchar	Gauhati	15-5-82 (FN)
20.	S.D. Bhalla	Bombay	Bombay	30-4-82 (FN)
21.	T.K. Ghosh	Calcutta	Calcutta	29-4-82 (FN)
22.	D.S. Karmalkar	Bhopal	Bhopal	3-5-82 (FN)
23.	K.S.N. Iyer	Bombay	Bombay	30-4-82 (FN)
24.	D.N. Hajdar	Calcutta	Calcutta	30-4-82 (FN)
25.	S.K. Nandi	Calcutta	Calcutta	11-5-82 (FN)
26.	A.S. Sivarama Krishnan	Nagpur	Nagpur	24-5-82 (FN)
27.	P. Bose	Calcutta	Calcutta	29-4-82 (FN)
28.	S.S. Sandhu	Bombay	Bombay	30-4-82 (FN)
29.	R.L. Sundor Raj	Bombay	Bombay	30-4-82 (FN)
30.	B.C. Datta	Calcutta	Calcutta	10-5-82 (FN)
31.	N.R. Bose	Agartala	Agartala	29-4-82 (FN)
32.	M.T. Rajarishi	Bombay	Bombay	30-4-82 (FN)
33.	P.G. Chandarana	Bombay	Bombay	30-4-82 (FN)
34.	S.K. Biswas	Calcutta	Calcutta	4-5-82 (FN)
35.	A.K. Biswas	Jodhpur	Gwalior	31-5-82 (FN)
36.	S.N. Ganguly	Calcutta	Calcutta	1-5-82 (FN)

PREM CHAND
Assistant Director (Admn.).

New Delhi, the 24th July 1982

No. A. 31016/1/82-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri M. C. Mahay in a substantive capacity in the grade of Administrative Officer in the Civil Aviation Department with effect from 25-6-82.

E. L. TRESSLOR
Asstt. Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the July 1982

No. 1/430/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Narain Singh, Asstt. Administrative Officer, New Delhi Branch as Administrative Officer, in an officiating capacity in the same Branch for the period from 4-5-82 to 7-6-82 purely on ad-hoc basis.

No. 1/522/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri C. J. D'Souza Supervisor, Bombay Branch, as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch with effect from the forenoon of the 14th June, 1982, and until further orders.

The 22nd July 1982

No. 1/236/82-EST.—Shri V. Swaminathan, Administrative Officer, Headquarters Office, Bombay retired from service, with effect from the afternoon of the 30th June, 1982, on attaining the age of superannuation.

H. L. MALHOTRA
Dy. Director (Admn.)
for Director General

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 24th July 1982

No. 12/82.—Shri K. K. Agarwal lately posted as Under Secretary in the Ministry of Finance (Department of Revenue) on transfer to the Delhi Bench of Customs, Excise & Gold (Control) Appellate Tribunal, Vide Department of Revenue order No. 105/82 (F. No. A22012/34/81-Ad. II (Pt.) dated

5-6-1982 assumed charge of the post of Junior Departmental Representative Group 'A' in the Directorate of Inspection & Audit Customs and Central Excise, New Delhi on 8-6-1982 (F.N.).

No. 13/82.—Shri Ravi Sandill, Lately posted as Assistant Collector Central Excise Collectorate Patna, on transfer to the Delhi Bench of the Appellate Tribunal, Customs, Excise and Gold Control in the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise, New Delhi Vide Department of Revenue order No. 108/82 (F. No. A38012/11/82-Ad. II) dated 23-6-82 assumed charge of the post of Junior Departmental Representative Group 'A' with effect from 29-6-82 (Forenoon).

No. 14/82.—Shri A. S. Sundara Rajan, lately posted as Senior Analyst in the Directorate of Draw-back, Department of Revenue, New Delhi on transfer as Junior Departmental Representative (Group 'B') in the Customs, Excise and Gold Control, Appellate Tribunal for Delhi Bench within the Directorate of Inspection and Audit, Customs & Central Excise vide Ministry of Finance (Department of Revenue) Order F. No. A-12034/3/82-Ad. II(A) dated 29-6-1982, assumed charge of the post w.e.f. 5-7-1982 (Forenoon).

S. B. SARKAR
Director of Inspection

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400038, the 22nd July 1982

No. 11-TR(5)/79.—The President is pleased to accept the resignation of Shri U. B. Ranade, Engineer Officer, Directorate of Marine Engg. Training, Bombay with effect from forenoon of 21st October, 1981.

P. GHOSH
Dy. Director General of Shipping

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 26th July 1982

F. No. A. 22014/1/82-Estt. I.—Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri A. K. Sinha to the

grade of Extra Assistant Director (Publication) in the Central Water Commission in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the officiating capacity with effect from 6-7-82 until further orders.

Shri A. K. Sinha, Extra Assistant Director (Publication) will be on probation in the grade of Extra Assistant Director (Publication) for a period of two years with effect from the aforesaid date.

K. L. BHANDUJA
Under Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Chand Rice Mills Private Limited*

Shillong, the 12th July 1982

No. 982/560(3)/1388(B).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of M/s. Chand Rice Mills Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. R. KOM
Registrar of Companies
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,
Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Management & Tax Consultants Private Ltd.*

Bangalore, the 21st July 1982

No. 2207/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Management & Tax Consultants Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

Sd. ILLEGIBLE:
Registrar of Companies
Karnataka, Bangalore

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Diwan Builders & Colonizers Private Limited*

Jullundur City, the 21st July 1982

No. G/Stat/560/3460/3273.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Diwan Builders & Colonizers Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Hindustan Exchange Limited*

Jullundur City, the 21st July 1982

No. G/Stat/560/1047/3268.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Hindustan Exchange Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. R. N. V. S. Brothers Private Limited*

Jullundur City, the 21st July 1982

No. G/Stat/560/3198/3271.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. R. N. V. S. Brothers Private Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

N. N. MAULIK
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

Hyderabad, the 9th July 1982

No. 139 [C.R. No. 12/Estdt./82].—The undermentioned Income tax Officer is confirmed as Income tax Officer, Class-II with effect from the date noted against his name at Column No. 3.

S. No.	Name of the ITO & Designation & place at which working	Date from which confirmed	How the vacancy has arisen
1	2	3	4
1.	Shri G. Satyanarayananmurthy, Income tax Officer, Palakole	1-7-1982	Due to retirement of Sri M. G. Baig, ITO Class-I.

2. The date of confirmation is subject to modification at a later date, if necessary.

M. S. NARAYANAN
Commissioner of Income tax,
Andhra Pradesh-I, Hyderabad.

FORM ITNS

(1) Smt. Vimla Sahu.

(Transferor)

(2) Smt. Rukmani Devi

(Transferee)

(3) Above transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX**ACQUISITION RANGE****57, RAM TIRTH MARG****LUCKNOW**

Lucknow, the 29th May 1982

G.I.R. No. R-169/Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Khasra No. 251 situated at Iradat Nagar, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 7-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ('11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One Ahata—plot of land bearing Khasra No. 251 admeasuring 5500 sq. ft. situated at Iradat Nagar, Sitapur Road near Shia College, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6718, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 7-11-1981.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

A. PRASAD
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 29-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE

57, RAM TIRTH MARG

LUCKNOW

Lucknow, the 30th May 1982

G.I.K. No. P-93/Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. B/5, Khasra No. 992 situated at I.T. College Crossing, Lucknow,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 26-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—196GI/82

(1) Smt. Annapurna Devi.

(Transferor)

(2) Pragatisheel Sahkari Griha Nirman Samiti Ltd., Nirala Nagar, Lucknow, Through Hon'ble Secretary, Shri S. P. Misra.

(Transferee)

(3) Above transferee,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B/5, measuring 5121 sq. ft. along with structure situated on Nazul Plot No. 12, Khasra No. 992, situated at I.T. College Crossing, Lucknow, and all that description of the properties which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 7059/81, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 26-11-1981.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 30-5-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG
LUCKNOW

Lucknow, the 30th June 1982

G.I.R. No. S-231/Acq.—Whereas I, A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 296B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. B/5 situated at I.T. College Crossing.
Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Lucknow on 27-11-1981,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) M/s Pragatisheel Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd.
Through Shri S. P. Mirza, Secretary.
(Transferor)

(2) 1. Smt. Saraswati Devi.
2. Smt. Roop Lekha Agarwal.
3. Smt. Reena Agarwal.
4. Smt. Meera Agarwal.
(Transferee)

(3) Above transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. B-5, Khasra No. 992, measuring 5121 sq. ft.
situate at I.T. College Crossing, Lucknow, and all that description
which is mentioned in the sale deed and Form 37G
No. 7084/81, which have duly been registered at the office
of the Sub-Registrar, Lucknow, on 27-11-1981.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 30-6-1982
Seal

FORM I.T.N.S.

(1) Pragatisheel Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd., C-207, Nirala Nagar, Lucknow.
(Transferor)

(2) 1. Shri Ramji Lall Agarwal,
2. Radhey Lall Agarwal.
3. Murari Lall Goyal.
4. Ashok Kumar Agarwal.

(3) Above transferee.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG
LUCKNOW
Lucknow, the 30th May 1982

G.I.R. No. R-170/Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nazul Plot No. 12, Khasra No. 992 situate at I.T. College Crossing, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow in November 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereto by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Leaschold Nazul Plot No. 12, part of Khasra Plot No. 992 situate at I. T. College Crossing, Lucknow, and all that description of the properties which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6934/81, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, in November 1981.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

(b) facilitating the concealment of any income or any said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 30-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Raghuvir Sen, GPA Smt. Susheela Rudra, W/o
Shri K. D. Rudra, Sen Villa, M. I. Road, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Mahendra Kumar Bishnoi, S/o Shri Mani Ram
Bishnoi Sri Ganganagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1982

Ref. No. IAC/Acq/1210.—Whereas I, V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of land situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of land measuring 130 sq. mtr. situated on Sansar Villa, M.I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide No. 2884 dated 17-11-1981.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :—

Date : 22-5-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1982

Ref. No. IAC/Acq/1203.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of Plot 11 situated at Jaipur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 28-11-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Sushila Verma, W/o Shri Veerabujee, R/o Chitrangan Marg, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Murlidhar Odhari, S/o Shri Lekhraj Odhari, C-Scheme, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 11, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur measuring 326.66 sq. yds. (274 sq. mtr.) and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 3056 dated 28-11-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-5-1982 .

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1982

Ref. No. IAC/Acq/1211.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of land situated at Jaipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-11-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Raghuvir Sen, GPA Smit, Susheela Rudra, W/o Shri K. D. Rudra, Sen Villa, M.I. Road, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shri Mahendra Kumar Bishnoi, S/o Shri Maniram Bishnoi, Shri Ganganagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of land measuring 70 sq. mtr. situated on Sansar Villa, M.I. Road, Jaipur, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 2881 dated 17-11-1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-5-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Raghuvir Sen, GPA Smt. Susheela Rudra, W/o
Shri K. D. Rudra, Sen Villa, M.I. Road, Jaipur.
(Transferor)
(2) Shrimati Parwati Devi, W/o Shri Ramji Bishnoi,
Shri Ganganager.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1982

Ref. No. IAC/Acq/1208.—Whereas I, V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of land situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 17-11-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of land measuring 137 sq. mtr. situated on Sansar Villa, M.I. Road Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide No. 2886 dated 17-11-1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-5 1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1982

Ref. No. IAC/Acq 1209.—Whereas, I V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of land situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jaipur on 17-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Raghuvir Sen, GPA, Smt. Susheela Rudra, W/o Shri K. D. Rudra, Sen Villa, M.I. Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Parwati Devi Bishnoi, SII, Ganganager. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of land measuring 70 sq. mtr. situated on Sansar Villa, M.I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide No. 2882 dated 17-11-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-5-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Raghuvir Sen, GPA Smt. Sushela Rudra,
W/o Shri K. D. Rudra, Sen Villa, M. I. Road,
Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shrimati Krishna Bishnoi, W/o Shri Lajpatrai
Bishnoi, Shree Ganganagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd May, 1982

Ref. No. IAC/Acq/1212.—Whereas, I V. K. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of land situated at Jaipur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of land measuring 130 sq. mtr. situated on Sansar Villa, M. I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide No 2885 dated 17-11-81.

V. K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—196GI/82

Date : 22-5-82
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Raghuvir Sen, GPA Smt. Susheela Rudra, W/o
Shri K. D. Rudra, Sen Villa, M. I. Road, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shrimati Krishna Bishnoi, W/o Shri Lajpatrai Bishnoi,
Shri Ganganaagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1982

Ref. No. IAC/Acq/1207.—Whereas, J. V. K.
AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of land situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of land measuring 130 sq. mtr. situated on Sansar Villa, M. I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide No. 2879 dated 17-11-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-5-82
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raghuvir Sen, GPA Smt. Susheela Rudra, W/o
Shri K. D. Rudra, Sen Villa, M.I. Road, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Lajpat Rai S/o Shri Maniram Bishnoi,
Shri Gangnagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1982

Ref. No. IAC/Acq.—Whereas, J. V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of land situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(1) Shri Raghuvir Sen, GPA Smt. Susheela Rudra, W/o 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 5 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of land measuring 70 sq. mtr. situated on Sansar Villa, M.I. Road, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 2880 dated 17-11-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-5-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) QF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Raghuvir Sen, GPA Smt. Susheela Rudra, W/o Shri K. D. Rudra, Sen Villa, M.I. Road, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Lajpat Rai, S/o Shri Maniram Bishnoi,
Shri Ganganagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1982

Ref. No. IAC/Acq/1206.—Whereas, I, V. K. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of land situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of land measuring 163 sq. mtr. situated on Sansat Villa, M.I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 2883 dated 17-11-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-5-82
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Sushila Verma, W/o Sh. Veerbabuji, R/o Chitrangan Marg, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Murlidhar Odharani, S/o Shri Lekhraj Odhrani C-Scheme, Jaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1982

Ref. No. IAC/Acq/1204.—Whereas, I, V. K.

AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 11 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 11, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur, measuring 326.66 sq. yds. (274 sq. mtr.) and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 3032 dated 28-11-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-5-82
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th April 1982

Ref. No. 1AC/Acq/1157.—Whereas, I, V. K. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Alwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alwar on 15-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer of agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Krishan Singh S/o Shri Gulab Singh Jat, Police Department, Sikar.
(Transferor)
- (2) Shri Mahesh Chand & Raj Kumar Jain, C/o Rajasthan Hoomey Laboratory, Munshi Bazar, Alwar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

966 sq. yds. of open plot situated in Moti Dongari Scheme, Alwar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Alwar vide No. 348 dated 15-12-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: —

Date : 20-4-82
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri Hazi Kasim, S/o Hazi Sandal Karigar Musalman, Ward No. 14 (New), Sikar.
 (Transferor)
- (2) Shri Mohd. Ibrahim, S/o Gulam Rasool Chauhan, Ward No. 14 (New), Sikar.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1158.—Whereas, I, V. K. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot situated at Sikar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikar on 27-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 5 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot measuring 1489 sq. yds. situated at Ward No. 14 (New), Sikar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sikar vide No. 1192 dated 27-11-81

V. K. AGGARWAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jaipur

Date : 20-4-82

Sig :
 [Signature]

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Shrimati Pushp Kauwar, Smt. Raj Laxmi, Kumari Sunita & Yubraj Kumari
(Transferor)
- (2) M. s Santogen Textiles Mills (P) Ltd., A-Shanti Nagar, Ajmer Road, Jaipur:
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd April 1982

Ref. No. IAC/Acq./1159.—Whereas, I, V. K. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. B-1 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 1-9-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. B-1, Shanti Nagar, Ajmer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 2228 dated 1-9-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 20-4-82
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shrimati Dayamanti Jhunjhunwala, W/o Sh. Vidhya-dharji, 1/2 Rolend Road, Calcutta.
(Transferor)

(2) Shrimati Bhagwati Devi Chaudhary, Dinesh Kumar Chaudhary, D-60, Bani Park, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1160.—Whereas, I V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. D-60 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. D-60, Madho Singh Road, Bani Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 2857 dated 17-11-81

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 20-4-82
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—196GI/82

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1161.—Whereas, I V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. D-60 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati Dayamanti Devi, W/o Shri Vidhyadharji, 1/3 Ratend Road, Calcutta, GPA
G. D. Jhunjhunuwala. (Transferor)
- (2) M/s. Engineers India (Construction Co. Ltd., Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. D-60, Madho Singh Road, Bani Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 2858 dated 17-11-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-82
Seal :

FORM ITNS

(1) Lala Padam Singh, S/o Shri Nonihal Singh,
R/o C-24, Jai Singh Highway, Jaipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mukand Goyal, S/o Shri Radhey Shyam
Goyal, 109-Durga Marg, Bani Park, Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1162.—Whereas, I V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Agrl. land situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 29-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Gajsinghpura, Ajmer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 3131 dated 29-12-1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-82

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sh. Diwakar Singh, S/o Padam Singh
R/o C-24, Jai Singh Highway, Jaipur.
(Transferee)
- (2) Shri Mukand Goyal, S/o Shri Radhey Shyam Goyal,
109-Durga Marg, Bani Park, Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF
INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1163.—Whereas, I,
V. K. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Agri. land situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jaipur on 29-12-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Gajsinghpura, Ajmer
Road, Jaipur and more fully described in the sale deed re-
gistered by S.R. Jaipur vide No. 3132 dated 29-12-81.

V. K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 20-4-82
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

- (1) Smt. Gayatri Devi W/o Sh. Padam Singh,
C-24, Jai Singh Highway, Jaipur.
(Transferee)
- (2) Sh. Mukand Goyal, S/o Sh. Radhey Shyam Goyal,
109-Durga Marg, Bani Park, Jaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th April 1982

Ref. No./IAC/Acq/1164.—Whereas, I,
V. K. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Agri. land situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Jaipur on 29-12-81
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Gajsinghpura, Ajmer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 3134 dated 29-12-81.

V. K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-82
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th April 1982

Ref. No./IAC/Acq./1165.—Whereas, I,
V. K. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at Jaipur
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 29-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (1) Sh. Madhukar Singh S/o Padam Singh, C-24, Jai Singh Highway, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Sh. Mukand Goyal, S/o Sh. Radhey Shyam Goyal, 109-Durga Marg, Bani Park, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Gujsinghpura, Ajmer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 3133 dated 29-12-81.

V. K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 20-4-82

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) Sh. Bhura Ram Dabi, S/o Gunan Ram Dabi,
A-2, Below Ajmer Road, Bridge, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Sh. Tikamchand, S/o Lalchand,
A-63, Janta Colony, Jaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th April 1982

Ref. No. IAC/Acq./1166.—Whereas, I,
V. K. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
Officer at Jaipur on 21-11-1981
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 618 sq. mtr. situated at A-63,
Janta Colony, Jaipur and more fully described in the sale
deed registered by S.R., Jaipur vide No. 2918 dated 21-11-81.

V. K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 20-4-82

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 22nd June 1982

Ref. No. AR-1/4639/82-82.—Whereas, J,
SUDHAKAR VARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. C.S. No. 323 of Mandvi Division situated at Kazi Syed Street
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-11-1981 Document No. Bom/583/77
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

"Document No. Bom/583/79

- (1) 1. Harkishandas Gordhandas 2. Mrs. Damyanti Bhupatrai Garodia 3. Mrs. Tarle Hemant Garodia 4. Vinodchandra Chhabildas.

(Transferor)

- (2) Garodia House Premises CHSL.

(Transferee)

- (3) Flat owners.

(Person in occupation of the property)

- (4) Transferees.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom/583/79 and registered on 6-11-1981 with the Sub-registrar, Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-6-1982

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Srinivasa Padmanabha Rao Chitais,
No. 1, Kodambakkam High Road,
Madras-34.

(Transferor)(s)

(2) Smt. I. B. Nagarathna,
28, East Circle Road,
V. V. Puram.
Bangalore.

(Transferee)(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 14th June 1982

C.R. No. 62/32468/81-82/ACQ/B.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10, (Old No. 136) then 11, presently bearing No. 6, situated at Krishna Road, Basavangudi, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi Office at Basavangudi, Doc. No. 2442 on 18-11-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2442 dated 18-11-81)
Old No. 136, after No. 10, then 11, at present No. 6,
Krishna Road, Basavangudi, Bangalore-4.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
27—196GI/82

Date : 10-6-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 14th June 1982

C.R. No. 62/32469/81-82/Acq./B.—Whereas, I,
MRS. MANJU MADHAVAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 136 new no. 6 situated at Krishna Road,
 Basavangudi, Bangalore,
 Doc. No. 2441 on 18-11-1981
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavangudi, Doc. No. 2441 on 18-11-81
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. C. S. Mohan & two others,
 No. 1, Kodambakkam High Road,
 Madras-34.

(Transferor)(s)

(2) Sh. K. V. Shivakumar,
 No. 178, Vasavi Temple Road,
 Visveswarapuram,
 Bangalore-4.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2441 dated 18-11-1981)
 No. 136, New No. 6, Krishna Road, Basavangudi, Bangalore-4.

MANJU MADHAVAN
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 14-6-82

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. A. L. N. Murthy,
No. 643, 10/B, Main Road,
4th Block, Jayanagar,
Bangalore 11.

(Transferor)(s)

(2) Sh. S. S. Ramu,
11/8, 1st Cross,
Hanumanthaiah Lay-out,
III Block, Jayanagar,
Bangalore-11.

(Transferee)(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 14th June 1982

C.R. No. 62/32915/81-82/ACQ/B.—Whereas, I,
MRS. MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1307, situated at 1st Phase (LIC Plot Sector-III), Bangalore
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk, Document No. 4810 on 20-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, publication of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4810 dated 20-11-81)
Premises bearing No. 1307, 1st Phase (LIC Plot Sector-III) Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-6-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 6th February 1982

Notice No. 410/81-82.—Whereas, I,
MRS. MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. M. No. 9-20-79 situated at Gadwal Road, Raichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raichur under document number 1437 on 5th Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed up between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Matmari Bheemaiah S/o Seenaiah
2. Matmari Gundiah S/o M. Bheemaiah
3. Matmari Ananthraj S/o M. Bheemaiah
4. Matmari Veerash Babu M. Bheemaiah
5. Smt. B. Vijayalakshmi W/o B. Nagraj
6. Dr. S. Ramakrishna S/o Adeppa
7. S. Chandra-Kant S/o Dr. S. Ramakrishna
8. B. E. Krishnamurthy S/o Narasimhaiah
9. B. E. Narashanna S/o B. E. Krishnamurthy
10. Smt. B. E. Lalithamma W/o B. E. Venkanna
11. Smt. R. P. Soogamma S/o R. P. Bangarayya
12. Smt. R. P. Venkatamma W/o R. B.
Samshivayya
13. Y. Ramanna S/o Jayyanna
14. Smt. G. K. Padmavati W/o G. K.
Hamdrayya
15. G. Eranna S/o Urkundayya
16. G. Raganna S/o Urkundayya
17. Smt. G. Pramilabai W/o G. Eranna
18. Smt. G. Shantamma W/o G. Raganna, all partners in M/s. Tirumala Industries (Rice Mill) Gadwal Road Raichur.

(Transferor)(s)
(2) M/o Shree Saibaba Industries, Raichur
a partnership firm represented by its
partners :—

1. Smt. M. Satyawari W/o M. Mutyal Rao
2. M. Suryachandra Prasad S/o M. Mutyal Rao
3. Kum. M. Laxmi D/o M. Mutyal Rao.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1437 dated 5th Nov. 1981)
Land and Building known as M/o Shree Saibaba Industry bearing Municipal No. 9-20-79, situated at Gadwal Road, Raichur.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 6-2-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sh. V. P. Pandurang Rao
Shadalappay Ganyward, P. B. Road, Dug.
(Transferor)(s)
- (2) Sh. A. Natarajan, S/o Aynugan Pallai,
Mining Contractor, D. No. 2175, M. C. Colony,
P.J. Extn. Davangen.
(Transferee)(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 10th June 1982

Notice No. 62/429/82-83/Acq.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1(CF) situated at V Ward, P. J. Extn. Dauanger (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at UUnUdUer Document No. 4184 dated 23-11-81 on 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly (stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4184 dated 28-11-1981)
V Ward, P. J. Extn. Davajen,
Site No. 1(CF) near using
58ft.x60ft.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-6-1982
Sent :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th April 1982

Notice No. 421/82-83.—Whereas, I, Dr. V. N. LALITH-KUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No 55 (5) and 55 (6) situated at Cacoda Bansal-Curchorem Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quepem under document Number 359 on 6-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Shaikh Mohamad Rashid, S/o Shaikh Ayub
2. Shri Shaikh Ayub, S/o Shri Xec Abdul Azeez
3. Smt. Alfida Begum, D/o Shri Shaikh Ayub
Mine Owners, Sanguem-Goa
(Transferor)(s)
- (2) Smt. Abida Bano Sharieff, W/o Kolar Naycemulla Sharieff, Resident of Bansai, Curchorem-Goa.
(Transferee)(s)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 359 Dated : 6-11-1981)

Land measuring 1010.89 sq. m. and building thereon bearing House No. 55 (5) & 55 (6) situated at Cacoda Bansal Curchorem-Goa.

Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 20-4-1982
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

- (1) 1. Shri Shaikh Mohamad Rashid, S/o Shaikh Ayub
 2. Shri Shaikh Ayub, S/o Shri Xec Abdul Azeez
 3. Smt. Alfida Begum, W/o Shri Shaikh Ayub
 Mine Owners, Sanguem-Goa.

(Transferor)

- (2) Smt. Abida Bano Sharieff, W/o Koliir Nayeeimulla Sharieff, Resident of Bansai Curchorem-Goa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th April 1982

Notice No. 420/82-83.—Whereas, I, Dr. V. N. LALITH-KUMAR RAO,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No House No. 55 (3) & 55 (4) situated at Cacoda Bansai-Curchorem Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Quepem under document Number 387 on 30-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(c) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 387 Dated : 30-11-1981)

Land measuring 600.57 sq. m. and building thereon bearing House No. 55 (3) & 55 (4) situated at Cacoda Bansai Curchorem-Goa.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range,
 Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1982
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th May 1982

C. R. No. 62/32788/81-82/ACQ/B.—Whereas, I, **MANJU MADHAVAN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 129/1 situated at I Stage, West of Chord Road, Rajajinagar, Bangalore-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore under document No. 4205/81-82 on 23-11-1981 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri D. Somasekhar,
20/B, 18th Cross,
Malleswaram,
Bangalore-55.

(Transferor)

(2) Shri S. Balasubramanian,
67, Dr. Radhakrishnan Road,
Mylapore, Madras-600 004.

(Transferee)

(3) Transferee.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4205/81-82 Dated : 23-11-1981)

All that property bearing No. 129/1 situated at I Stage, West of Chord Road, Rajajinagar, Bangalore-10.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 28-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Mrs. Banu K. Modi,
2. Mrs. Shirin A. Modi
No. 10/15, Venson Layout,
Swatis Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mrs. Mabel Gomes,
30, Castle Street,
Ashoknagar, Bangalore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th June 1982

C. R. No. 62/33417/81-82/-ACQ/B.—Whreas.,
MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Old No. 30, New No. 31, situated at Castle Street,
Ashoknagar, Bangalore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Shivajinagar, Doc. No. 3241 on 25-1-1982,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
28—196GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3241 Dated : 25-1-1982)

Premises Old No. 30, New No. 31, Castle Street, Ashoknagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 19-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Srinivasa Rao, Padanabha Rao Chitinis
1, Kodambakkam High Road,
Madras-34

(Transferor)

(2) Shri N. B. Swarnalatha
53/2, Surveyor Street,
Basavangudi,
Bangalore-4.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 18th June 1982

CR. No. 62/32471/81-82/Acq/B.—Whereas, I,
MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 296B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 136, Later No. 19, Present No. 6, situated at Krishna
Road, Basavangudi, Bangalore-4,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Basavangudi, Doc No. 2432, on 18-11-1981
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2432 Dated : 18-11-1981)
(136, Later No. 19, and recently No. 6, Krishna Road
Basavangudi, Bangalore-4.)

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-6-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri G. V. Shyama Rao,
S. Nagalaxmi
IV Block, Jayanagar,
26th Cross, Bangalore.

(Transferor(s))

(2) Shri A. S. Viswanatha
Alias A. S. Kasi Viswanatha Setty,
Mandipet, Davangere.

(Transferee(s))

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 18th June 1982

C.R. No. 62/33714/81-82/Acq./B.—Whereas, I,
MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 35 & 25/1, situated at Street No. 9, Mahant Layout,
Gavipuram Guttahalli, Bangalore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Basavangudi Document No. 3375 on 8-2-1982,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3376 Dated 18-2-1982)
No. 35 & 35/1, Street No. 9, Mahant Layout, Gavipuram
Guttahalli, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 18-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th June 1982

CR. No. 62/32921/81-82/Acq./B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22, situated at 5th Main, V Block, Jayanagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar Doc. No. 3815 on 28-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) C. R. Sampath Kumar,
Masti, Malur Taluk,
Kolar District.

(2) Shrimati Aleyamma John
No. 37, IX Block,
7th 'B' Main, Jayanagar,
Bangalore.

Transferor(s)

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3815 Dated 28-11-1980)
House No. 22, 5th Main Road, V Block, Jayanagar,
Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Dated : 19-6-1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 18th June 1982

C.R. No. 62/32777/81-82/ACQ/B.—Whereas, I, Mrs. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Site No. 837, M. No. 837/16 situated at V Main, V Cross M.R.C.R. Vijaynagar, Bangalore-40 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriampuram, Bangalore Under document No. 3308/81-82 on 9-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Durgamma,
No. 837, 5th Main, 5th Cross,
M.R.C.R. Vijaynagar,
Bangalore-40.

(Transferor)

(2) Sri Subash Chandra V.
No. 837, V Main, V Cross,
Magadi Chord Road Extn.
Bangalore-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3308/81-82 Dated 9-11-1981]
All that property including Building in Site No. 837, M. No. 837/16, V Main, V Cross, M.R.C.R., Vijaynagar, Bangalore-40.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 18-6-1982.
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th June 1982

C.R. No. 62/32375/81-82/Acq.B.—Whcrens, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Vacant Site No. 410, Khata No. 24, Situated at 12th Cross, Palace Upper Orchards, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, under document No. 3098/81-82 on 30-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri P. V. Krishnappa
S/o Late P Verappa
Amrathally village,
Yelahanka Hobli,
Bangalore North (Tq)(2) Shri M. Venkatesh
S/o Late Munivenkatappa
Kodigehally
Yelahanka P.O.
Bangalore North (Tq)

Transferor(s)

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3098/81-82 dated 30-11-81)
All that property being vacant Site No. 410, in Khata No. 24, 12th Cross, Palace Upper Orchards, Bangalore.MANJU MADHAVAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 25-6-1982.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 22nd June 1982

C.R. No. 62/32904/81-82/ACQ/B.—Whereas, I, MRS MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. 171-3, situated at Idya Village, Mangalore (Tq) Mangalore (Tq) Under Document No. 862/81-82 on (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore (Tq) Under Document No. 826/81-82 on 30-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri H. K. Taranath,
S/o Babu Poojary
Idya Village,
Mangalore (Tq)

(2) (1) Sri K. M. Baba S/o K. Ahmad,
(2) Smt. Alimama W/o No. 1,
Both residing at Kudroli,
Mangalore Town.

Transferor(s)

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 862/81-82 Dated 30-11-1981]
All that property which includes Garden and building in Sy. No. 171-3, situated at Idya Village, Mangalore (Tq).

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 22-6-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001**

Bangalore-560001, the 21st June 1982

C.R. No. 62/34451/81-82/ACQ/B.—Whereas, I Mrs. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3, situated at Convent Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South Under Document No. 3071/81-82 on 4-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Jacob Chandy,
8-A, 'Owner's Court'
Montieth Lane,
Madras-8.

Transferor(s)

(2) M/s Emdee Investments and Trading (P) Ltd.
No. 60, 9th Main,
R. M. Vilas Extension, Bangalore-80.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3071/81-82 Dated 4-11-81]
All that property bearing No. 3, Convent Road, Bangalore.
(1.5/34th Share)

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Dated : 21-6-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM LT.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 22nd June 1982

C.R. No. 62/32396/81-82/Acq/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. 45, situated at Dickenson Road, Bangalore-42 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore under document No. 2392/81-82 on 5-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Suraiya Brothers (P) Ltd.,
having its registered office at
No. 36, Tamarind lane, Fort, Bombay-23,
Represented by its Director Sri Dilip D. Udeshi,
Transferor(s)
- (2) (1) Mrs. Rita V. Merchant
(2) Mr. Vijay V. Merchant,
No. 1, Roackside, 112, Walkeswar Road,
BOMBAY-400006.

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2392/81-82 dated 5-11-1981)
All the property being the premises No. 45 situated at Dickenson Road, Bangalore-42.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 22-6-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
29.—196GI/82

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 22nd June 1982

C.R. No. 62/32779/81-82/ACQ/B.—Whereas, I, Mrs. MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, bearing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4/1, situated at North road, Cook Town, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Under Document No. 2658/81-82 on 28-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) (1) Sri S. E. Paul and (2) Smt. Lily Paul, No. 15, 1st Floor, State Bank Officer's Housing Colony, Savapur road, Koramangala, Bangalore-34.
Transferee(s)

(2) M/s Sarojini
37 1, Charles Campbell road,
Coxtown, Bangalore-5.

Transferors(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2658.81-82 dated 28-11-81]
All that property bearing No. 4/1, situated at North Road, Cooke Town, Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 22-6-82.
Seal :

FORM ITNS

(1) Jacob Chandy
8-A, Owner's Court,
Montieth Lane,
Madras-8.

Transferor(s)

(2) Sri K. Prasad Varadan,
201, Richmond Place,
S.I. Flats, Convent Road,
Bangalore-25.

Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 21st June 1982

C.R. No. 62/34452. 81-82/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3, situated at Convent Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South under document No. 3072/81-82 on 4-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3072/81-82 dated 4-11-81]
All that property bearing No. 3, Convent Road, Bangalore-
(1.5/34th share)

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range.
Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 21-6-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, BANGALORE-560001**

Bangalore-560001, the 22nd June 1982

C. R. No. 62/33677/81-82/Acq./B.—Whereas, I, Mrs. Manju Madhavan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

37/1, 40 & 41 (Coffee & Wet land) situated at Ibbivalavadi Estate, Madakeri (Tq.) Kodagu (Dt.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore under Document No. 875/81-82 on 16-11-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Sri P. A. Raghava, (2) Smt. P. R. Meenakshi, (3) Sri P. R. Suresh, (4) Smt. P. R. Asha and (5) Smt. P. R. Jyothi, Jyothi Estate, Ibbivalavadi Estate, Boikeri Post Madakeri (Tq.), Kodagu (Dt.).

(Transferor)

(2) Sri K. M. Manohar S/o Sri Konerira Mandappa Kottoli Village, Virajpet (Tq.), Kodagu (Dt.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property being Coffee and wet lands situated in Ibbivalavadi Village, Madikeri (Tq.), Kodagu (Dt.).

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bangalore

Date : 22-6-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd July 1982

Ref. No. P. R. No. 1721/Acq/23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. Shah, being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 92 and 94/2 situated at Manjalpur, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 17-11-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Vagjibhai Dalabhai Bariya, Manjalpur, Baroda.
(Transferor)

(2) 1. Satishbhai Chhotabhai Patel, 1, Mahavirkrupa Society, Sidhwai Mata Road, Baroda.

2. Kiritbhai Chhotabhai Patel, 13-A, Janakpuri Society, Manjalpur, Baroda.

3. Maganbhai Bakorbhai Patel, Jubileebaug, Khatri Pole (4th Wada), Baroda.

4. Vithalbhai Nathabhai Patel, 21, Shreejibaug Society, Manjalpur, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 92 and 94/2 at Manjalpur as fully described in sale deeds Nos. 6364 to 6371 registered in the Office of Sub-Registrar, Baroda on 17-11-1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 3rd July, 1982.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) M/s. Baroda Industrial Development Corporation Ltd., Industrial Estate, Gorwa, Baroda-390016.
(Transferor)
- (2) The Director, Shreno Ltd., Alembic Road, Baroda-390003.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 3rd July 1982

Ref. No. P. R. No. 1720/Acq/23-II/82-83.—Whereas, I R. R. Shah being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Gorwa, Survey No. 1178, 1179, situated at Plots G-1, 2, 3, Baroda Industrial Estate Premises (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 24-11-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land at Baroda Industrial Estate premises as fully described in sale deed No. 6480 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda, on 24-11-1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3rd July, 1982.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1982

Ref. No. P.R. No. 1719/Acq./23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1223, Soy Sheri, Haripura, situated at Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi Surat on November, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Trustees of Manilal Kalyandas; 1. Bai Chanchal Wd./o Manilal Kalyandas; At Rishikesh (U.P.)
2. Kantilal Thakordas Soni, Hajibana Bazar, Broach.
(Transferor)

(2) 1. Babubhai wife Kantilal Gulabdas Shroff;
2. Dhirajlal Gulabdas Shroff, 3. Rameshbchandra
Gulabdas Shroff; 4. Shasikant Gulabdas Shroff;
5. Mahendra Gulabdas Shroff, Haripura, Soy Sheri,
Surat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1323, Soy Sheri, Haripura, Surat registered in November, 1981.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 2-7-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1982

Ref. No. P.R. No. 1718/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TPS.5, Athwa, FP. No. 258-B(P) situated at Ghoddod Road, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on November, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Arvindkumar Chimanlal Kharvar; Kharvar Street, Limda Chowk, Surat.
(Transferor)
- (2) Shri Ramanbhai Sitarambhai Patel; Village Pasodara; Tok Kamei, Dist. Surat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property at TPS.5, Athwa, Ghoddod Road, FP. No. 288-B(P) Plot No. 3, registered in Nov. 1981.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2nd July, 1982.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Ambalal Maganlal Patel; Shri Jayantilal Maganlal Bariswala; Shantacruz, Sai Apartment Opp. Station, Bombay-54.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Nandsukhlal Ratilal; 2. Shri Gunvantilal Ratilal; 3. Shri Rameshchandra Ratilal; 4. Shri Jagdishchandra Ratilal; Haripura, Kaskivad, Surat. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1982

Ref. No. P.R. No. 1717/Acq/23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 358-A Chokavala Sheri, situated at Wadi Falia, Wd. No. 9, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed here), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on November, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 358-A, Chakawala Sheri, Wadi Falia, Surat registered in November, 1981.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

30—196GI/82

Date : 2-7-1982

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 1st July 1982

Ref. No. P.R. No. 1716/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 618/2 Tika No. 17 S. No. 2184, 2183, situated at 2186, 2187 (P) Station Road, Navsari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Navsari on November, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Gopaldas Lallubhai Amliwala; 2. Ratanben Gopaldas Amliwala; 6. Kishorlal Gopaldas Amliwala; 4. Anantil Gopaldas Amliwala; 5. Uttamlal Gopaldas Amliwala; 6. Kishorlal Gopaldas Amliwala; Nagatalavadi, Station Road, Navsari.

(Transferor)

- (2) Saahil Apartment Coop. Housing Society Ltd. (Proposed); Promoters; 1. Kamarpal Chhaganlal Shah; 2. Manish Somchand Shah; Tower Road, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 618/2, Tika No. 17, S. No. 2184, 2185, 2186, 2187(P) Station Road, Navsari, registered in November, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 1st July 1982

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Savitridevi Dwarkaprasad; Soni; 2. Dwarkaprasad Laxminarayan Soni; Mariyampura, Navsari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) President of Pinki Apartment C. Hsg. Society; Shri Laljibhai Dhanjibhai Patel; Navsari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 1st July 1982

Ref. No. P. R. 1715/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 549, 548, 548/1, 548/7, Wd. No. 8, situated at Karsavad, Navsari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on November, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at H. No. 549, 548, 548/1, 548/7, Wd. No. 8, Kangavad, registered in Nov., 1981.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1st July 1982.
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Gangaben Kanjibhai Patel; 2. Kanjibhai Bhana-bhai Patel; Maharanji Shantadevi Road, Navsari.

(Transferor)

(2) Smt. Savitaben Morarbai Patel; Ganesh Sisodara, Tal. Navsari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1714/Acq.23-II/82-83.—Whereas, J. R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Tika No. 51, C.S. No. 2398, R.S. No. 648 situated at Navsari, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on November, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property at Tika No. 51, C.S. No. 2398, R.S. No. 648, Navsari registered in Nov., 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 30-6-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Karsanbhai Danjibhai Tamakuvala; Kajivad Mahindarpura, Surat.
(Transferor)

(2) Shri Bhavaniprasad Shanbhudayal Agarwal 603, Rashiraj Apartment, Diwali baug, Surat.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 3rd July 1982

Ref. No. P. R. No. 1713/Acq./23-II/82-83.— Whereas, I
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Wd. No. 7, Nondh No. 4940, Nr. Rly. Goods, situated at
Yard, Surat (S. No. 5081);
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Surat on November, 1981,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 5081, Nr. Rly. Goods Yard, registered
in November, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 3rd July, 1982.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF AHE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1676-Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. S. No. 1739, TPS. 4, Navagam, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on Nov. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Parvatiben Ishvarlal Kapadia;
2. Ishvarlal Jamnadas Kapadia;
3. Ramlal Ishvarlal Kapadia and others;
Mahidhpura, Vania Sheri, Surat.

Transferor(s)

- (2) 1. Shri Purshottambhai Mavjibhai, Mahidhpura, Limbu Sheri Surat.
2. Smt. Shantaben Vallabhbhai, Mahidhpura, Jadakhadi, Surat.
3. Shri Vallabhbhai Chhaganlal, Madhdhpura, Limbu Sheri, Surat.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 1759 (P) Block No. 3, Plot No. 6, Block No. 4, Navagam, registered in Nov, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 9th June, 1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1677 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No 1059, Adarsh Society, Athwa Lines, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Ramnath Kalidas Desai P. A. Holder of Puspaben Dolaibhai Patel, Adarsh Society, Athwa Lanes, Surat.

Transferor(s)

(2) Asiana Park Apartments Coop. Hsg. Society; President Shri Yogesh Shantilal Contractor; Daria Mahal, Chok Bazar, Surat.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 1059, Adarsh Society, registered in November, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 9th June, 1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1678 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S No 363-1, Katargam, Bhatniwadi, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on Nov., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Jashmaben Ashvinbhai Mehta;
B. No. 32, Sadhana Society,
Varacha Road, Surat.

Transferor(s)

(2) Smt. Ambalal Khimjibhai Patel;
B. No. 115, Gurunagar Society,
Varacha Road, Surat.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 363-1, TP S. 4, F. P. 40A, Bhatniwadi, registered in November, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 9th June, 1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kantilal Chhotubhai Patel & Others;
Gotalavadi, Patel Falia, Surat.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) 1. Shri Hiralal Lallubhai Soparivala;
Zampa Bazar, Hathi Falia, Surat.
2. Ramavatiben Kantilal Bhagat;
Rani Talav, Parsi Sheri, Surat.

Transferee(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDIOMM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1679 Acq. 23-JI/82-83.—Whereas, I. G. C GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 433, H-1, TP S. 3, FP No. 303, situated at Katargam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on November, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 433, H-1, TPS 3, FP. 303, Katargam, registered in November, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 9th June, 1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
31—196GI/82

FORM ITNS

(1) Managing Director of Chunawala Masjid Trust;
Shri Ismail Ahmed Salehbhai; Rander,
Surat

Transferor(s)

(2) The Anant Coop. Hsg. Society Ltd.,
2/1894, Chhavalani Pole, Sagrampura,
Surat.

Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1680 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 231/2, situated at Rander (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on November, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Rander—S. No. 231/2, duly registered in November, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9th June, 1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1681 Acq. 23-JI/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,being the competent authority under Section 269D of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. Nondh No. 2159 situated at Nani Chhipvad, Gopipura,
Surat,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Surat on November, 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) 1. Induben Wd/o Dinkarai Ramchandra Desai;
2. Jayshriben Wd/o Ashokumar Dinkarai Desai
Self and guardian of minor Binal Ashokumar,
Gopipura, Nani Chhipvade, Surat.
Transferor(s)
- (2) Chandulal Vijbhukhandas;
Bhagvandas Vijbhukhandas;
Wadi Falia, Chokvala Sheri, Surat.
Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 2159, Wd. No. 8, Gopipura, Nani
Chhipvad, registered in November, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of the Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 9th June, 1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1682 Acq. 23-JT/82-83.—Whereas, I, G. C GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 91 (Part) situated at Village Sargasan, Gandhinagar District (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 4-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Kalabhai Prabhatbhai;
2. Shri Punjabhai Prabhatbhai;
Both as Karta of their respective HUFs.
Village Sargasan, Gandhinagar District.
Transferor(s)

- (2) 1. Shri Govindsingh Takhatsingh Patmar;
2. Shri Jayendra Dhirubhai Vyas;
3. Shri Bhogilal Ganeshdas Patel;
All staying at Gandhinagar.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at village Sargasan, Gandhinagar District bearing S. No. 91 (Part) as fully described in sale deed No. 1988, registered in the office of Sub-Registrar, on 4-11-1981.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-6-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-JI
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
 AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1683 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 273 plus 273/3 (P) Plot No. 6, situated at Nagatalavadi, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on November, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Deepakkumar Rameshchandra Doshi;
 2. Shri Deepakkumar Rameshchandra Doshi;
 Attorney of :
 Shri Nutanben Deepakkumar Doshi;
 Sudhirkumar Rameshchandra Doshi;
 Shri Jyotsnaben Sudhirkumar Doshi;
 "Dipti", Opp. Fuwara, Navsari.

Transferor(s)

- (2) 1. Smt. Hansaben Ramjibhai Rajput;
 2. Shri Sureshchandra Jamnadas;
 Rajkamal Building, Dobivad, Navsari.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 273 plus 273/3 (P) Plot No. 6, Nagatalavadi, registered in November, 1981

G. C. GARG
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II
 Ahmedabad

Date : 14-6-1982
 Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1684 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I,

G C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. R. S. No. 285, Tika No. 42, C.S. No. 1881 situated at
Navsari
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer
at Navsari on November 1981for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (1) 1. Shri Dali Postanji Dumasia;
Moti Agari Street, Tarota Bazar,
Navsari.
2. Shri Dinesh Naranbhai Patel;
Jayshree Apartment, Navsari.
(Transferor)
- (2) Chairman of Suvidha Apartment Coop. Hsg. Socy.
Shri Atul Hasmukhbhai Shah;
Three Bungalow, Station Road, Navsari.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XVA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 285, Tika No. 42, C. S. No. 1881,
Navsari, registered in November, 1981.G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
AhmedabadDate : 14-6-1982
Seal :Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons
namely :—

FORM ITNS(1) Shri Mohanbai Jivanbhai Patel & others;
Kachhiavadi, Navsari.

(Transferor)

(2) Darpan Coop. Hsg. Society Ltd.
Kudanbari Shopping Centre,
Staiton Rd., Navsari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1685 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 234, C. S. No. 4384, situated at Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 234, C. S. No. 4384, registered in November, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Alamay Pirojsha Mehta & others;
Charpool, Navsari.

Transferor(s)

(2) 1. Shri Khalil Ahmed Hasan Desai;
2. Shri Abubakar Hasan Desai;
Village Jagwad.Tal. Navsari.

Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1686 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Tika No. 2/1, S. No. 8 (P) & S. No. 56 (P) situated at Land at Charpool, Navsari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nausari on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Tika No. 2/1, S. No. 8 (P) & S. No. 56 (P) Charpool, Navsari, registered in Nov., 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-6-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohanlal Jivanji Patel & others;
Kachhiavadi, Navsari.

(Transferor)

(2) Shri Samarpan Coop. Hsg. Society Ltd.
Kadawbari Centre, Station Road, Navsari.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 14th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1687 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I—
G. C. GARG
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. R. S. No. 232, 225, C. S. No. 4383 situated at Chharpool Road, Navsari
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Navsari on Nov., 1981
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) facilitating the concealment of any income as any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 32—196GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 232, 225, C.S. No. 4384, at Chhapara Road, Navsari registered in Nov., 1981.

G. C. GARG
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range II, Ahmedabad

Date : 14th June, 1982.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 14th June, 1982

Ref. No. P.R. No. 1688 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I
G. C. GARG
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. C.S. Tika No. 18, S. No. 34, New Tika No. 86 situated
at Nonch No. 4607, Navsari
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Navsari on Nov., 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Nayana Manubhai Wd/ of Nanubhai Desai;
self and guardian of Minor Bindu Manubhai &
Hemani Manubhai, Navsari.
(Transferor)
- (2) Smt. Shantaben Natvarlal Desai;
Smt. Kalpanaben Harshadbhai Desai;
Lunsikui, Navsari.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at C. S. Tika No. 18, S. No. 34, New Tika No.
86, and Nonch No. S. No. 4607, Navsari registered in Nov.,
1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 14th June, 1982

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 16th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1689 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 707, Vanki Bordi situated at Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on December, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Coomic Jamshedji Paymaster;
2. Phiroza D/o Jamshedji Paymaster;
23, Hier View, Huzes Road, Bombay-26.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Dineshchandra Chimanlal Chaliavala;
2. Shri Prakash Chimanlal Chaliavala;
3. Shri Paresh Chimanlal Chaliavala;
12/966-B, Lalgate, Khad Bazar, Surat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferees for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 707, Wd. No. 12, Vanki Bordi,
Surat registered at Bombay in the month of December, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 16th June, 1982.

Seal :

FORM ITNS

(1) Navrang Housing Society;
Smt. Bhagvatiben Dineshchandra & others;
Ankleswar.

(Transferor)

(2) Hotel Woodlands;
Pratima Apartment, 2nd Floor,
Siz Road, Ambala, Andheri West,
Bombay-58.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 17th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1690 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I
G. C. GARG
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 449-455, Ankleswar situated Ankleswar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ankleswar on November, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 449-455, Ankleswar, registered in Nov.,
1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 17th June, 1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rameshchandra Morarji Patel;
Rajpipla Road, Opp. O.N.G.C. Colony,
Ankleswar.

(Transferor)

(2) Manish Organics India Ltd.,
1. National Chambers, First Floor,
New Dipali Theatre, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 17th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1691 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I
G. C. GARG
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 453/2, 452/2 at Ankleswar situated at Ankleswar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ankleswar on November, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 453/2, 452/2, Ankleswar, registered
in Nov., 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date : 17th June, 1982.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 17th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1692 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

S. No. 419-1-3 (P) situated at Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Vijaylaxmi Jagdishchandra Enani & others; P.A. Holder of Jagmohan Jagdishram Anand; Ankleshwar.

(Transferor)

(2) President & Secretary of Shri Ram Housing Society; Shri Tushar J. Shah,
 2. Prakash Lokhandvala;
 Opp. Vegetable Market, Ankleshwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 419-1-3 (P) Ankleshwar registered in Nov., 1981.

G. C. GARG
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17th June, 1982.

Seal:

FORM ITNS—

- (1) Shri Parsottam Nathabhai Patel;
Shri Anhabhai Nathabhai Patel;
Village Gadkhola, Tal. Ankleshwar.
(Transferor)
- (2) The Rachana Enterprise;
Opp. J. P. College, Old N.H. Way No. 8,
Broach.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 17th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1693 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I
G. C. GARG
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 201/2(P) situated at Godkhola
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on November, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 201/1(P) Gadkhola registered in Nov., 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17th June, 1982
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 17th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1694/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 71 (P), situated at Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar in November, 1981. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Krishnakant Maganlal,
Shri Harendra Maganlal Desai,
Shri Jayantkumar Maganlal Desai,
Goya Bazar, Ankleshwar.

(Transferor)

(2) Shri Kiritkumar Swarupchand Shah,
Ankleshwar.
Shri Jayantilal Raichand,
Zagadia (Broach).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 71(P) land at Ankleshwar, registered in Nov., 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-6-1982.
Seal :

FORM ITNS

(1) Susheelaben Jashbhai Amin;
Chhani, Baroda.

(Transferor)

(2) 1. Ambalal Trikambhai Patel;
2. Thakorhai C. Patel;
Both staying at Chhani, Baroda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 19th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1695 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 155, situated at Moje Chhani, Baroda Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 6-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
33—196 GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Moje Chhani, Baroda Taluka, bearing S. No. 155 as fully described in sale deed No. 5961 registered in the office of S.R. Baroda on 6-11-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date : 19-6-82.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Maheshchandra Krishnalal Zaveri;
Sheth Falia, Broach.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd June 1982

Ref. No. P. R. No. 1696 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I G. C. GARG being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 107-B, Vejalpur situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on November, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Gokalnagar Coop. Hg. Society;
Broach (Vejalpur).

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 107-B, Vejalpur, registered in November, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 22-6-1982.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Musa Adam Asmal Lelly,
Dungari, Broach.

(Transferor)

(2) Al Rashid Traders;
C/o, Mahmad Musa Ibrahim Patel;
Moti-Dungari, Broach.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.**

Ahmedabad-380 009, the 22nd June 1982

Ref. No. P. R. No. 1699 Acq. 23-/82-83.—Whereas, I
G. C. GARG
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
S. No. 156/1-B, Dungari situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Broach on November, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, of the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
are defined in Chapter XXA of the said
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 156/1-B, Dungari, registered in November, 1981.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 22-6-1982.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rajesh Vithalbhai Patel;
Zadeswar, Broach.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd June 1982

Ref. No. P. R. No. 1698 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I
G. C. GARG
 being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 18 & 19(P) land situated at Zadeswar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) M/s. Mahavir Estate;
"Usha Darshan", 2nd Floor,
R. A. Kidvai Road, King Circle,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Property at S. No. 18 & 19(P) land at Zadeswar registered in November, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-6-1982.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.**

Ahmedabad, the 22nd June 1982

Ref. No. P. R. No. 1699 Acq. 23-II/82/83.—Whereas, I
G. C. GARG
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.

S. No. 91/3, Bholav situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Broach on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen percent of such apparent considera-
tion and that consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Vasantilal Pranshanker Raval;
Shri Mukundkumar Rasiklal Raval;
Shri Rasiklal Pranshanker Raval;
Ashwinkumar, Fulpada, Surat.

(Transferees)

- (2) Chairman : Madhuben Ramjibhai Makwana;
Jawaharnagar C.H. Socy. Ltd.
Broach-Kumbharia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein ~~as~~
are defined in Chapter XVA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 81/3, Bholav, registered in Nov., 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 22-6-1982.

Seal :

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd June 1982

Ref. No. P. R. No. 1700 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 22, Bholav situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ishvarbhai Jesangbhai Patel;
Jamunaben Karsanbhai Patel;
Zadeshwar, Broach.

(Transferors)

(2) Avdhutnagar C.H. Socy. Ltd.
Promoter : Hemantkumar Prabhodchandra Shukla;
Lalbhaini Pat, Kesurmama Chakla, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property S. No. 22, Bholav registered in Nov., 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-6-1982.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009
Ahmedabad-380 009, the 22nd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1701 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 144 land, situated at Palej
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach in Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Partner of Jayant Pulse Mills,
Shri Jayanilal Umarsi Kelia,
Shri Vasram Velji Hansora,
Shri Manilal Umarsi Kelia,
Shri Ramniklal Umarsi Kelia,
Jilana—Taluka Jilana,
Dist. Aurangabad.

(Transferor)

(2) 1. Rabiabai Abdulsattar Meman, Behind Jamnabai Hospital, Baroda.
2. Sh. Abdul Majid Heji Hasam Meman, Palej.
3. Jarinabai Abdulmajid Sattar, Behind Jamnabai Hospital, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Block No. 144, Palej, registered in Nov. 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-6-82
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Jitendraprasad Hariprasad Desai,
Sindhvai Road, Broach.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Adani Vali Patel,
Kasak, Broach.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009
Ahmedabad-380 009, the 22nd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1702 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I,

G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 42A/1/A1(P) Kasak, situated at Broach

Broach

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property at S. No. 42A/1/1/A/1(P) Kasak, registered in November, 1981.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Ahmedkhan Limdakhan Pathan & others,
Palej, Tal. Broach.
(Transferor)

(2) President : Vajirkhan Ahmedkhan Pathan,
Jehangir Park Coop. Housing Society Ltd.,
Palej, Tal. Broach.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009
Ahmedabad-380 009, the 22nd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1703 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I,

G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 145, Palej, situated at Broach

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building at Block 145, paiki, duly registered in Nov. 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
34—196 GI/82

Date : 22-6-82
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 21st June 1982

Ref. No. P.R. No. 1704 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
 movable property having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 335, 334 (P) situated at Vapi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at
 Pardi on November 1981
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between
 the parties has not been truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act to the following
 persons, namely :—

- (1) Sh. Fardun Ardeshor Vapivala & others;
 Zanda Chowk, Vapi.
 (Transferors)
- (2) Sh. Jalaram Society;
 Partners : Sh. Chhotubhai Lallubhai Patel & others;
 Vapi Taluka Pardi.
 (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of the notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
 defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 335, 334 (P) Vapi registered in November, 1981.

G. C. GARG,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 22-6-1982
 Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. VasANJI Bhagvanji Desai;
Chhirí, Tal. Pardi.

(Transferors)

(2) Sh. Khushalbhai Meghbhai Ghala & others;
Atul Society, Vapi.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st June 1982

Ref. No. P.R. No. 1705 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I,

G. C. GARG,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 151, Chhiri, Tal. Pardi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pardi on November, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 151, at Chhiri, registered in November, 1981.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009

Date : 22-6-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) 1. Chandraben Champakjal Shah;
2. Champaklal Hirnalal Shah & minor
Bharatkumar; Saribujrang.

(Transferor)

(2) Yogenagar Coop.. Hsg. Society;
Saribujrang, Tal. Gandevi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1708 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,
being the competent authority under Section 269 B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. S. No. 301/A, 304-C, 305-G, 301-D (P)

situated at Saribujrang

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi
on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 301-A, 305-C, 305-B, 301-D, at Saribujrang registered in Nov. 1981.

G. C. GARG.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009.

Date : 22-6-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sh. Vasanji Bhagwanji Desai;
Chhiri, Tal. Pardi.

(Transferors)

(2) Sh. Khushalbhai Meghbhai Ghala & others;
Atul Society, Vapi.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st June 1982

Ref. No. P.R. No. 1705 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,
 being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. S. No. 151, Chhiri, Tal. Pardi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pardi on November, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 151, at Chhiri, registered in November, 1981.

G. C. GARG,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009

Date : 22-6-1982
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 21st June 1982

Ref. No. P.R. No. 1706 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 571+572, Vapi situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pardi on November 1981

for and apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Sh. Manekchand Bahichand Shah & others;
Bazar, Vapi.
(Transferor)
- (2) Sh. Yusufbhai Gulam Mustafa Lakdawala;
Firoz Manzil, Bazar, Vapi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property at S. No. 571+572 Vapi registered in Nov. 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 21-6-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Sh. Amratlal Lalbhai Desai, P. A. Holder of Naginbbhai Lallubhai Desai, Vapi, Tal. Pardi.
(Transferor)
- (2) Sh. Vijay Builders;
Vapi, Tal. Pardi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 21st June 1982

Ref. No. P.R. No. 1707 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1972-A-1(P) situated at Vapi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on November 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 1072-A-1(P) at Vapi registered in Nov. 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-6-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009.**

Ahmedabad-380 009, the 22nd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1708 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,
 being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. S. No. 301/A, 304-C, 305-G, 301-D (P)
 situated at Saribujrang

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Chandraben Champaklal Shah;
 2. Champaklal Hiralal Shah & minor
 Bharatkumar; Saribujrang.

(Transferor)

- (2) Yoginagar Coop., Hsg. Society;
 Saribujrang, Tal. Gandevi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 301-A, 305-C, 305-B, 301-D, at Saribujrang registered in Nov. 1981.

G. C. GARG,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009.

Date : 22-6-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

- (1) Sh. Manibhai Dahyabhai bin Mathurbhai Patel;
Gopalpura Junction, Vadod, Anand Taluka.
(Transferors)
- (2) Sh. Narendrakumar Jashbhai Patel;
P.A. Holder : Patel Jashbhai Shivabhai;
Vallabhvidyanagar, Anand Taluka.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1709 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. City Sur. No. 559, Plot No. 422,
situated at Vallabhvidyanagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Anand on 30-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1927);

THE SCHEDULE

Bldg. at Vallabh Vidyanagar, bearing C.S. No. 559, Plot
No. 422, as fully described in sale-deed No. 3167 registered in
the office of S.R. Anand on 30-11-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons; namely :—

Date : 22-6-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Bhagwanprasad Radhakrishna Joshi;
Vallabhvidyanagar, Anand Taluka.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vimlaben Chimanbhai Patel;
Vallabh Vidyanagar, Anand Taluka.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1710 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I,

G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

City Survey No. 402, Plot No. 897, situated at
Vallabh Vidyanagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anand on 4-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at Vallabhvidyanagar bearing C.S. No. 402, Plot No. 897 as fully described in the sale deed No. 2964 registered in the office of S.R. Anand on 4-11-1981.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1857);

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1711 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TPS. 2, Final Plot No. 492/1 situated at

Anand (

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 18-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Patel Bhailalbhai Dadabhai & others;
Mota Adadh, Anand.

(Transferor)

(2) The Guru & Oil Merchants Union;
Through Partner : Chandrakant Vithaldas Gandhi;
Sardarganj, Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land at TPS. 2, bearing F.P. No. 492/1, as fully described in sale deed No. 3088 registered in the office of S.R. Anand on 18-11-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009.

Date : 22-6-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
35—196 GI/82

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1712 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 252, Hissa No. 3 (Part), C.S. No. 4793 situated at Kalol sim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kalol (N.G.), on 21-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sanjaybhai Incha Prasad Bhatt & others;
Vatva, Dasroi Taluka,
Ahmedabad District.

(Transferor)

(2) Jignesh Land Association,
through : Partner Maneklal Nanchandas Patel;
Kalol.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land at Kalol sim as fully described in sale-deed No. 1183 registered in the office of S.R. Kalol (N.G.) on 21-11-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-6-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1967 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 187-2-7-6-1-F, F. 20-21-22, TPS. 3, situated at Ashram Road, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Jay Jalaram Moulding Works;
Partner :—
Ramanlal Chunilal Shah;
Gujarat Rice Mills Compd.,
Dudheshwar Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) "ESDYCHEM"
Partner : Shri Malaybhai Vimalbhai Zaveri;
25, Sherdanagar, Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop adm. 210 sq. ft. situated at National Chambers, Ashram Road, Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale-deed No. 13048/18-11-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009.

Date : 7-6-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Tahenida Abdulkadir Kadri,
Sanskari Kendra Marg, Kagdiwad,
Kochharab, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Musabhai Mohammad Paleri & another;
Three Gates, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,**

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1968 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5148/5, situated at Raikhad, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1951);

THE SCHEDULE

Land adm. 100.88.78 sq. mts. situated at Raikhad, Opp. Bhatia Pole, Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale-deed No. 13483/19-11-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009.

Date : 7-6-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICIAL OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1969 Acq. 23-1/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. FP. No. 931 paiki, Sub-Plot No. 9, TPS.3, situated at Paldi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on Nov. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Ambal Narandas Mody,
Chandrodaya Society, Nr. Stadium,
Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Monalisa Corporation;
Promoters : Shri Mukeshkumar Lalbhai Patel & anr.
Vasta Veljini Pole, Halim's Khadki,
Shahpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 331 sq. yds., situated at Ellisbridge, Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale-deed No. 1065/ November, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad-380 009.

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1970 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. FP. No. 101, Sub-Plot No. 1-3, situated at Ellisbridge, Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-11-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. Keshavlal Chhaganlal Patel; 5-B, Bhagirath Society, Memnagar, Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Sh. Shantilal Mulchandbhai Patel; Nayaknagar, Nr. Sardar Patel Colony, Navrangpura, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Building standing on land 4997 sq. yds., situated at Sheikhpur-Khanpur, Ellisbridge, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 13913/30-11-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad-380 009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Manilal Mangaldas Patel & Ors.
Village Memnagar, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1971 Acq. 23-1/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 192 situated at
Village Kali, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Padam Prabhu Kali C. H. Socy, Ltd.,
Chairman : Niranjanbhai Kanfibhai Patel,
C/o Parswanath Corporation,
Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 4A—01 G situated at village Kali, Dist. Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale deed No. 13439/18-11-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1972 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,
being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 761/2,761/1,761/6, situated at Village Makarba Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Revaben widow of Fulaji Kalapi; Village Makarba, Dist. Ahmedabad.
2. Manaji Ramaji; Village Makarba, Dist. Ahmedabad.
3. Ugbiren widow of Hathiji Chelaji; Village Makarba, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Sh. Laxmanbhai Nandalal Dalal;
2. Sh. Shantikumar N. Dalal; both at Manali Apartment, Nr. Atira, Ahmedabad.
3. Sh. Nitin Shantilal Parikh; Nr. Law College, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Lnd adm. AO—17 G, AO-15 G, & OA—30 Ganthas, situated at village Makarba, Dist. Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vide salc-deed Nos. 11275, 11281, 11259/17-11-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1973 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 489/1 situated at
Wadaj, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-11-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Death-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

36—196 GI/82

(1) Jaldhara Coop. H. Socy. Ltd.
Secretary : Shri Ratilal Nanalal Vyas;
Nawa Wadaj, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Nitinbhai Rawal Family Trust;
Karta : Nitinbhai S. Rawal;
13-B, Anandham Society, Nawa Wadaj,
Ahmedabad.
2. Manorama A. Gajjar Family Trust;
Through : Smt. Manorama A. Gajjar;
1/A, New Govind Park Society, Narangpura,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2904 & 290½ sq. mts. situated at Wadaj, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed Nos. 13485 and 13486/17-11-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1974 Acq. '23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. 275/1, Block No. 367, situated at Village: Bopal, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 3-11-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. Rambhai Ishwerbhai Patel & others;
Village Bopal, Dist. Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Devising Ramsingh;
Nr. Umiyavijay Society, Sattelite Road,
Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 6050 sq. yds. situated at Village Bopal, Dist. Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad, vide sale-deed No. 13007/3-11-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-6-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1975 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 278 paiki situated at
Village Ranip, Dist. Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 6-11-1981

for an apparent consideration which is less than for fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Sh. Shanaji Gandaji;
2. Sh. Jivaji alias Jitendra Gandaji;
3. Sh. Ambalal Gandaji;
4. Bai Kashi widow of Gandaji Goraji;
All at Village Ranip, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Ranip Akshar Purshottam C. H. Socy.
Secretary : Sh. Patel Rambhai Mahenbhai;
Maheshwari Appt. Nr. Subhash Bridge,
Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. sq. yds. 850.89+850.89+850.89 sq. yds. + 850.89 sq. yds. situated at Ranip Dist. Ahmedabad, duly registered by S. R. Ahmedabad vide sale-deed Nos. 13082 to 13085/6-11-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons namely :—

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Rukhiben Jethabhai;
Village Vastrapur, Dist. Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Shri Hasmukhbhai Kasturchand Shah;
'Monali', Sthanakwadi Jain Society,
Nr. Naranpura Rly. Crossing, Ahmedabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1976/Acq.23-1/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 321 paiki, Hissa No. 7, situated at Village Bodakdev, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 5-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 1071-72 sq. yds. situated at Village Bodakdev, Dist. Ahmedabad, duly registered by S. R. Ahmedabad vide sale deed No. 7967/5-11-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad-380 009

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,**

**ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1977/Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 321-paiki, Hissa No. 3, 6, 5, 2, Village Bodakdev, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 5-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Baldevbhai Sankabhai, Vastrapur, Dist. Ahmedabad; 2. Shri Rabari Sankabhai Versibhai Vastrapur, Dist. Ahmedabad; 3. Ambarben Sankabhai Vastrapur, Dist. Ahmedabad; 4. Jatanben Sankabhai Rabari Vastrapur, Dist. Ahmedabad; 5. Gafurbhai Sankabhai Vastrapur, Dist. Ahmedabad; 6. Rabari Bhagwanbhai Sankabhai Vastrapur, Dist. Ahmedabad.

(Transferors)

(2) 1. Ashit Arvindbhai Shah, Navdeep Appt. Opp. Telephone Exchange, Navrangpura, Ahmedabad; 2. Monali Sharadbhai Shah, Shantinagar Society, Wadaj, Ahmedabad; 3. Moulesh Hasmukhbhai Shah, 'Monali', Sthanakwasi Jain Society, Nr. Narangpura Rly. Crossing, Ahmedabad; 4. Arvindbhai I. Shah, Navdeep Appt. Opp. Telephone Society; 5. Ushaben Chandulal Shah, Srimali Society, Navrangpura, Ahmedabad; 6. Divyaben Vimnilbhai Dalai, Jain Society, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1071.72 + 1071.72 + 1071.72 + 1071.72 + 1071.72 sq. yds. each situated at Bodakdev Dist. Ahmedabad duly registered by S. R. Ahmedabad vide sale-deed Nos. 7992, 7982, 7981, 7975, 7974 & 7981 respectively/5-11-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
 ACQUISITION RANGE-I
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
 AHMEDABAD-380 009
 Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1978/Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. FP No. 722-B TP S. 3, TP S. 3-5, Varied FP.722 Hissa No. 1 'Parimal' Ellisbridge, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Champaklal Purshottamdas Mehta; "Amijyot", Parimal, E.B. Ahmedabad-6.
 (Transferor)

(2) Smt. Vina Anichandra Rana & another, A-2, Amijyot Appt. Parimal Ambawadi, Ahmedabad; 2. Smt. Swati Rohit Maru A-1, Amijyot Appt. Parimal Ambawadi, Ahmedabad; 3. Shri Kantilal D. Buddh, A-4, Amijyot Appt. Parimal Ambawadi, Ahmedabad; 4. Shri Jawant B. Sutaria, A-8, Amijyot Appt. Parimal Ambawadi, Ahmedabad; 5. Shri Pravinchandra A. Modi, A-3, Amijyot Appt. Parimal Ambawadi, Ahmedabad; 6. Shri Nantamlal K. Dalal, A-6, Amijyot Appt. Parimal Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nos. A-2, A-1, A-4, A-8, A-3 & A-6, built up area of 157.08 each, situated at Chhadawad (Amijyot Appt.) Ahmedabad duly registered by S. R. Ahmedabad vide sale-deed Nos. 13380/13381/13382/13383/13384/13385/23-11-81.

G. C. GARG
 Competent Authority.
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
 Acquisition Range-I
 Ahmedabad

Date : 7-6-1982
 Seal :

FORM ITNS—

- (1) Jashumatiben widow of Sureshchandra Ambalal & another; "Gokul Niwas", Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad-5.
(Transferees)
- (2) Dr. Balkrishna Natverlal Dani; Variawad; Village : Chikbali, Dist. Surat.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahm d:bad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1979/Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing S. No. 38-2-3-A-3 paiki, situated at 'Achior' Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Bldg. standing on land 346 $\frac{1}{4}$ sq. yds. situated at Chier, Sabarmati, Ahmedabad duly registered by S. R. Ahmedabad vide sale-deed No. 12823/3/18-11-81.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 10th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1980/Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1953 situated at Wadhawan sim, Dist. Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chandrakant Butalal Shah; Village : Kondha, Tal. Dhrangadhara, Dist. Surendranagar, (Transferor)
- (2) Sukan Machine Products Pvt. Ltd, Director : Jitendra Ramniklal Shah; Udyognagar, Surendranagar. (Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 34 gunthas i.e. 4114 sq. yds., situated at Wadhawan, Dist. Surendranagar, duly registered by S. R. Wadhawan, vide sale-deed No. 4494/Nov., 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 10-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Thakarshibhai Kesbayjibhai Thakkar, in Bazar, Viramgam, Dist. Ahmedabad
(Transferor)

(2) Shri Natverpark C. H. Socy. Ltd. Laxmansinh Ioravars in Zala, Sharda Society, Surendranagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1981/Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 1931 situated at Wadhawan Dist. Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on 27-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 4016-1-6 sq. yds. situated at Wadhawan, duly registered by S. R. Wadhawan, vide sale-deed No. 4570/27-11-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

37-196 GI/82

Date : 10-6-1982
Seal :

FORM I.I.N.D.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1982/Acq.23-I/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Muni. Wd. 2, H. No 241 situated at Dhrangadhara, Dist. Surendranagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Laveriben Cannaganai Pujara; -----
14, Nagin-Mahal, 4th Floor, Nr. Church Gate,
Bombay-20.
(Transferor)(2) Jyotsnaben Rameshbandra Kapadiya;
22, Alam B Road, Churchgate,
Bombay 20
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bldg. standing on land 337 sq. Gaj. situated at Dhrangadhara, Dist. Surendranagar, duly registered by S. R. Dhrangadhara vide sale-deed No. 1635/Nov., 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1983/Acq.-23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 5199 paiki Plot No. 14-15 paiki situated at Gintan Road, Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on 16-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Girishchandra Liladhar Thakkar; of Dhrangadhara, Dist. Surendranagar.
(Transferor)

(2) Shri Suryakant Hitmatlal Shah & another; Tanki Chawk, Surendranagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 395 sq. yds. & 4 $\frac{1}{2}$ sq. ft. situated at Jintan Rd. Surendranagar, duly registered by S. R. Wadhawan, vide sale-deed No 4467/81/16-11-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-6-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,**

**ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1984/Acq.-23-I/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building situated at Keshod, Dist. Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 23-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Vijyagauri Harilal;
2. Jasumati Girdharilal;
3. Ranjanbenchhotalal;
4. Shitalben Manharlal;
through : P.A.H. Shri Harilal Hirachand of Rajkot.
(Transferor)

- (2) 1. Goswamy Trikam Vikramacharyaji;
2. Kusumbala Vahuji Trikamacharyaji;
Kota (Rajasthan).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building standing on land 417 sq. yds. situated at Keshod Dist. Junagadh, duly registered by S. R. Keshod vide sale-deed No. 594/23-11-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Arshbhai Jodhabhai,
Village Khapat, Tal. Una, Dist. Junagadh,
(Transferor)
- (2) Shri Jagdamba Khandasari Sugar Mills;
through : Partner Shri Govindbhai Rumbhai Mori,
Village Khapat, Tal. Una, Dist. Junagadh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1985/Acq.-23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 162/1, paiki—S. No. 1526/76 situated at Village Khapat, Dist. Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 16-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory bldg. standing on land 12140-60 sq. mts. known as Jagdamba Khandasari Sugar Mill, Khapat Tal. Una, Dist. Junagadh, duly registered by S. R. Una, vide sale-deed No. 1940/16-11-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/92.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One plot at Raghunathpura situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Nov. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (1) Sh. Kahan Chand s/o Jai Kishan & Shmt. Champa Wati wd/o Sh. Jai Kishan r/o Bombay through Sh. R. A. Boga through mukhtar aonu Sh. Joginder Singh Mudal r/o vill. Mudal Teh. Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Gautam minor son Sh. Arun Khanna through Sh. Arun Khanna r/o 58-I Lawrence Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One plot of land situated in Raghunathpura Sant Avenue off the Mall Amritsar as mentioned in the sale-deed No. 14744/dated 4-11-81 of the registering authority Amritsar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-6-1982
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR**

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83 '93.—Whereas, I,

ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One plot at Raghunath Pura situated at Amritsar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on November, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kahn Chand s/o Shri Jai Kishan and Smt. Champa Wai w/o Jai Kishan R/o Bombay through Shri R. A. Boga through Shri Joginder Singh Mudal mukhtar Aam R/o Village Mudal Teh. & Distt. Amritsar. (Transferee)
- (2) Smt. Usha Khanna w/o Shri Arun Kumar Khanna R/o 58 Lawrence Road, Amritsar. (Transferor)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated in Raghunath Pura Sant Avenue off the Mall Amritsar as mentioned in the sale deed No. 14745 dated 4-11-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 28-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/94.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land in Raghunath Pura situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on November, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kahan Chand s/o Shri Jai Kishan and Smt. Champa Wati wd/o Shri Jai Kishan R/o Bombay through Shri R. A. Boga through Shri Joginder Singh Mudali Attorney General R/o Village Mudali Teh. & Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Arun Khanna s/o Shri Shiv Parkash Khanna R/o 58, Lawrence Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

One plot of land situated in abadi Raghunath Pura Sant Avenue off the Mall Amritsar as mentioned in the sale deed No. 14746 dated 4-11-81 of the registering authority Amritsar.

THE SCHEDULE

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 28-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 22nd June 1982

Ref. No. ASR/82-83/95.—Whereas, I,

ANAND SINGH IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One Plot at Race Course Rd., situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on November, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Rakesh Chander Mehra s/o Shri Harbans Lal R/o Race Course Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Janak Raj, Prithvi Raj ss/o Shri Ram Lubhaya R/o Race Course Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant plot No. 18-D measuring 655 sq. yards situated on Race Course Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15987 dated 30-11-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
38—196 GI/82

Date : 22-6-1982
Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 22nd June 1982

Ref. No. ASR. 82-83 /96.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One house in Gali No. 2 Bharat Nagar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on November, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Leela Wati alias Leela Devi
W/o Kisan Chand
R/o Bharat Nagar,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Jagjit Singh s/o Joginder Singh,
Surinder Kaur w/o Jagit Singh
R/o Gali No. 2, Bharat Nagar,
Batala.

(Transferee)

(3) As at St. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house (area 255 sq. yards) situated in Gali No. 2 Bharat Nagar, Batala Road, Amritsar as mentioned in sale deed No. 14947, dated 9-11-1981 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 22-6-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Maya Devi w/o Gian Chand and
Gian Chand s/o Karam Chand Mahajan
R/o Dhangu Road, Pathankot.
(Transferor)

(2) Smt. Usha Goel w/o Shri R. K. Goel
R/o H. No. 261/144 Dhangu Road,
Pathankot.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 29th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/97.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Pathankot has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Pathankot on November, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One residential house situated at Dhangu Road, Pathankot as mentioned in the sale deed No. 2420/dated 27-11-1981 of the registering authority, Pathankot.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-6-1982

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Onkar Nath s/o Shri Ram Chand
R/o 42, Rani Ka Bagh,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Parmala Devi w/o Kanwal Jit Randhawa
R/o H. No. 2844/20 Gali No. 3 Putlighar,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/98.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

One house in Sarai Bhagwan Dass Putlighar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One house No. 951/IV-17 (area 79 sq. yards) situated opposite Surai Bhagwan Dass cemetery Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15794 dated 25-11-81 of the registering authority, Amritsar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-6-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 29th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/99.—Whereas, I,

ANAND SINGH IRS.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One house in Bhagtanwala situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SR Amritsar on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Dia Singh s/o Mahal Singh
R/o Kothi No. 78 Golden Avenue,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Lal Singh Dhingra s/o Shri Sarup Singh
R/o Bazar Bagh Jhanda Singh,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in property No. 190 and new No. 3828/9-19 33574/9-19 situated in Nai Abadi Inside gate Bhagtanwala Gali No. 2 Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15616 dated 20-11-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 29th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/100.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One house in Bhagtanwala situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on November, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kripa Singh s/o Mahal Singh R/o Kathi No. 78 Golden Avenue, Amritsar. (Transferor)
- (2) S. Satnam Singh Dhingra S/o Shri Sarup Singh R/o Bagh Jhanda Singh, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in property No. 190 and new No. 3828/9-19 and 3574/9-19 situated in Nai Abadi inside Gate Bhagtanwala Gali No. 2, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15522/dated 19-11-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 28-6-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURL TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 29th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/101.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
 moveable property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land in Sant Avenue situated at Amritsar
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration
 therefor by more than fifteen per cent of such apparent
 consideration and that the consideration for such transfer
 as agreed to between the parties has not been truly stated in
 the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

(1) Smt. Champa Wati wd/o Shri Jai Kishan and
 Kahan Chand s/o Shri Jai Kishan
 R/o Bombay through Shri Rustam Ardeshar Boga-
 Mukhtar aam through Shri Joginder Singh
 R/o Village Mudal Teh. & Distt. Amritsar.
 (Transferor)

(2) Shri Balkishan Anand
 S/o Shri Gauri Shankar Anand
 R/o Katra Bag Singh,
 Amritsar.
 and Satish Kumar and Vipan Kumar Anand
 S/o Shri Balkishan
 R/o Katra Bagh Singh,
 Amritsar.
 (Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
 (Person in occupation of the property)
 (4) Any other.
 (Person whom the undersigned knows
 to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 250 sq. yards situated in Sant
 Avenue behind SSP's Kothi the Mall Amritsar mentioned in
 the sale deed No. 14877 dated 6-11-82 of the Registering
 authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Amritsar

Date : 29-6-1982
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/102.—Whereas, I,

ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land in Sant Avenue situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Champa Wati wd/o Shri Jai Kishan and Kahan Chand s/o Shri Jai Kishan R/o Bombay through Shri Joginder Singh attorney R/o Mudal Teh. & Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar, Surinder Kumar, Ravinder Kumar Ss/o Shri Kidar Nath R/o Gali No. 3-A Bagh Rama Nand, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land situated in Sant Avenue behind SSP's kothi, the mall Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15002/dated 10-11-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 28-6-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
3 CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR**

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/103.—Whereas, I, **ANAND SINGH IRS**, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot in Raghunathpura situated at Sant Avenue Amritsar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Champa Wati wd/o Jai Kishan, Kahan Chand s/o Jai Kishan R/o Bombay through Shri Joginder Singh R/o Village Mudal attorney (Transferor)
- (2) Shri Kidar Nath s/o Amar Nath, Ashwani Kumar s/o Kidar Nath R/o Gali No. 3-A, Bagh Rama Nand, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land situated in Sant Avenue behind SSP's kothi, the Mall Amritsar as mentioned in the sale deed No. 14860/dated 6-11-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

39—196 GI/82

Date : 28-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/104.—Whereas, I,

ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One bldg. at Qucens Rd. situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New at SR Amritsar on Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Daulat Ram Durga Dass Mehra Dharamarth Trust through Smt. Raj Kumari W/o Janki Dass & Ashok Kumar S/o Janki Dass Mehra of Queens Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shrimati Kulwant Kaur W/o Parkash Singh C/o S. Harbeant Singh of Hamidpura Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
Sh. Ram Lal S/o Hans Raj
Sh. Raghbir Singh S/o Sarup Singh
Sh. Pritam Singh
Sh. Gian Singh S/o Sohan Singh
Sh. Gian Singh S/o Harnam Singh &
(vi) Sh. Raghbir Singh (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

One building situated at queens Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 13910/dated 27-11-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/105.—Whereas, I,
Anand Singh IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One bldg. at Queens Rd. situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Daulat Ram Durga Dass Mehra Dharamarth Trust through Smt. Raj Kumari Wd/o Janki Dass Mehra & Ashok Kumar S/o Janki Dass Mehra R/o Queens Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Gurbinderbir Singh s/o S. Harbeant Singh r/o Hamidpura Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenants(s) if any
Sh. Ram Lal S/o Hans Raj
Sh. Ragbir Singh S/o Sarup Singh
Sh. Pritam Singh
Sh. Gian Singh S/o Sohan Singh
Sh. Gian Singh S/o Harnam Singh &
Sh. Ragbir Singh

(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One building situated at Queens Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15911 dated 27-11-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR**

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/106.—Whereas, I,

Anand Singh IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One bldg. at Queens Rd. situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar in Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Daulat Ram Durga Dass Mehra Dharamarth Trust through Smt. Raj Kumari Wd/o Janki Dass Mehra & Ashok Kumar S/o Janki Dass Mehra R/o Queens Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) S. Jatinderbir Singh s/o S. Harbeant Singh c/o S. Harbeant Singh of Hamidpura Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
Sh Ram Lal S/o Hans Raj
Sh. Raghbir Singh S/o Sarup Singh
Sh. Pritam Singh
Sh. Gian Singh S/o Sohan Singh
Sh. Gian Singh S/o Harnam Singh &
Sh. Raghbir Singh

(Person in occupation of the property)

(4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One bldg. situated at Queens Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15909 dated 27-11-81 of the Registering Authority, Amritsar.

**ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.**

Date : 28-6-1982

Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection(1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/107.—Whereas, I,
Anand Singh IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One bldg. at Queens Rd. situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Daulat Ram Durga Dass Mehra Dharamarth Trust through Smt. Raj Kumari Wd/o Janki Dass Mehra & Ashok Kumar S/o Janki Dass Mehra R/o Queens Road, Amritsar. (Transferor)

(2) Shri Jatinderbir Singh s/o S. Harbeant Singh r/o Harnidpura Distt. Amritsar. (Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenants(s) if any
Sh. Ram Lal S/o Hans Raj
Sh. Raghbir Singh S/o Sarup Singh
Sh. Pritam Singh
Sh. Gian Singh S/o Sohan Singh
Sh. Gian Singh S/o Harnam Singh &
Sh. Raghbir Singh (Person in occupation of the property)

(4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building situated at Queens Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 15912/dated 27-11-1981 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-6-1982
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR
Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/108.—Whereas, I,
Anand Singh IRS,
being the Competent Authority under Section 169B of
the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. One bldg. at Queens Rd. situated at Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
SR Amritsar in Nov., 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Daulat Ram Durga Dass Mehra Dharamarth
Trust through Smt. Raj Kumari Wd/o Janki Dass
Mehra & Ashok Kumar S/o Janki Dass Mehra
R/o Queens Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) S. Gurbinderbir Singh s/o S. Harbeant Singh
c/o S. Harbeant Singh
r/o Hamidpura Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenants(s) if any
Sh. Ram Lal S/o Hans Raj
Sh. Raghbir Singh S/o Sarup Singh
Sh. Pritam Singh
Sh. Gian Singh S/o Sohan Singh
Sh. Gian Singh S/o Harnam Singh &
Sh. Raghbir Singh
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building situated at Queens Road, Amritsar, as mentioned
in the sale deed No. 15841/dated 26-11-81 of the
Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 28-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/109.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One bldg. at Queens Rd. situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Daulat Ram Durga Dass Mehra Dharamarth Trust through Smt. Kaj Kumari W/o S. Janki Dass & Ashok Kumar S/o Janki Dass of Queens Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Jeet Kaur w/o S. Harbeant Singh c/o S. Harbeant Singh of Hamidpura Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenants(s) if any
 Sh. Ram Lal S/o Hans Raj
 Sh. Raghbir Singh S/o Sarup Singh
 Sh. Pritam Singh
 Sh. Gian Singh S/o Sohan Singh
 Sh. Gian Singh S/o Harnam Singh &
 (vi) Sh. Raghbir Singh

(Person in occupation of the property)

(4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building situated at Queens Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15842/dated 26-11-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
 Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-6-1982
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR
Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/110.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One bldg. at Queens Rd. situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Nov., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Daulat Ram Durga Dass Dharamarth through Smt. Raj Kumari W/o Janki Dass & Ashok Kumar S/o Janki Dass Mehra R/o Queens Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Amolak Singh s/o Gurbachan Singh c/o Harbeant Singh r/o village Hamidpura Distt. Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenants(s) if any
Sh. Ram Lal S/o Hans Raj
Sh. Raghbir Singh S/o Surup Singh
Sh. Pritam Singh
Sh. Gian Singh S/o Soha Singh
Sh. Gian Singh S/o Harnam Singh &
Sh. Raghbir Singh
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building situated at Queens Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15840/dated 26-11-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date : 28-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/111.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One bldg. at Queens Rd. situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on Nov., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Daulat Ram Durga Dass Mehra Dharamarth Trust through Smt. Raj Kumari W/o Janki Dass Mehra & Ashok Kumar S/o Janki Dass Mehra R/o Queens Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Nito w/o S. Harbeant Singh c/o S. Harbeant Singh of village Hamidpura Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
Sh. Ram Lal S/o Hans Raj
Sh. Ragbir Singh S/o Sarup Singh
Sh. Pritam Singh
Sh. Gian Singh S/o Sohan Singh
Sh. Gian Singh S/o Harnam Singh &
(vi) Sh. Ragbir Singh

(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building situated at Queens Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15908 dated 27-1-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
40—196 GI/82

Date : 28-6-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/112.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. One bldg. at Queens Rd. Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
SR Amritsar on Nov., 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Daulat Ram Durga Dass Mehra Dharamarth
Trust through Smt. Raj Kumari Wd/o Janki Dass
& Sh. Ashok Kumar s/o Janki Dass
r/o Queens Road, Amritsar.
(Transferor)

(2) Smt. Kulwant Kaur w/o Sh. Parkash Singh r/o
Hamidpura Teh. Distt. Amritsar.
(Transferee)

(3) Sh. Ram Lal s/o Hans Raj
Sh. Raghbir Singh s/o Sarup Singh
Sh. Pritam Singh
Sh. Gian Singh s/o Sohan Singh
Sh. Gian Singh s/o Harnam Singh &
Sh. Raghbir Singh
(Person in occupation of the property)

*(4) Any other
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building at queens Road, Amritsar as mentioned in
the sale deed No. 15913/dated 27-11-81 of the registering
authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 28-6-1982
Seal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/113.—Whereas, 1,
ANAND SINGH IRS,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One Bldg. at Queens Rd. situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Daulat Ram Durga Dass Mehra Dharamarth Trust through Smt. Raj Kumari Wd/o Janki Dass & Ashok Kumar s/o Janki Dass r/o Queens Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Jeet Kaur w/o S. Harbeant Singh c/o S. Harbeant Singh r/o Hamidpura Ter. & Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) Sh. Ram Lal s/o Hans Raj
 Sh. Raghbir Singh s/o Sarup Singh
 Sh. Pritam Singh
 Sh. Gian Singh s/i Sohan Singh
 Sh. Gian Singh s/o Harnam Singh &
 Sh. Raghbir Singh
 (Person in occupation of the property)

(4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the **said** Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

One building at queens Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15914/dated 27-11-1981 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-6-1982

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/114.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS,
 being the Competent Authority under Section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing
 No. One property at Queens Rd. situated at Amritsar
 (and more fully described in the schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at
 SR Amritsar on Nov., 1981
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
 initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prop-
 erty by the issue of this notice under sub-section (1) of
 section 269D of the said Act, to the following persons
 namely :—

(1) Shri Daulat Ram Durga Dass Mehra Dharamarth
 Trust through Smt. Raj Kumari wd./o Janki Dass
 & Ashok Kumar S/o Janki Dass Mehra
 & Ashok Kumar s/o Janki Dass Mehra.
 (Transferor)

(2) Bibi Harneet Kaur Sakhon d/o Harbeant Singh
 r/o Hamidpura Teh & Distt. Amritsar.
 (Transferee)

* (3) Sh. Ram Lal s/o Hans Raj
 Sh. Raghbir Singh s/o Sarup Singh
 Sh. Pritam Singh
 Sh. Gain Singh s/o Sohan Singh
 Sh. Gain Singh s/o Harnam Singh &
 (iv) Sh. Raghbir Singh
 (Person in occupation of the property)

* (4) Any other Person whom the undersigned knows to be
 interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

One buliding situated at Queens Road, Amritsar as men-
 tioned in the sale deed No. 15915/dated 27-11-81 of the
 registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
 Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-6-1982
 Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/83/115.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One bldg. at Queens Road, Amritsar situated at Amritsar Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at SR Amritsar, on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the death-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Daulat Ram Durga Dass Mehra Dharamarth Trust through Smt. Raj Kumari wd/o Janki Dass and Ashok Kumar s/o Janki Dass 1/2 Queens Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Amolak Singh s/o Gurbachan Singh
t/o Hamidpura Teh & Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
Ram Lal s/o Hans Raj
Sh. Raghbir Singh s/o Sarup Singh
Sh. Pritam Singh
Sh. Gian Singh s/o Sohan Singh
Sh. Gian Singh s/o Harnam Singh &
Calcutta, the 25th May 1982
(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building situated at Queens Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15916/dated 27-11-1981 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsar

Date : 28-6-1982

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Samar Banerjee, 11, Haridas Banerjee Road,
P.O. Shibpur, Dist. Howrah.
(Transferor)

(2) M/s. Mohan Laminators (P) Ltd.
5/1, Clive Road, Calcutta-1.
(Transeree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
CALCUTTA

Calcutta, the 25th May 1982

Ref. No. AC-12/Acq.R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28 situated at Andul Road, Howrah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Howrah on 9-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 7 cottahs 0 chs. 16 sft. Address : 28, Andul Road, P.S. Shibpur, Distt. Howrah, Deed No. 5317 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV,
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Provabati Poddar,
C/o. Sri Harinayan Poddar,
P-26, Raja Radha Kanta Deb Lane,
Calcutta-700006.

(Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 9th June 1982

Ref. AC-9/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I,
K. SINHA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. 210, situated at C.I.T. Scheme No. VII (M), Calcutta,
and more fully described in the schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at R. A. Calcutta on 29-11-1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Smt. Mira Gupta,
C/o. Sri Krishna Lal Gupta,
P-199B, C.I.T., Scheme No. VI,
Calcutta-54.

(Transeree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Area 5 Cottahs 1 Chittaks 11 sq. ft. being Plot No. 210, C.I.T. Scheme No. VII (M), Calcutta. More particularly described in deed No. 9488 of R. A. Calcutta of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-6-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Sm. Bina Mitra
Sm. Hena Bose

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Prohlad Kr. Nath

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th June 1982

Ref. No. 1102/Acq.R-III/82-83/Cal.—Whereas, I,
K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12 situated at Radhabazar Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share of land measuring 6 cottahs 3 chittacks 43 sq. ft. with building being premises at 12, Radhabazar Lane, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-6-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Smt. Bina Mitra
Smt. Hena Bose

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Sri Pronab K. Nath

(Transeree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th June 1982

Ref. No. 1103/Acq. R-III/82-83/Cal.—Whereas, I,
K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 12 situated at Radhabazar Lane, Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28 Nov. 81
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share of land measuring 6 cottahs 3 chittacks 43 sq. ft. with building being premises No. 12, Radha Bazar Lane, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1952 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
41—196 GI/82

Date : 9-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sm. Bina Mitra
Sm. Hena Bose

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Asoke Kr. Nath.

(Transeree)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA**

Calcutta, the 9th June 1982

Ref No.: 1104/Acq. R-III/82-83/Cal.—Whereas, I, K. SINHA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12 situated at Radhabazar Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

— (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share of land measuring 6 cottahs 3 Chettacks 43 sq. ft. with building being premises No. 12, Radha Bazar Lane, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-6-1982

Seal :

FORM ITNS(1) Sm. Bina Mitra
Sm. Hena Bosc

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anup Kr. Nath.

(Transeree)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA
Calcutta, the 9th June 1982

Ref. No 1105/Acq.R-III/82-83/Cal.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12 situated at Radha Bazar Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share of land measuring 6 cottahs 3 chittacks 43 sq. ft. with building being premises No. 12, Radha Bazar Lane, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-6-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shambhu Nath Singh S/o Ram Ganeet Singh,
R/o Village—Khajepura, P.S. Gardanibagh,
Dist. Patna.

(Transferor)

(2) (i) Shri Md. Sahid S/o Hajan Rashid
(ii) Md. Naseem S/o Abdul Hakim,
R/o Fulwarisharif, P. S. Gardanibagh,
P. S. Fulwari, Dist. Patna.

(Transeree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 18th June 1982

Re. No. III-558/Acq/82-83.—Whereas, I,
H. NARAIN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Tauzi No. 5282 (Previous) 28-C (Present) Khesara No. 595, 589, 598, Thana. No. 18 situated at Mouza Rukunpura, P. S. Dinapore Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Patna on 14-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land about 29½ decimals situated at Mouza Rukunpura P.S. Dinapore Dist. Patna more fully described in Deed No. 8662 dated 14-11-1981 registered with D.S.R. Patna.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna.

Date : 18-6-1982

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Kochudevassy,
S/o Thermadathinkal Ambakadam Lonappan,
Near Ambakadan Well, Trichur.
(Transferees)

(2) M/s Udaya Traders, Money Lenders,
High Road,
Trichur.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given,
in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

7 cents of land with a building as per schedule attached
to Doc. No. 6544 dated 25-11-1981.

P. J. THOMASKUTTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely:—

Date : 30-6-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR,

COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 29th June 1982

Ref. L.C. No. 585/82-83.—Whereas I, P. J. THOMAS-KUTTY,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 10-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sri Kochupara
S/o Sri Paran Nediyamveetil, Thiruvambady,
Near Cherumukk Temple, Trichur.
(Transferors)
- (2) 1. V. K. Rajasimham S/o Kunjayappam Karumku, P.O. Kandananakadavu.
2. T. K. Gopalan, Thandiakal, P.O. Anthikad, Trichur.
3. K. V. Bhaskaran, Jr. Supdt. K. S. E. Board, Tritals, Palghat.
4. Dr. K. R. Rajan, Dy. Director, Animal Husbandry, Civil Line Ayyanthole, Trichur.
5. M. D. Vareed, Muviyadam House, Kuttur Village Desom, Near Malamkunnathukave, Trichur.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

78 cents of land in Sy. No. 143 of Trichur village.
Date : 29-6-1982.

P. J. THOMASKUTTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ernakulam.

Date : 29-6-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 1st July 1982.

Ref. No. IAC/CA5/SR. Bombay/729/Nov. 81/82-83.—
 Whereas, I. R. K. AGGARWAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. E-235/11 situated at City, Kolhapur, Tal. Karvir, Dist. Kolhapur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Bombay on Nov. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Vidyadhar Ganesh Katre & Others 2, 1224 (Belvedore), Warden Road, BOMBAY-26.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Aziz Mahomed Amin Hurzuk, Shri Mohamed Yusuf Mohamed Amin Hurzuk, Kelvakar's Bungalow, 247/E, Tarabai Park, KOLHAPUR.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. E-235/11, situated at City Kolhapur, Tal. Karvir Dist. Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under document No. R-1095 in the Office of the Sub Registrar, Bombay in the month of November, 1981).

R. K. AGGARWAL
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-7-1982.
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 29th June 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR, Haveli-II/Jan. 82/728/82-83.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 106/8 T.P. No. 1, F.P. No. 58/6 situated at Erandwane, Pune-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Haveli-II on Jan. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Niwatti Maruti Balkawade & Others 2,
106/8 Erandavane,
PUNE-4.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Parshuram Joglekar,
Chairman,
Makrand Co-operative Housing Society,
106/8, Erandavane,
PUNE-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing C.S. No. 106/8, T.P. No. 1, F.P. No. 58/6 situated at Erandavane, Pune-4.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 749 in the office of the Sub Registrar, Haveli-II in the month of January 1982).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 29-6-1982,
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Jalgaon/731/Nov. 81/82-83.—
 Whereas, I, R. K. AGGARWAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shet Gat No. 391 situated at Kusumbe Khurd, Dist. Jalgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1968) in the office of the Registering Officer at SR. Jalgaon on Nov. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Dagadulal Laxmandas Parakh
 2. Shri Kevalchand Bhagchand Desarda
 210, Balaji Peth,
 JALGAON.

(Transferor)

(2) United Properties and Investment Co. Jalgaon,
 Partner Shri Satish Soma Bhole,
 Bhavani Peth,
 JALGAON.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Shet Gat No. 391 situated at Kusumbe Khurd, Dist. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3483 in the office of the Sub Registrar, Jalgaon in the month of Nov. 1981).

R. K. AGGARWAL
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Poona

Date : 1-7-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE-1.**

Pune-1, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Miraj/Nov. 81/730/82-83.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 458, Plot No. 28 situated at Sangli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Miraj-I on Nov. '81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mahmad Bapusahab Sayyad,
1259, Khanbhag,
SANGLI.

(Transferor)

(2) Shri Valarmal Vakshayatrali Shambhwani,
Gavali Galli,
SANGLI.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing R. S. No. 458, Plot No. 28 situated at Sangli.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2304 in the office of the Sub Registrar, Miraj-I in the month of Nov. 81)

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-7-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Mrs. (R) Shantha,
Flat No. 34 E, Highway Apartments,
Opp. C.I.T. Sion,
Bombay-400 022.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-I.

Pune-I, the 5th July 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Haveli-II/Nov. 81/736/82-83.—
Whereas, I, R. K. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Apartment No. B-101 on the first floor and parking space No. B-1 in bldg. No. B-construction on S. No. 161/A/1/6 B & C situated at Shivajinagar, Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

SR. Haveli-I on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) (1) Mrs. Kamala Ratilal Bhayani

(2) Mrs. Ranjan Subhas Bhayani
Apartment No. B/101, Building No. 8,
Ashit Apartment, Mody Baug,
S. No. 161/A/1/6 B & C,
Ganeshkhind Road,
Pune-411 016.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing Apartment No. B-101 on the first floor and parking space No. B-1 in bldg. No. B constructed on S. No. 161/A/1/6 B & C, Shivajinagar, Poona.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 4360 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I in the month of November, 81)

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 5-7-1982.
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 5th July 1982

Ref. No. IAC/CAS5/SR. Newasa/733/Jan. 82/82-83.—Whereas, J. R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shet Gat No. 101 situated at Kangoni, Tal. Newasa Dist. Ahmednagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Newasa on Jan. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Sonibai Navalmal Gandhi,
Dal Mandai,
AHMEDNAGAR.

(Transferor)

(2) Shri Ratilal Nensukh Mutha and 4 Others,
Navi Peth,
AHMEDNAGAR.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing Gat No. 101 situated at Kangoni, Tal. Newasa, Dist. Ahmednagar.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 69 in the office of the Sub-Registrar, Newasa in the month of January, 1982)

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-7-1982.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vishwanath Anandrao Patil,
Managing Partner Rajesh Apartment Jalgaon,
172, Navi Peth,
JALGAON.

(Transferor)

(2) Shri Ravindra Totaram Varhade,
Managing Partner M/s. Sonal Traders Jalgaon,
Samarth Colony,
JALGAON.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 5th July 1982

Ref. No. IAC/CAS5/SR. Jalgaon/Nov. 81/735/82-83.—
Whereas, I, R. K. AGGARWAL,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Shet Gat No. 88 Nimkhedi Khurd, Dist. Jalgaon
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
SR. Jalgaon on Nov. 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Shet Gat No. 88 situated at Nimkhedi Khurd, Dist. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2606 in the office of the Sub Registrar, Jalgaon in the month of November, 1981).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-7-1982.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 5th July 1982

Ref. No. IAC/CAS/SR. Ahmednagar/Nov. 81/734 '82-83—
Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 494/1 situated at Kedgaon, Tal. & Dist. Ahmednagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR. Ahmednagar on Nov. 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Samarbahadur Singh Tahsildarsinh,
Akhgaon Road,
Near C.M.E. Foundry,
Ahmednagar.

(Transferors)

(2) Shri Prabhakar Dinkar Deshpande,
Chief Promotion of Niyojit Shivajinagar
Grih Bandhani Society,
Kedgaon,
Tal & Dist. Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 494/1 situated at Kedgaon, Tal. & Dist. Ahmednagar.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3043 in the office of the Sub Registrar, Ahmednagar in the month of Nov. 1981).

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said, to the following

Date : 5-7-1982.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 5th July 1982

Ref. No. IAC/CAS/SR. Satara/Nov. 81/737/82-83.—
Whereas, I, R. K. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 512, situated at Sadar Bazar, Satara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Satara on Nov. 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Amrutlal Hirachand Sanghavi,
2. Dr. Subhash Amrutlal Sanghavi,
896, Shanwar Peth,
SATARA,

(Transferor)

- (2) Shri Jayant Hirachand Shaha & Others 5,
11, Sadashiv Peth,
SATARA.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 512, Sadar Bazar, Satara.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1897 in the office of the Sub-Registrar, Satara in the month of November, 1981).

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 5-7-1982.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG
LUCKNOW

Lucknow, the 28th May 1982

G.I.R. No. M-135/Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 56/6 to 9, Tilpurwa situated at Husainganj, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 6-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Praveen Chandra Gupta,

(Transferor)

(2) Manas Sahkari Grih Nirman Samiti Limited, 54, Jai Narain Road, Lucknow through Shri Ram Awadhesh Tewari,

(Transferee)

(3) Above transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 56/6 to 9, Tilpurwa, Husainganj, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form No. 37G No. 6842, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 6-11-1981.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 28-5-1982
Seal :